मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.7	13.9
जमशेदपुर	23.9	09.0
डालटनगंज	23.4	06.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

बुधवार, 24 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 277

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

* * * * *

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- पश्चिमी चीन में 7.1 तीव्रता का आया भूकंप
- नाटो ने 1.2 अरब डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये
- राम मंदिर को लेकर इजराइल में मना जश्न
- श्रीलंका ने 6 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

नेशनल
- अयोध्या में पहुंचे 8 लाख लोग, अफरा-तफरी
- महाराष्ट्र में नाव पलटने से महिला डूबी, पांच लापता
- भ्रष्टाचार केस में गिरफ्तार अधिकारी बिश्नोई निलंबित
- राजस्थान विधानसभा की कार्रवाई के दौरान हंगामा

स्टेट
- अफसरों का बड़े पैमाने पर होगा तबादला
- डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का नहीं हो रहा कार्य
- झारखंड में भूमि की उत्पादकता घटी
- कोहरा छटते ही बढ़ी कनकनी, गिरा पारा

स्पोर्ट्स
- देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल
- अति आक्रामक रवैया नहीं अपनायेंगे : द्रविड
- किरन जॉर्ज इंडोनेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में
- बैजबॉल से ढेरों विकेट मिल सकते हैं : बुमराह

किसने क्या कहा

- यह शर्मनाक है कि हम नहीं जानते कि नेताजी के साथ क्या हुआ था : **ममता बनर्जी**
- सूर्योदय योजना प्रधानमंत्री का एक और जुमला : **-मल्लिकार्जुन खरगे**
- प्रत्येक रामभक्त भाजपा का समर्थक नहीं : **-शशि थरूर**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,500
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

शेयर बाजार हुआ धड़ाम, करोड़ों स्वाहा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में मंथली एक्सपायरी और बजट से पहले मंगलवार को बड़ी मुनाफावसूली दिखी और बेंचमार्क इंडेक्स धड़ाम हो गए. सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार की सुबह मजबूत शुरुआत बावजूद गिर कर लाल निशान पर बंद हुए. सेंसेक्स 1,053.10 अंकों यानी 1.47% की गिरावट के साथ 70,370.55 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी 333.00 अंक या 1.54% टूटकर 21,238.80 के स्तर पर बंद हुआ. वैश्विक बाजारों में मजबूती के बावजूद बैंकों, तेल व गैस, एफएमसीजी और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बाजार से धड़ाम हो गया. **पेज 11 भी देखें**

अयोध्या हमारी यादों में अंकित रहेगा: पीएम

नयी दिल्ली। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में हमने जो देखा, वह आने वाले कई वर्षों तक हमारी यादों में अंकित रहेगा. पीएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अयोध्या में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बारे में पूरी जानकारी दी है.

रामलला को देखने उमड़ा भक्तों का हुजूम

अयोध्या। अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के एक दिन बाद मंगलवार को जनता के लिए कपाट खुल गए. मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. मंगलवार को करीब 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किये. **पेज 12 भी देखें**

सुप में भारत का स्थायी सदस्य न होना बेतुका

न्यूयॉर्क। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क ने कहा कि धरती का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य न होना बेतुका है और उन्होंने इस विश्व निकाय में बदलाव करने का आह्वान किया है.

रिटायरमेंट से पहले अभियंता प्रमुख ने बदल दिया ट्रेनिंग का फॉरमेट

सिस्टम पर भारी इंजीनियर

अमित सिंह। रांची

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इंजीनियर सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं. आम जनता को पीने का शुद्ध पानी कैसे मिलेगा? इन विषयों पर काम करने के बजाए, इंजीनियर अपनों के फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं. 31 दिसंबर 2023 को पेयजल विभाग के अभियंता प्रमुख रघुनंदन शर्मा रिटायर हो. इससे पहले शर्मा ने अपने एक चहेते को फायदा पहुंचाने के लिए केआरसी ट्रेनिंग का फारमेट ही बदल दिया. इस बदलाव की वजह से सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान हो रहा है. वहीं दूसरी तरफ केआरसी ट्रेनिंग में शामिल होने वाले इंजीनियर आमलोगों के पैसों पर ट्रेनिंग के नाम पर होटल में मौज किया और आगे भी करते रहेंगे.

रघुनंदन शर्मा ने अभियंता प्रमुख रहते हुए विभागीय कोष को बढाने के बजाए करीबियों को लाभ पहुंचाने का काम किया. इसी के तहत शर्मा ने केआरसी ट्रेनिंग का स्थान ही बदल दिया. पहले यह टेनिंग कांके स्थित पेयजल विभाग के विश्वस्तरीय सभागार विश्वा में होती थी. ट्रेनिंग में शामिल होने वाले इंजीनियर विश्वा में ही रुकते थे. अब विश्वा के बजाए केआरसी ट्रेनिंग लेबल-टू राजधानी के मेन रोड स्थित एक होटल में आयोजित किया गया. 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक होटल में ट्रेनिंग कार्यक्रम चला.

केंद्रीय एजेंसी करेगी भुगतान: की-रिसोर्स सेन्टर (केआरसी) की स्थापना अप्रैल 2005 में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से की गयी है. रिसोर्स सेन्टर का कार्य राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान के रूप में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) की रणनीति और राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न हितधारकों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों का संचालन, शोध इत्यादि किया जाना है. केआरसी ट्रेनिंग पर होने वाला खर्च मंत्रालय वहन करत है. ऐसे में रांची के होटल को मंत्रालय से बिल के एवज में भुगतान होगा.

सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान

सवाल सुनते ही चुप्पी साध ले रहे हैं जिम्मेवार

केआरसी ट्रेनिंग लेबल-2 के लिए पेयजल विभाग विश्वा के बजाए इंजीनियरों के ठहरने, उनके खाने-पीने आदि का सारा भुगतान होटल को करेगा. होटल का चयन किस प्रक्रिया के तहत हुआ? विश्वा के बजाए होटल में विभागीय ट्रेनिंग कार्यक्रम क्यों आयोजित किय गया? इस मसले पर बोलने के लिए कोई तैयार नहीं है. पेयजल विभाग के जिम्मेवार सबकुछ जानते हुए भी खामोश रहने में ही अपना फायदा देख रहे हैं. केआरसी ट्रेनिंग के तहत तीन लेबल में ट्रेनिंग होती है. दूसरे लेबल में मिड मैनेजमेंट स्तर के लोग ट्रेनिंग लेते हैं.

ऐसे समझें कैसे पहुंचाया गया सरकारी कोष को नुकसान

शुभम संदेश ने जब खबर की पड़ताल शुरू की, तो विभागीय जिम्मेवारों ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है. विभाग का अपना ट्रेनिंग सेंटर है, विश्वा. सभी ट्रेनिंग कार्यक्रम वहीं होते रहे है. संभवत: विश्वा में कुछ काम चल रहा था, इसलिए केआरसी लेबल-टू ट्रेनिंग मेन रोड स्थित होटल में कराया गया. अभियंता प्रमुख के स्तर से ट्रेनिंग से संबंधित निर्णय लिए गए है. ट्रेनिंग के लिए होटल का चयन किस प्रक्रिया से किया गया? इस सवाल का जवाब विभाग के किसी भी जिम्मेवार के पास नहीं है.

होटल को लाखों का भुगतान

केआरसी लेबल-टू की ट्रेनिंग में अबतक कुल 403 इंजीनियर आदि शामिल हो चुके है. छह बैच में तीन दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन हुआ. एक बैच में 50 से 55 लोग शामिल हुए. 10 बैच में कुल 500 लोगें की ट्रेनिंग होनी है. जिस होटल में छह बैच की ट्रेनिंग हुई, उसके एक डबल बेड वाले कमरे का किराया करीब 4500 रुपए है. ब्रेक फास्ट, डिनर और लंच का भुगतान अलग से करना है. 403 लोगों को कुल 200 कमरों में ठहराया गया. तीन दिनों के ठहराव के लिए 200 कमरों का किराया 27 लाख रुपए होता है. इसके अलावा विभाग ने हॉल सहित अन्य मदों में खर्च किए. अबतक कुल खर्च करोड़ों में बताया जा रहा है. अभी चार बैच की और ट्रेनिंग होनी है.

विभागीय एजेंसी को होती है आमदनी

पेयजल विभाग का कांके स्थित विश्वा में कुल 20 कमरे है. डबल बेड के साथ 40 लोगों के ठहरने की बेहतरीन सुविधा है. एक कमरे का किराया 1250 रुपए प्रतिदिन सरकार की ओर से निर्धारित है. वहीं ट्रेनिंग हॉल का किराया 12,500 रुपए है. करीब 1000 रुपए में दिन का नास्ता, दोपहर का भोजन और रात का भोजन शामिल है. केआरसी लेबल-2 की ट्रेनिंग यहां होती, तो विश्वा को लाखों की आमदनी होती. **रघुनंदन शर्मा** के अभियंता प्रमुख की कुर्सी से हटने के बाद पेयजल विभाग वर्तमान में केआरसी लेबल-थ्री की ट्रेनिंग विश्वा में ही आयोजित कर रखा है. इस ट्रेनिंग में प्रदेशभर से लोग शामिल होने के लिए आए है.

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकलेगी झारखंड की झांकी

75वें गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है. नयी दिल्ली में होनेवाले मुख्य समारोह के लिए मंगलवार को फुल एंड फाइनल पूर्वाभ्यास किया गया. इसमें झारखंड की झांकी भी नजर आयी. इस बार राष्ट्रीय कार्यक्रम में 16 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों का चयन हुआ है. इस साल झारखंड की झांकी में दुमका में उत्पादित हाई क्वालिटी सिल्क के प्रोडक्शन से संबंधित झांकी प्रदर्शित की जाएगी.

राज्यपाल से मिले नीतीश, बढ़ी हलचल

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का मंगलवार को अचानक राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात करने पहुंचना सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया. सीएम ने राज्यपाल से करीब 40 मिनट तक चर्चा की. इस घटनाक्रम को देखते हुए प्रदेश में बड़ा परिवर्तन होने की सियासी कयासबाजी जारी है. हालांकि, अभी तक जदयू, राजद और कांग्रेस जैसी सभी पार्टियों की ओर से यही कहा गया कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक है. उधर, जीतनराम मांझी ने इस मुलाकात पर तंज कसते हुए एक्स पर लिखा कि बिहार में खेला होने वाला है. खैर, जो भी हो, नीतीश कुमार के इस तरह अचानक राजभवन पहुंचने को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक सीएम विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर चर्चा के लिए राजभवन गए थे. हुआ यह कि नेता जी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में भाग लेने के बाद सीएम सीधे राजभवन पहुंच गए. सीएम के राजभवन पहुंचने की खबर से राजनीतिक गलियारे में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई. हालांकि बाद में अटकलों की हवा निकल गयी.

- सच्चाई सामने आई तो अटकलों पर विराम

गाजा में इजरायल के 21 सैनिकों की मौत

येरुशलम। इजरायली सेना ने कहा कि मध्य गाजा में एक हमले में उसके 21 सैनिकों की मौत हो गयी है. यह युद्ध शुरू होने के बाद से सेना को पहुंची सबसे बड़ी क्षति है. सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सैनिक मध्य गाजा में दो मकानों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक लगाने की तैयारी कर रहे थे तभी एक आतंकी ने रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा. इससे विस्फोटक फट गए और इमारतें धराशायी हो गईं जिसकी वजह से सैनिक मलबे में दब कर मारे गए. इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सबसे घातक हमले में 21 सैनिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि सेना जीत पूरी होने तक लड़ती रहेगी. एक्स पर एक पोस्ट में नेतन्याहू ने कहा, युद्ध की शुरुआत के बाद से सोमवार का दिन सबसे कठिन दिनों में से एक था. उन्होंने कहा कि सेना उस हमले की जांच शुरू करेगी, जिसमें एक आतंकवादी ने एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा जिससे विस्फोट हुआ और सैनिक विस्फोट के बाद ध्वस्त हुई दो इमारतों के मलबे में दब गए.

- हम जीत होने तक लड़ते रहेंगे : नेतन्याहू

बिहार की बहुत पुरानी मांग भारत सरकार ने की पूरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न

एजेंसी। नयी दिल्ली

बिहार के पूर्व सीएम और समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से नवाजा जाएगा. राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को यह घोषणा की. 'जननायक' के रूप में मशहूर ठाकुर दिसंबर 1970 से जून 1971 तक और दिसंबर 1977 से अप्रैल 79 तक बिहार के सीएम रहे. उनका 17 फरवरी, 1988 को निधन हुआ था. केंद्र सरकार ने कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती से एक दिन पहले यह सम्मान देने का एलान किया है. कर्पूरी पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे. आम तौर पर केंद्र सरकार गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों और भारत रत्न का एलान करती है. लेकिन इस बार दो दिन पहले ही भारत रत्न के बारे में एलान कर दिया गया है. 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की जयंती है. कर्पूरी बिहार से ही थे, उन्हें जननायक के तौर पर जाना जाता है. वह दो बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. पहली बार वह सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय क्रांति दल की सरकार में सीएम बने थे और दूसरी बार जनता पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री बने थे.

बेटे रामनाथ ठाकुर ने जताया आभार

कर्पूरी ठाकुर के पुत्र और जदयू नेता रामनाथ ठाकुर ने कहा कि 36 साल की मेरे पिता की तपस्या का फल अब जाकर मिला है. मैं अपने परिवार और बिहार के 15 करोड़ लोगों की तरफ से भारत सरकार को इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं. कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी. मंगलवार को जदयू नेता केसी त्यागी ने ठाकुर को भारत रत्न देने के साथ-साथ उनके नाम पर विश्वविद्यालय खोलने की मांग की थी. त्यागी ने कहा था कि कोई जननायक यूं ही नहीं बन जाता. कर्पूरी ठाकुर ईमानदारी, सादगी और उच्च राजनीतिक मूल्यों के अनुकरणीय व्यक्तित्व हैं. उनका पूरा जीवन समाज के आखिरी व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की फिक्र में गुजर गया. जननायक कर्पूरी ठाकुर सादा जीवन उच्च विचार के प्रतीक थे.

पीएम ने एक्स पर जतायी खुशी

पीएम मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मुझे खुशी है कि भारत सरकार ने सामाजिक न्याय के प्रतीक महान जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया है और वह भी ऐसे वक्त में जब हम उनकी जन्मशती मना रहे. यह प्रतिष्ठित सम्मान हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए एक विजेता और समानता और सशक्तीकरण के समर्थक के रूप में उनके स्थायी प्रयासों का प्रमाण है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खूंटी और सिमडेगा के 7887 लाभुकों को दी अबुआ आवास की पहली किस्त

20 लाख लोगों को अबुआ आवास देगी सरकार

प्रमुख संवाददाता। रांची/खूंटी

सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को खूंटी के तोरपा स्थित एनएचपीसी ग्राउंड में अबुआ आवास योजना के 7887 लाभुकों को आवास निर्माण की पहली किस्त दी. इनमें खूंटी के 3,887 और सिमडेगा जिले के 4000 लाभुक शामिल हैं.

इस मौके पर सीएम ने घोषणा की है कि सरकार 20 लाख लोगों को अबुआ आवास देगी. इससे पहले सरकार ने 8 लाख लाख लोगों को योजना का लाभ देने की योजना बनाई थी. सीएम ने यह भी घोषणा की कि खूंटी और सिमडेगा में 75 हजार अबुआ आवास का निर्माण विभिन्न चरणों में होगा. गरीबों को आवास देने की सूची सरकार ने केंद्र को उपलब्ध करायी थी. **-शेष पेज 08 पर**

आवास निर्माण के लिए 2 लाख

सीएम ने कहा कि अबुआ आवास तीन कमरों और रसोई घर युक्त पक्का आवास होगा. पहले पीएम आवास योजना के तहत दो कमरों का आवास निर्माण किया जाता था, जिसके लिए एक लाख 30 हजार रुपए दिए जाते थे. जबकि हमारी सरकार अबुआ आवास निर्माण के लिए 02 लाख रुपए दे रही है. आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अबुआ आवास के लिए करीब 30 लाख आवेदन प्राप्त हुए. इन आवेदनों का वेरिफिकेशन किया गया किया गया. वेरिफिकेशन के बाद 20 लाख जरूरतमंदों को विभिन्न चरण में आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है.

रोजगार और स्वरोजगार का मौका

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर उपलब्ध करा रही है. निजी क्षेत्र स्थानीय लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण तय कर दिया है. इसके तहत 50 हजार से अधिक हुनरमंद युवाओं को विभिन्न उद्योगों में रोजगार दिया गया है. दो दिन पहले रांची के ओरमांझी स्थित कुल्ही इंडस्ट्रियल एरिया में चल रहे वस्त्र उद्योग में हजारों युवाओं को रोजगार दिया गया है.

50 वर्ष की उम्र में पेंशन

सीएम ने कहा सरकार गठन के बाद कोरोना ने विकास की रफ्तार रोक दी थी. इससे अर्थव्यवस्था और लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रही. इसके बावजूद सरकार ने यहां के लोगों के जीवन और जीविका दोनों को सुरक्षित किया. आज सभी जरूरतमंद को पेंशन दी जा रहा है. अब एसटी, एससी और सभी वर्ग की महिलाओं की पेंशन की उम्र सीमा को घटा कर 50 वर्ष की जा रही है.

अच्छी खबर पतरातू में तैयार हो रहे पावर प्लांट के लिए बनहर्दी और टीवीएनएल के लिए राजबार कोल ब्लॉक आवंटित

मदद की जरूरत नहीं, अब अपने ही कोयले से जगमग होगा झारखंड

बनहर्दी 1600 और राजबार कोल ब्लॉक में 500 मिलियन टन कोयला उपलब्ध है

रवि भारती। रांची

झारखंड के दो पावर प्लांटों के लिए भरपूर कोयला है. इन पावर प्लांटों को चलाने में अगले 35 साल तक कोयले की कमी नहीं होगी. बनहर्दी कोल ब्लॉक में अब तक 1600 मिलियन टन कोयला मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है. वहीं राजबार कोल ब्लॉक में 500 मिलियन टन कोयला मौजूद है. बनहर्दी कोल ब्लॉक पतरातू में बन रहे 4000 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए आवंटित किया गया है. जबकि राजबार कोल ब्लॉक टीवीएनएल को आवंटित किया गया है.

4600 एकड़ में बनहर्दी कोल ब्लॉक

पतरातू प्लांट के लिए आवंटित बनहर्दी कोल ब्लॉक लातेहार के चंदवा में 4600 एकड़ में है. पूरा एरिया 18 वर्ग किलोमीटर में है. इसमें 10 वर्ग किलोमीटर में ड्रिलिंग हो चुकी है. जिसमें 900 मिलियन टन कोयला का अनुमान लगाया गया है. शेष 8 वर्ग किलोमीटर में 600 मिलियन टन कोयला का अनुमान है. हरियाणा की साउथ वेस्ट पिनाकल कंपनी ने इस ब्लॉक की ड्रिलिंग की है.

60 हजार करोड़ का कोयला है मौजूद दो कोल ब्लॉक में

35 साल तक नहीं होगी कोयले की कमी, दो पावर प्लांटों के भरपूर कोयला

क्या है पतरातू पावर प्लांट की फैक्ट फाइल

- पतरातू में 4000 मेगावाट पावर प्लांट बनाने की योजना राज्य सरकार ने 2015 में बनायी
- 2015 में झारखंड बिजली बोर्ड और एनटीपीसी के साथ समझौता हुआ
- योजना के तहत पहले चरण में 2400 मेगावाट का पावर प्लांट बनना है
- दूसरे चरण में 1600 मेगावाट पावर प्लांट बनाया जाना है
- पहले चरण का उत्पादन साल 2019 में शुरू होना था, लेकिन अब पहले चरण में 800 मेगावाट उत्पादन शुरू होगा

टीवीएनएल के लिए राजबार कोल ब्लॉक

टीवीएनएल को राजबार कोल ब्लॉक मिला था. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान लगाया गया है. इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. बताते चलें कि टीवीएनएल में विस्तारीकरण की तरह 660 मेगावाट की दो यूनिटें लगाई जानी हैं. टीवीएनएल के विस्तारीकरण को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है.

हर साल 10 मिलियन टन कोयला का लक्ष्य

बनहर्दी कोल ब्लॉक से हर साल 10 मिलियन टन कोयला निकालने का लक्ष्य रखा गया है. इस हिसाब से हिसाब से 35 साल में 350 मिलियन टन कोयला निकाला जाएगा. बनहर्दी और राजबार कोल ब्लॉक में मौजूद कोयले की कीमत लगभग 60 हजार करोड़ रुपए आंकी गई है.

पतरातू प्लांट पर पीएमओ की नजर

पतरातू में एनटीपीसी द्वारा बनाए जा रहे पावर प्लांट पर पीएमओ की नजर है. इस साल मई तक इस पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा. इसको लेकर खुद प्रधानमंत्री राज्य के मुख्य सचिव, ऊर्जा सचिव सहित बिजली कंपनी के अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात कर चुके हैं. पीएमओ हर हाल में 2024 के पहले पतरातू पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू कराना चाहता है.

राम मंदिर के नाम पर लहर नहीं: राहुल गांधी

एजेंसी। डोमडोमा (असम)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत न्याय जोड़ो यात्रा इन दिनों असम में है. असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा और राहुल गांधी में जुबानी जंग छिड़ी हुई है. दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे. वैचारिक टैग के साथ शुरू हुई इस यात्रा पर सियासी रंग भी चढ़ने लगा है.

राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि राम मंदिर के नाम पर लहर नहीं है तथा अयोध्या में सोमवार को जो हुआ वह एक राजनीतिक कार्यक्रम था, जिसमें पीएम मोदी ने शो किया. उन्होंने यह भी कहा, असम में उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अवरोध पैदा करने का जितना प्रयास हो रहा है उससे उनकी यात्रा को प्रचार मिल रहा है. **-शेष पेज 08 पर**

मुख्यमंत्री ने राहुल पर केस दर्ज करने को कहा

असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राज्य के डीजीपी को अवरोधक तोड़ने के लिए भीड़ को उकसाने को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने का निर्देश दिया और कांग्रेस समर्थकों के इस कृत्य को नक्सली कार्रवाई बताया. युवा कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के एक पोस्ट के जवाब में सीएम ने एक्स पर कहा, मैंने असम डीजीपी को भीड़ को उकसाने के लिए आपके नेता राहुल गांधी के खिलाफ का मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है. शर्मा ने कहा कि जिस फुटेज को श्रीनिवास ने अपने अकाउंट पर पोस्ट किया है उसे साक्ष्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा.

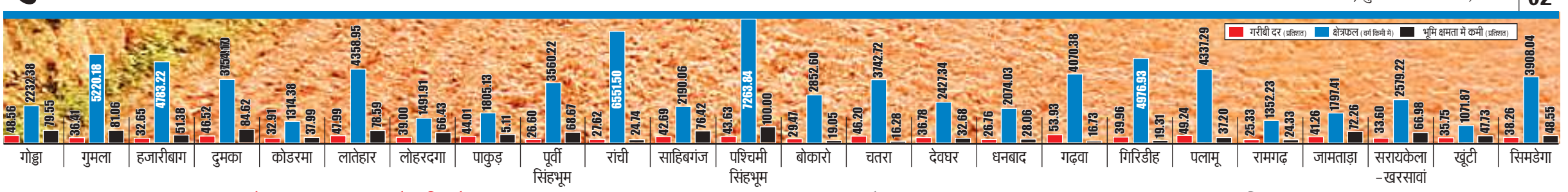

नीति आयोग की रिपोर्ट में खुलासा : पश्चिम सिंहभूम में 100 फीसदी भूमि की उर्वरा शक्ति घटी

झारखंड में भूमि की उत्पादकता में आयी गिरावट, गरीबी भी बढ़ी

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में भूमि की उत्पादकता लगातार घटती ही जा रही है. इसका खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है. रिपोर्ट की मानें तो राज्य के सभी जिलों में भूमि की उत्पादकता 100 से 16 फीसदी तक घट गयी है. पश्चिमी सिंहभूम में भूमि की उर्वरा शक्ति सबसे अधिक 100 फीसदी कम हुई है. भूमि की उर्वरा शक्ति कम होने के कारण झारखंड में गरीबी का प्रतिशत भी बढ़ा है. नीति आयोग की रिर्पोट के अनुसार, झारखंड में 42.10 लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं.

भूमि की उर्वरा शक्ति घटने का गोड्डा में सबसे ज्यादा असर

भूमि की उर्वरा शक्ति घटने का गोड्डा में सबसे ज्यादा असर पड़ा है. भूमि की उत्पादकता घटने के कारण यहां गरीबी दर 48.56 फीसदी हो गयी है. वहीं पश्चिमी सिंहभूम की भूमि की उर्वरा शक्ति में 100 फीसदी तक की कमी आयी है. यहां 43.63 फीसदी लोग गरीबी है. वहीं गुमला में भूमि की उर्वरा शक्ति में 81.06 और दुमका में 84.62 फीसदी की कमी हुई है. वहीं बोकारो, चतरा और गढ़वा के भूमि की ऊर्वरा शक्ति में सबसे कम घटी है.

पैदावार में भूमि क्षमता का मानक विचलन चार से 10 फीसदी तक

चिंताजनक: पानी कटाव से नष्ट हुई सूबे की 65% मिट्टी

खास बातें

- जलवायु की उपयुक्तता का पांच से 15% हुआ विचलन
- 54987 .26 वर्ग किलोमीटर भूमि हो गई है बंजर

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य की कुल भौगोलिक भूमि का 65.00 फीसदी पानी के कटाव के कारण मिट्टी की क्षति हुई है. मिट्टी की उर्वरता में गिरावट तब होती है जब पानी के कटाव के कारण मिट्टी से पोषक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है और पौधों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. झारखंड में 54987.26 वर्ग किलोमीटर भूमि बंजर हो गई है. इसकी अम्लीयता समाप्त करने के लिए तीन से चार क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष डोलामाइट की जरूरत होगी. इसका खुलासा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अहमदाबाद को अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) ने एटलस के जरिए किया है. झारखंड में सबसे अधिक गिरिडीह जिले में 358183 हेक्टेयर भूमि बंजर की चपेट में है.

19 फीसदी जलवायु की उपयुक्तता में हुआ विचलन : राज्य के सभी जिलों में जलवायु की उपयुक्तता में 19 फीसदी का विचलन हुआ है. पहले जलवायु की उपयुक्तता 60 फीसदी से अधिक थी, जो अब घटकर 41 फीसदी हो गई है. सबसे अधिक जलवायु उपयुक्तता सिमडेगा जिले में 82.32 फीसदी है. इसके बाद पाकुड़ में 80.31 फीसदी, पूर्वी सिंहभूम 79.97 फीसदी, दुमका में 73.05 फीसदी, सरायकेला-खरसावां में 71.37 फीसदी, जामताड़ा में 70.36 फीसदी, पश्चिमी सिंहभूम में 68.41 फीसदी और साहिबगंज में 61.65 फीसदी पाई गई है.

अब कृषि विभाग बंजर भूमि पर कांटा रहित कैक्टस के पौधे लगाने की योजना पर कार्य कर रहा है. यह पशु चारा के साथ वेगन लेदर निर्माण में भी काम आएगा. फसलों के पैदावार में भूमि का क्षमता का मानक विचलन चार से 10 फीसदी तक हो चुका है. जलवायु की उपयुक्तता का पांच से 15 फीसदी तक विचलन हुआ है.

कृषि वानिकी के लिए कितना मानक विचलन

जिला कृषि वानिकी के लिए मानक

विचलन	(प्रतिशत)
सिमडेगा	9.13
पाकुड़	5.44
पूर्वी सिंहभूम	5.02
दुमका	7.92
सरायकेला-खरसांवा	4.84
जामताड़ा	5.44
पश्चिमी सिंहभूम	6.69
साहिबगंज	6.33
गोड्डा	5.22
देवघर	4.90
धनबाद	3.82
खूंटी	5.10
बोकारो	6.40
रामगढ़	4.75
रांची	6.92
गुमला	15.97
गिरिडीह	8.71
पलामू	3.60
लातेहार	9.70
चतरा	5.95
लोहरदगा	8.29
गढ़वा	4.17
हजारीबाग	8.27
कोडरमा	4.08

कृषि वानिकी के लिए भूमि क्षमता का कितना हुआ विचलन

भूमि क्षमता का मानक विचलन (प्रतिशत)

गोड्डा	4.16
गुमला	9.31
हजारीबाग	7.60
दुमका	8.35
कोडरमा	5.84
लातेहार	10.15
लोहरदगा	5.80
पाकुड़	4.07
पूर्वी सिंहभूम	3.53
रांची	7.73
साहिबगंज	5.02
पश्चिमी सिंहभूम	8.34
बोकारो	3.99
चतरा	9.05

कितना हुआ है जलवायु की उपयुक्तता का मानक विचलन

ज़िला जलवायु उपयुक्तता का मानक

विचलन	(प्रतिशत)
सिमडेगा	9.13
पाकुर	5.44
पूर्वी सिंहभूम	5.02
दुमका	7.92
सरायकेला-खरसांवा	4.84
जामताड़ा	5.44
पश्चिमी सिंहभूम	6.69
साहिबगंज	6.33
गोड्डा	5.22
देवघर	4.90
धनबाद	3.82
खूंटी	5.10
बोकारो	6.40
रामगढ़	4.75
रांची	6.92
गुमला	15.97
गिरिडीह	8.71
पलामू	3.60
लातेहार	9.70
चतरा	5.95
लोहरदगा	8.29
गढ़वा	4.17
हजारीबाग	8.27
कोडरमा	4.08

भूमि की सामाजिक-आर्थिक उपयुक्तता का प्रतिशत

जिला कृषि वानिकी के लिए भूमि की उपयुक्तता (प्रतिशत)

सिमडेगा	7.03
गुमला	4.28
पश्चिमी सिंहभूम	10.39
लोहरदगा	4.45
खूंटी	5.88
लातेहार	9.10
पाकुड़	4.71
दुमका	8.41
गढ़वा	4.82
गोड्डा	4.38
साहिबगंज	4.05
पलामू	5.47
जामताड़ा	11.86
रांची	13.07
सरायकेला-खरसांवा	7.64
चतरा	8.18
देवघर	7.93
पूर्वी सिंहभूम	7.02
गिरिडीह	5.03
रामगढ़	5.67
हजारीबाग	7.53
धनबाद	8.76
बोकारो	2.53
कोडरमा	1.97

लोकसभा चुनाव को लेकर सभी एसपी को मिले निर्देश

संवाददाता। रांची

आगामी लोकसभा चुनाव को झारखंड पुलिस अपनी तैयारी में जुट गई हैं. इसे लेकर पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को निर्देश जारी किया है. जारी निर्देश में कहा गया है कि चुनाव संबंधित प्रशिक्षण के लिए अपने जवानों को तैयार रखें. प्रशिक्षण संबंधित आदेश-निर्देश और एसओपी की कॉपी भी सभी जिलों को भेजी गई है.

मैनुअल प्रशिक्षण पर जोर : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने निर्देश में कहा है कि लोकसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से बल प्रतिनियुक्ति को ले जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है.

CLASSIFIED

भ्रष्टाचार में डूबे सोरेन परिवार की जगह होटवार जेल में: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सोरेन परिवार और इंडी गठबंधन के दलों पर जमकर हमला किया. कहा कि कांग्रेस, झामुमो, राजद का भ्रष्टाचार से पुराना नाता है. ये भ्रष्टाचार भी करते हैं और सजा से बचने के लिए तरह-तरह की तिकड़म भी करते हैं. ये भाजपा पर आरोप लगाते हैं, लेकिन जांच से भागते हैं. बाबूलाल ने कहा कि सोरेन परिवार की चल-अचल संपत्ति मामले में लोकपाल में दर्ज मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है. यह भ्रष्टाचारियों के लिए एक बड़ा सबक है. सोरेन परिवार कहती है कि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया है. अगर भ्रष्टाचार नहीं किया है तो फिर जांच एजेंसियों से क्यों भागते हैं. जांच रुकवाने के लिए क्यों हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दौड़ते हैं. बाबूलाल ने कहा कि भाजपा का भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा. जबतक भ्रष्टाचारियों को सजा नहीं मिलती भाजपा चैन से नहीं बैठेगी.

बाबूलाल ने सीआरपीएफ अधिकारी पर धारा 144 के उल्लंघन मामले को लेकर सीएम हेमंत सोरेन को घेरा. कहा कि ईडी सीएम से पूछताछ करने सीएम हाउस गई थी. वहां झामुमो के कार्यकर्ता तीर-धनुष लेकर पहुंचे थे. सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान तो वहां ईडी अफसरों की सुरक्षा के लिए गये थे. जब सीएम हाउस के आसपास धारा 144 लगा था तो झामुमो के कार्यकर्ता हथियार लेकर वहां क्या कर रहे थे. इतना ही नहीं सीएम ने भी ईडी की पूछताछ के बाद कार की बोनट पर खड़े होकर लोगों को संबोधित किया. धारा 144 उल्लंघन तो सीएम ने किया आखिर उनपर एफआईआर क्यों नहीं हो. सीएम लाख हथकंडा अपना लें, बच नहीं सकते.

राज्य सेवा के अफसरों का बड़े पैमाने पर होगा तबादला

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार बड़े पैमाने पर आइएएस अफसरों के साथ राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के तबादले की तैयारी कर रही है. इस पर मंथन भी किया जा रहा है. निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में तबादले का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. अभी हाल में ही राज्य सरकार ने आठ आइएएस अफसरों को इधर से इधर किया. जानकारी के अनुसार पथ निर्माण विभाग, कृषि विभाग, स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव भी बदले जा सकते हैं.

बदले जाएंगे कई जिलों के डीसी : निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार कई जिलों के डीसी के भी बदले जाने की तैयार चल रही है. इसकी सूची भी तैयार की जा रही है. जानकारी के अनुसार चतरा, गढ़वा, साहिबगंज, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, सिमडेगा, पलामू, गोड्डा, पाकुड़ और लोहरदगा जिले के डीसी को इधर से उधर किया जा सकता है.

राज्यसेवा के अफसर भी होंगे इधर से इधर

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों का भी तबादला जल्द होगा. इसका भी प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है. इसमें कई विभागों में डिप्टी सेक्रेटरी के पद में पदस्थापित अफसरों को बदला जाएगा. वहीं काफी संख्या में बीडीओ और सीओ का भी तबादला होगा. इसमें तीन साल से अधिक समय से जमे अफसरों को पहले बदला जाएगा. हाल ही में ग्रामीण विकास विभाग ने 25 बीडीओ की ट्रांसफर –पोस्टिंग की थी. अब सरकार की सहमति के बाद इसका आदेश जारी किया जाएगा.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in

बुधवार, 24 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 277

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

झारखंड में 18 प्रखंड बीडीओ इधर से उधर

रांची । राज्य सरकार ने 18 प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) की ट्रांसफर-पोस्टिंग कर दी है. ग्रामीण विकास विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

नाम	कहां गए
विजय कुमार	सिमरिया
डांगुर कोड़ाह	गुड़ाबंधा
मनीष कुमार	तिसरी
सोमनाथ बनर्जी	सुंदर पहाड़ी
यादव बैठा	चैनपुर
राजश्री ललिता	पालकोट
नीतू सिंह	हजारीबाग सदर
रेशमा रेखा मिंज	बरवाडीह
विजय प्रकाश मरांडी	नवाबाजार
संतोष कुमार	खलारी
अंशु कुमार पांडेय	बरहेट
लेखराज नाग	सेवा कार्मिक
डॉ शिशिर कुमार सिंह	सेवा कार्मिक
प्रदीप कुमार	चास
मिथिलेश कुमार चौधरी	सेवा कार्मिक
कुमार देवेश	पतना
विशाल कुमार पांडेय	उद्धवा
राहुल देव	गिद्धौर

कोहरा छंटते ही बढ़ी कनकनी, गिरा पारा

आज कहीं-कहीं बारिश के आसार

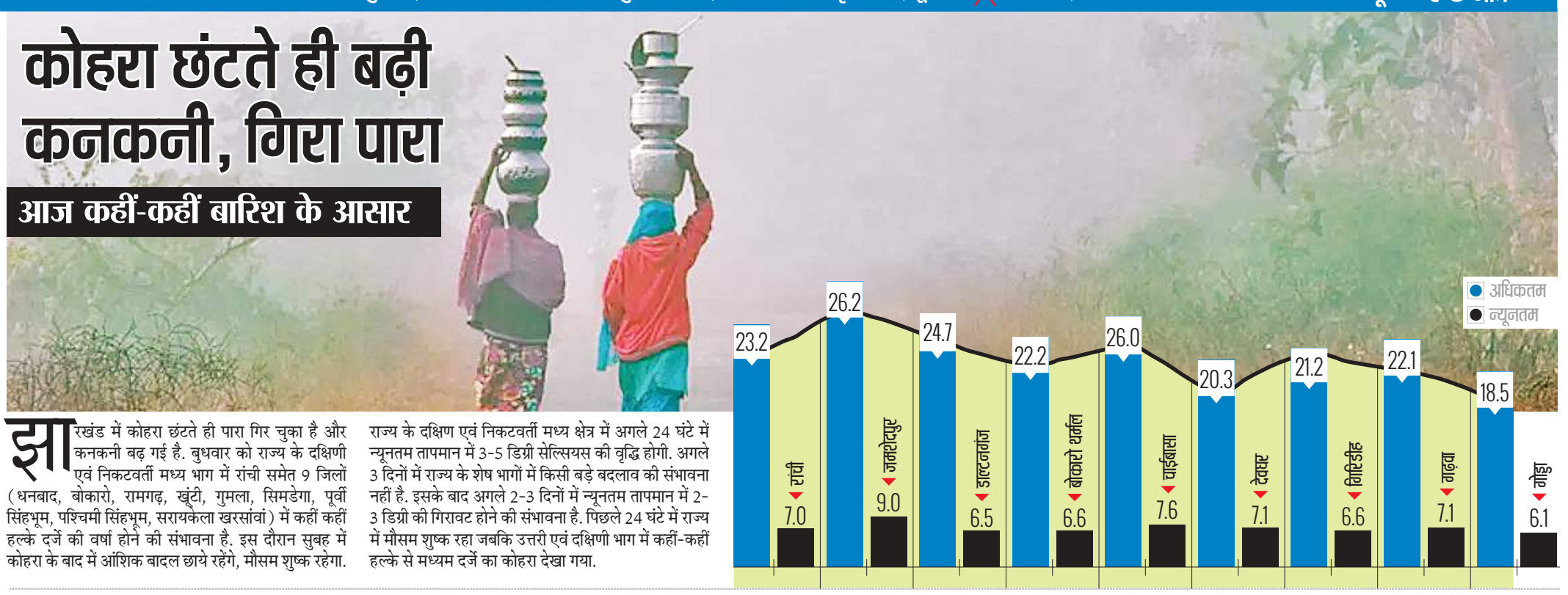

झारखंड में कोहरा छंटते ही पारा गिर चुका है और कनकनी बढ़ गई है. बुधवार को राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भाग में रांची समेत 9 जिलों (धनबाद, बोकारो, रामगढ़, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसांवां) में कहीं कहीं हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान सुबह में कोहरा के बाद में आंशिक बादल छाये रहेंगे, मौसम शुष्क रहेगा. राज्य के दक्षिण एवं निकटवर्ती मध्य क्षेत्र में अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी. अगले 3 दिनों में राज्य के शेष भागों में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले 2-3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा जबकि उत्तरी एवं दक्षिणी भाग में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया.

एचईसी आवासीय परिसर में 29 को बंद, गेस्ट हाउस में मुख्यालय शिफ्ट

कर्मियों के पहुंचते ही भागे अफसर

शुभम किशोर। रांची

हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) में मंगलवार को भी अफसरों व कर्मचारियों का आंदोलन जारी रहा. कंपनी मुख्यालय और तीनों प्लांट में किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया. आंदोलन कर रहे कर्मियों को पता चला कि एचईसी के आला अफसर मुख्यालय के बजाय गेस्ट हाउस में काम कर रहे है. एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति के सदस्य दिन के 11.30 बजे सेक्टर तीन स्थित गेस्ट हाउस पहुंचे. कर्मचारियों के आने की सूचना मिलते ही गेस्ट हाउस में बैठे अफसर पीछे के गेट से भाग निकले. गेस्ट हाउस में काम करनेवाले कर्मचारियों को समिति के लोगों ने आंदोलन में शामिल होने के लिए कहा है.

बकाया वेतन का भुगतान होने तक जारी रहेगा आंदोलन : एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति का कहना है कि जब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं हो जाता, अस्थायी कर्मचारियों का कॉन्ट्रैक्ट रिन्युअल नहीं हो जाता, तबतक आंदोलन जारी रहेगा. कंपनी के मुख्यालय और तीनों प्लांट में कामकाज ठप रखा जाएगा. आंदोलन में कर्मचारियों के साथ अब अफसर भी शामिल हो गए हैं.

गेस्ट हाउस में बैठनेवाले अफसरों के घर का घेराव होगा

एचईसी कर्मियों ने किया गेस्ट हाउस पर जोरदार प्रदर्शन.

गेस्ट हाउस पर प्रदर्शन, धुर्वा तक रैली निकाली

कर्मचारियों ने गेस्ट हाउस के समक्ष प्रदर्शन करने के बाद धुर्वा बस स्टैंड तक रैली निकाली. रैली सेक्टर तीन, गोलचक्कर, टंकी साइड होते हुए धुर्वा बस स्टैंड पहुंची, जहां सभा का आयोजन किया गया. सभा को समिति के कई श्रमिक नेताओं ने संबोधित किया. समिति ने आवासीय परिसर में 29 जनवरी को बंद का आह्वान किया. क्षेत्र के दुकानदारों, ऑटो चालक आदि से बंद को सफल बनाने में सहयोग का आग्रह किया गया. नेताओं ने कहा कि एचईसी है, तभी क्षेत्र में रौनक है. अगर कंपनी बंद हो जाएगी, तो एचईसी आवासीय परिसर को स्मार्ट सिटी के तहत शामिल कर लिया जाएगा. कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ परिसर के लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगे.

जन संघर्ष समिति का कहना है कि कुछ वरीय अफसर एचईसी गेस्ट हाउस में बैठकर अपना काम कर रहे थे. अब ऐसे अफसरों के आवास का घेराव कर प्रदर्जाशन किया जाएगा. मंगलवार के प्रदर्शन कार्यक्रम में समिति में शामिल एचईसी श्रमिक कर्मचारी यूनियन के प्रकाश कुमार, मनीष कुमार, राजेश कुमार, संजय सिन्हा व शुभाष चौधरी, हटिया मजदूर यूनियन के महेंद्र कुमार, दीपक कुमार, भवन सिंह, हरेंद्र यादव, हटिया कामगार यूनियन के एमपी रामचंद्र, आरके शाही, अर्जुन राम, सुंदर स्वामी, अमरेंद्र कुमार, सप्लाई संघर्ष समिति के दिलीप सिंह, मनोज पाठक, वाई त्रिपाठी, प्रमोद कुमार, हटिया मजदूर लोक मंच के रामकुमार नायक, कमल महली, चिराग बारला, सुनील तिर्की और हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के गिरिश चौहान आदि शामिल थे.

टपक सिंचाई योजना में गोलमाल

फर्जी आधार कार्ड पर फर्जी किसानों को भुगतान, खेतों में नहीं लगे उपकरण

अमित सिंह। रांची

झारखंड में पीएम टपक सिंचाई (ड्रॉप मोर क्रॉप) योजना में गोलमाल है. हजारीबाग के चौपारण, इचाक और चूरचू में अनियमितता का मामला पकड़ में आया. इसके बाद कृषि निदेशालय ने मामले की जांच के लिए सभी उपायुक्तों को पत्र लिखा था, जिसके बाद पलामू व गिरिडीह के कई प्रखंडों में योजना में किसानों के आधार कार्ड के दुरुपयोग का मामला सामने आया है. अबतक की जांच में पता चला है कि जिन किसानों के आधार कार्ड जमा कर राशि की निकासी की गई है, उन किसानों को योजना की जानकारी तक नहीं है. अब इस मामले में गहन जांच शुरू हो गई है. जांच में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आने की बात कही जा रही है.

झारखंड में टपक सिंचाई योजना में जिस एजेंसी को किसानों के आधार कार्ड सहित अन्य जांच की जिम्मेवारी सौंपी गई है, उस एजेंसी के क्रियाकलापों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. अब तक की जांच में पता चला है कि फर्जी दस्तावेज पर ही फर्जी किसानों को योजना का लाभ दिया गया है. योजना के तहत ऐसे किसानों को राशि का भुगतान हुआ है, जिसकी विस्तृत जानकारी तक उपलब्ध नहीं है. उन किसानों का कोई रिकार्ड भी नहीं है. कृषि निदेशालय का भी मानना है कि योजना के तहत सत्यापन में लापरवाही बरती गयी है. आपूर्तिकर्ता कंपनी और स्थानीय वेंडर की ओर से की गई अनियमितता सामने आ रही है. जिन किसानों के खेतों में उपकरण लगे ही नहीं है, उन किसानों को भी भुगतान किया गया है.

जाने क्या है टपक सिंचाई योजना

झारखंड में प्रधानमंत्री टपक सिंचाई योजना के तहत किसानों को 90 फीसदी सब्सिडी का लाभ दिया जाता है. प्रदेश में इस योजना की शुरुआत 2011 में हुई. योजना का मुख्य उद्देश्य पानी बचाते हुए बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है. योजना का क्रियान्वयन कृषि निदेशालय की देखरेख में होता है, जिसके अंतर्गत सक्षम संस्थाओं द्वारा जिलास्तर पर किसानों से आवेदन लिया जाता है. किसानों के आवेदन की जांच के बाद जिला स्तर पर राज्यादेश जारी किया जाता है. दूरदराज के जिलों और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में टपक सिंचाई की आपूर्ति और भौतिक परीक्षण के नाम पर बड़े स्तर पर अनियमितता सामने आई है.

सिस्टम लगा ही नहीं, निकाल लिये गये पैसे

टपक सिंचाई योजना का लाभ उन किसानों को भी दिया गया, जिन्हें इस योजना की जरूरत ही नहीं थी. इतना ही नहीं योजना के लाभ के लिए सिर्फ किसान के आधार कार्ड का इस्तेमाल किया गया. उसके नाम से जो पैसा आया, वो भी निकाल लिया गया, पर किसान के खेत में एक भी पाइप नहीं लगा है. अबतक तीन जिलों में ऐसी अनियमितता सामने आ चुकी है. कृषि सचिव अबु बकर सिद्दीक पी योजना में अनियमितता को लेकर गंभीर हैं. उन्हेंने सभी डीसी को जांच कर रिपोर्ट निदेशालय को भेजने का निर्देश दिया है.

सीएम ने किया सुभाष चंद्र बोस को नमन...

रांची। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर सीएम हेमंत सोरेन रांची स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस उद्यान पहुंचे. सीएम ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण पर श्रद्धांजलि दी. कहा कि देश के स्वाधीनता संग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की निर्णायक भूमिका रही थी. आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को हम कभी भूल नहीं सकते. उन्होंने आम जनमानस के गौरव को स्थापित किया. हमें इस बात का गर्व है कि हम एक ऐसे लोकतांत्रिक देश में रहते हैं जहां अनेक वीरों तथा वीरांगनाओं ने जन्म लिया. इनके नाम इतिहास के पन्नों पर दर्ज हैं. हम अपने इन अमर वीर शहीदों के सपनों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं.

सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की मौत

चान्हो। खलारी मुख्य पथ पर ताला मोड़ के निकट मंगलवार शाम सड़क हादसे में पुलिस जवान अल्बर्ट नागवार की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार कांके थाना में तैनात अल्बर्ट झारखंड पुलिस का जवान था. बताया जाता है अल्बर्ट बाइक से किसी मित्र को छोड़ने चामा पिकेट आया था, और छोड़ने के बाद लौट रहा था, तभी विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने सीधी टक्कर मार दी. जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई. टक्कर इतनी जोर की थी कि बाइक में आग लग गई. स्कॉर्पियो को वहीं छोड़ कर उस पर सवार लोग मौके से फरार हो गए. अल्बर्ट राजधानी के बरगुट्टू हरदाग का रहने वाला था. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया.

राजनीतिक दल वोटर लिस्ट चेक कराने में सहयोग करें

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने झारखंड राज्य अंतर्गत राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में मौजूद राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को नव प्रकाशित मतदाता सूची एवं उससे जुड़े तमाम बिंदुओं से अवगत कराया गया.

उन्होंने सभी से अपील की कि वे भी अपने स्तर पर एक जागरूकता का माहौल बनाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस नई सूची में अपना नाम चेक करें. उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के पास भी अगर किसी प्रकार की शिकायत या सुझाव आते हैं, तो उन्हें भी निर्वाचन कार्यालय तक पहुंचाएं. बैठक में मौजूद लगभग सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के द्वारा मतदाता पुनरीक्षण कार्यों के प्रति संतुष्टि व्यक्त करते हुए लगातार हुए जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की.

खास बातें

- सीईओ के रवि कुमार ने की राजनीतिक दलों के साथ की बैठक
- नव प्रकाशित वोटर लिस्ट एवं पंजीकरण संबंधी आंकड़ों से कराया अवगत

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि सभी प्रतिनिधियों को बताया गया कि अद्यतन मतदाता सूची को सीईओ झारखंड की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है. इस जानकारी को वे अपने-अपने स्तर पर भी जरूर प्रचारित करें ताकि आम मतदाता भी वेबसाइट पर जाकर किसी भी संभावित विसंगति को स्वयं चेक कर ले. सभी राजनीतिक दलों से पुनः अनुरोध किया गया कि वे ईवीएम और वीवीपैट को लेकर राज्य भर में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के बारे में भी आवश्यक प्रचार प्रसार करें. ताकि अधिक से अधिक लोग इस जागरूकता अभियान से लाभान्वित हो सकें. बैठक ओएसडी गीता चौबे, अवर सचिव देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी (मुख्यालय) संजय कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, सिस्टम एनालिस्ट एस एन जमील आदि मौजूद थे.

उपलब्धि लगातार 48 घंटे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का संचालन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

संत जेवियर्स स्कूल डोरंडा के शिक्षक संतोष कुमार ने रचा इतिहास

पियूष गौतम। रांची

संत जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के कंप्यूटर साइंस के शिक्षक संतोष कुमार ने लगातार 48 घंटे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का सफलतापूर्वक संचालन कर इतिहास रच दिया है. इस उपलब्धि के साथ ही उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया है.

इस सफल आयोजन के बाद स्कूल के चेयरमैन फादर अजीत कुमार ने शिक्षक संतोष कुमार को एक ग्लास जूस पिलाने के साथ गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया. वहीं वाइस प्रिंसिपल फादर रविभूषण ने आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड के सबसे लंबे प्रोग्रामिंग सत्र के समाप्ति की घोषणा की.

मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा ने लक्ष्य हासिल करने को प्रेरित किया

13 सत्र, हर सत्र में 25-30 बच्चों को जावा प्रोग्रामिंग सिखाया

बता दें कि इससे पहले सबसे लंबी अवधि का कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का रिकार्ड 24 घंटे का रहा है, जिसे तोड़ने की चुनौती खुद ही विद्यालय के प्लस टू को-ऑर्डिनेटर व कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष संतोष कुमार ने स्वीकार की थी. 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों को अलग-अलग बैच में विभाजित कर प्रोग्रामिंग सत्र का आयोजन किया गया था. हर बैच की अवधि चार घंटे की थी. वहीं कुल 13 सत्र आयोजित किए गये. प्रत्येक सत्र में 25 से 30 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें उन्हें जावा प्रोग्रामिंग सिखाया गया.

48 घंटे के लंबे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का संचालन कर इतिहास रचने वाले कंप्यूटर साइंस के शिक्षक संतोष कुमार ने उल्लेखनीय लक्ष्य हासिल करने और पूर्व के 24 घंटे के अधिकतम रिकॉर्ड को तोड़ने के बाद अपने अनुभव साझा किये. उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय स्कूल के चेयरमैन फादर अजीत कुमार को देते हुए कहा कि उनके समर्थन और मार्गदर्शन के कारण उन्होंने यह सफलता हासिल की. उन्होंने कहा कि फादर अजीत द्वारा बताये गये जीवन के आदर्श वाक्य, "मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा" ने उन्हें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी पत्नी, बेटे और माता-पिता को भी दिया. वहीं मौके पर उपस्थित जीडब्ल्यूआर टीम को संतोष कुमार द्वारा सम्मानित किया गया, जिनमें अभिषेक गुप्ता, नितेश, ताज, रत्ना भूषण, गौरव, विजय भगत, जॉयदीप शामिल हैं.

21 की सुबह 9 बजे सत्र की शुरुआत, 23 की सुबह 9.23 बजे समापन : इससे पहले 21 की सुबह 9 बजे से सत्र की शुरुआत हुई थी, जो 23 जनवरी की सुबह 9.23 बजे समाप्त हुई. प्रिंसिपल इग्नेशियस लकड़ा ने संतोष कुमार को बधाई दी. वहीं संतोष के पिता अजीत कुमार ने बेटे की इस उपलब्धि पर कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है, अभ्यास सफलता की कुंजी है. हार न मानें और विश्वास रखें कि आपने जो लक्ष्य तय किया है, उसे हर हाल में हासिल कर लेंगे.

बाबूलाल मर्यादा न लांघें : झामुमो

संवाददाता। रांची

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोपों पर पलटवार किया है. उन्होंने भाजपा को खुली चेतावनी दी है. कहा कि बाबूलाल राजनीतिक मर्यादा न लांघें. झामुमो कार्यकर्ता मर्यादा में रहते हैं. इन्हें मर्यादा लांघने पर मजबूर न करें.

उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी को झामुमो के समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए अमर्दित टिप्पणी नहीं करनी चाहिए. जनसभाओं में भीड़ जुटाने के लिए भाजपा क्या-क्या करती है, यह जगजाहिर है. उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लिए भी अमर्दित भाषा का इस्तेमाल किया. बाबूलाल की बातों से यह स्पष्ट हो गया है कि वह राजनीतिक शुचिता भूल गए हैं. यही वजह है कि बाबूलाल की बातों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है. झामुमो नेता विनोद पांडेय ने कहा कि विचाराधीन मामलों में न्यायालय से पहले बाबूलाल मरांडी ने फैसला कर रहे हैं. आरोपों के आधार पर दोषी साबित करने का ठेका बाबूलाल करने लगे हैं. उन्हें सत्ता हासिल करने की बहुत जल्द है. हेमंत सरकार को अपदस्थ करने के लिए दिन रात षडयंत्र में जुटे मरांडी का यह दुस्वप्न ख्वाब में भी पूरा नहीं होगा. हेमंत सरकार हर वर्ग के विकास के लिए दिन रात काम कर रही है. हेमंत की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा भयभीत हैं. यही वजह है कि तथ्यहीन आरोप लगाकर सुनियोजित तरीके से मुख्यमंत्री हेमंत की छवि को खराब करने के एजेंडे पर दिल्ली तक भाजपा के नेता काम कर रहे हैं.

झामुमो नेता ने कहा कि बाबूलाल को भाजपा इस्तेमाल कर रही है. बहुत जल्द बाबूलाल मरांडी को यह समझ आ जाएगा. हेमंत सोरेन किसी से डरने वाले नहीं हैं. सोरेन परिवार का योगदान इस राज्य के निर्माण में है.

बाबूलाल की तरह नकारात्मक राजनीति नहीं करता सोरेन परिवार. राज्य के हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली हेमंत सरकार 20 लाख लोगों को अबुआ आवास देने जा रही है. 50 की उम्र के बाद ही एसटी, एससी और हर वर्ग की महिलाओं को पेंशन का निर्णय लिया गया है. सर्वजन पेंशन की पहल करने वाला झारखंड पहला राज्य है. भाजपा को झारखंड में अपना भविष्य अंधकारमय दिख रहा है.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन:	डॉ बिंदे कुमार
सर्जरी:	डॉ विनय प्रताप
न्यूरोसर्जरी:	डॉ सीबी सहाय
ऑर्थोपेडिक:	डॉ जीके गुप्ता
कार्डियोलॉजी:	डॉ पीके श्रीवास्तव
टीबी एवं चेस्ट:	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्र:	डॉ दीपक लकड़ा
ऑब्स गायनी:	डॉ अतीमा भारती
ईएनटी:	डॉ जेडएम खान
सीटीवीएस:	डॉ राकेश कुमार
सायकेट्री:	डॉ अजय बाखला
पीडियाट्रिक सर्जरी:	डॉ अभिषेक कुमार सिंह
न्यूरोलॉजी:	डॉ सुरेंद्र कुमार

सदर ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन:	डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
ऑब्स एंड गायनी:	डॉ वसुधा, डॉ वीणा विनायक
पीडियाट्रिक(शिशु रोग):	डॉ संतोष
हेमाटोलॉजी:	डॉ अभिषेक रंजन
यूरोलॉजी:	डॉ प्रशांत कुमार
कार्डियो डायबिटिक:	डॉ एके झा
गैस्ट्रोएंटरोलॉजी:	डॉ जयंत घोष
अंकोलॉजी:	डॉ गुंजेश कुमार

शहर में आज

1. कैबिनेट की बैठक सचिवालय में शाम 4 बजे से
2. वुशु प्रतियोगिता का उद्घाटन खेलगांव में सुबह 10 बजे
3. एचईसी के कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन मुख्यालय के समक्ष सुबह 8 बजे से
4. आदिवासी संगठनों की बैठक, करम टोली चौक में दोपहर 2 बजे से
5. आदिवासी एकता रैली आरोग्य भवन से दिन के 3 बजे निकलेगी
6. रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग का उद्घाटन रिम्स में दोपहर 12.30 बजे
7. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी व स्कूल का उद्घाटन इटकी में दोपहर 1.30 बजे
8. मस्जिद -ए -जाफरिया अंसारनगर में मजलिस शाम 7 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

करमटोली में आदिवासी संगठनों की बैठक आज

रांची। कुरमी/कुड़मी को एसटी बनाने और आदिवासी जमीन की लूट के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी. इसके लिए विभिन्न आदिवासी संगठनों की एकदिवसीय बैठक बुधवार को सुबह 11 बजे से केंद्रीय धुमकुड़िया भवन करमटोली चौक में होगी. यह जानकारी आदिवासी महासभा के संयोजक सह पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने दी.

जयंती पर भाजमो ने किया नेताजी को नमन

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई. मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के पुरोधा और भारत माता के लाल थे. अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना की. भारतवासी उन्हें नेताजी के नाम से संबोधित करते थे. महिलाओं के लिए आजाद हिंद फौज में झांसी की रानी रेजीमेंट की स्थापना उन्होंने की.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कार्यक्रम की सफलता के लिए आपसी सामंजस्य पर दिया जोर

न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए झोंकी ताकत

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के न्याय यात्रा को झारखंड में सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने ताकत झोंक दी है. यात्रा की तैयारी को लेकर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में बैठक की. इस दौरान कार्यक्रम की सफलता के लिए कांग्रेसजनों की भागीदारी व आपसी सामंजस्य पर जोर दिया गया.

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि न्याय यात्रा को जिस तरह से भाजपा शासित राज्यों में रोकने और राहुल गांधी को

जनता से जुड़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है, उससे भाजपा के आकाओं की हताशा साफ झलक रही है. मणिपुर हो या असम, जहां भी सरकार ने यात्रा का दमन करने की कोशिश की, वहां की जनता, युवा, छात्र सहित समाज के सभी वर्गों ने समर्थन देकर यात्रा को सफल बनाया है. ठाकुर ने कहा कि झारखंड में न्याय यात्रा को सफल बना कर हमें पूरे देश के सामने एक मिशाल कायम करनी है. झारखंड की बहुमत की

लगाए आरोप

- भाजपा शासित राज्यों में यात्रा को रोकने का हो रहा प्रयास
- झारखंड सरकार को लगातार अपदस्थ करने की कोशिश

गठबंधन सरकार को भी केंद्र सरकार द्वारा लगातार अपदस्थ करने की कोशिश की जा रही है. मगर, झारखंड में न्याय यात्रा की सफलता भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा साबित होगी.

बैठक में जयशंकर पाठक, राजीव रंजन प्रसाद, संजय लाल पासवान, राकेश सिन्हा, अमूल्य नीरज खलखो, संजय पांडेय, मानस सिन्हा, रवीन्द्र सिंह, गजेंद्र सिंह, विनय सिन्हा दीपू, तनवीर आलम, अजय नाथ शाहदेव, रवींद्र झा, सतीश पॉल मुंजनी, कमल ठाकुर, सोनाल शांति, चंचल चटर्जी, शांतनु मिश्रा, डॉ एम तौसीफ, रियाजुल अंसारी, राकेश तिवारी, पप्पू अजहर, दीपक ओझा, ईश्वर आंनद, बेलस तिर्की, सुंदरी तिर्की, डॉ बिरसा उरांव, अजय सिंह, भानू प्रताप बड़ाईक, वेद प्रकाश तिवारी आदि शामिल थे.

आदिवासी एकता महारैली : 23 विभूतियों के नाम पर तोरण द्वार

हम लड़ेंगे और जीतेंगे : बंधु

तैयारी तेज

- आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मुख्य अतिथि
- महारैली में पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राठवा भी लेंगे भाग

विशेष संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष एवं समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि आदिवासियों से जुड़े मुद्दे पर कभी भी किसी भी हाल में समझौता नहीं हो सकता. आदिवासियों की ज्वलंत समस्याओं पर गंभीर आदिवासी संगठन और समान विचारधारा के लोग एवं संगठन न केवल लड़ेंगे, बल्कि वह निश्चित रूप से जीतेंगे भी.

इस महारैली में मुख्य अतिथि आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे होंगे. इसके साथ ही गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राठवा के साथ अनेक गणमान्य नेताओं ने इस समारोह में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर दी है. ये बातें बंधु तिर्की ने अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

आदिवासियों की समस्याओं से जुड़े मसौदे का लोकार्पण आज : तिर्की ने कहा कि आदिवासी जनाधिकार मंच द्वारा आगामी 4 फरवरी को आयोजित आदिवासी एकता महारैली में आदिवासियों के ज्वलंत मुद्दों, समस्याओं और उनकी वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ से संबंधित विशेष मसौदे का लोकार्पण 24 जनवरी को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान के मंच पर इस महारैली के संयोजकों द्वारा किया जाएगा. महारैली की तैयारी अंतिम चरण में है और इसमें भाग लेनेवाले लोगों के स्वागत में झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी, वीर आंदोलनकारी और झारखंड की 23 विभूतियों के नाम पर तोरण द्वार का निर्माण किया जाएगा.

सरना धर्म कोड सभी आदिवासियों की प्रमुख मांग

उन्होंने कहा कि सरना कोड सभी आदिवासियों की मांग है. लेकिन भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दक्षिणपंथी संगठनों के साथ ही अनेक नेताओं द्वारा केवल और केवल चुनाव के दृष्टिकोण से मुद्दे को भटकाया और भड़काया जा रहा है. जो भी उन्हें जानते हैं, उन्हें अच्छे तरीके से पता है कि अपने पूरे राजनीतिक जीवन में उन्होंने बिना किसी भेदभाव के राजनीति की है. लेकिन आदिवासियों के मुद्दे पर हमेशा मुखर रहे और वहां कोई समझौता नहीं हो सकता.

स्थानीयता, पेसा आदि मुद्दों पर केंद्रित है महारैली

बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड की स्थानीयता, पेसा, पांचवी अनुसूची, सीएनटी एक्ट, एसपीटी, जल, जंगल और जमीन के बचाव के साथ ही उन्होंने किसी भी आदिवासी और मूलवासी मुद्दे पर कभी भी कोई समझौता नहीं किया और ना ही करेंगे. तिर्की ने कहा कि राज्य में आदिवासियों की 32 जनजातियों के साथ ही, आदिवासी हितों के प्रति समर्पित सभी लोगों को विशेष रूप से एकजुट होकर, सरना कोड और अपनी समस्याओं को मुखरता से सामने रखना चाहिए और जीतने के लिए अपना पूरा प्रयास करने की जरूरत है.

राजनीतिक रोटी सेंकती रही है भाजपा-आरएसएस

तिर्की ने कहा कि तीन-चार महीने के बाद लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत तक झारखंड के विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन और इसके नेता झारखंड में सभी मुद्दों के ध्रुवीकरण करने के साथ-साथ, एक तरफ हिंदू-मुस्लिम और दूसरी तरफ ईसाई-सरना के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. इसके पीछे कारण यह भी है कि हाल में उन्हें छत्तीसगढ़ में इससे फायदा हुआ है और झारखंड में भी भाजपा और उसके नेता ऐसा ही कारनामा कर सत्ता को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं. मगर, उनकी चाल को झारखंड के लोग कभी भी सफल नहीं होने देंगे.

सभी धर्मनिरपेक्ष लोग महारैली में करेंगे शिरकत

बंधु ने कहा कि कई आदिवासियों संगठनों, नेताओं एवं राजनीतिक दलों द्वारा 4 फरवरी को आयोजित आदिवासी एकता महारैली को केवल ईसाई आदिवासियों की रैली के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, जो पूरी तरीके से गलत है. उन्होंने कहा कि यह भाजपा, आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों को छोड़ कर प्रदेश के धर्मनिरपेक्ष, समान विचारधारा और इसके साथ-साथ आदिवासियों के मामले पर बेहद गंभीर लोगों, राजनीतिक दलों एवं संगठनों की संयुक्त महारैली है. इसमें भेदभाव के बिना सभी की सहभागिता है.

लोकतंत्र बचाओ यात्रा प्रारंभ, 26 तक चलेगी

रांची। लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान के द्वारा लोकतंत्र बछाबअना (नम्हैं झारखंड, नम्हैं राजी) यात्रा का शुभारंभ मंगलवार को हो गया. रांची से लोहरदगा के लिए इसका शुभारंभ रांची से हुआ. यह यात्रा 23 से 26 जनवरी तक लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में जाएगी. इसका मुख्य उद्देश्य 2024 लोकसभा चुनाव में झारखंड, देश, लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जनसंपर्क यात्रा है. इस यात्रा में अभियान संगठन के आलोका कुजूर, फुलजेंसिया बिलुंग, ज्योति कुजूर, मंथन, प्रवीर पीटर, रोज़ खाखा, टॉम कावला, सिराज दत्ता, सिलास बारा, सरिता एक्का व शनियारो देवी आदि शामिल हैं. यात्रा के दौरान केंद्र सरकार की विरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा. इन्होंने बताया कि यात्रा लोहरदगा के विभिन्न प्रखंडों से होकर गुमला के विभिन्न प्रखंडों में जाएगी. यात्रा के दौरान जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. यात्रा में लोगों को केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के विषय में जागरूक किया जाएगा. 10 सालों में आदिवासी-मूलवासियों एवं उनके जल, जंगल, ज़मीन और खनिज पर विशेष हमले हुए हैं. मणिपुर में आदिवासियों, खासकर के महिलाओं पर हुई राज्य प्रायोजित हिंसा ने आदिवासियों के प्रति भाजपा और मोदी सरकार की सोच को उजागर कर दिया है. आरएसएस-भाजपा के द्वारा आदिवासियों की एकता तोड़ने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं. इसे कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा.

58 लाख उपभोक्ताओं की कौन सुने, अध्यक्ष ही नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

एक तरफ झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली की नई दर जारी करने में जुटा है. दूसरी तरफ राज्य के 58 लाख उपभोक्ताओं की शिकायतों को कोई सुनने वाला नहीं है. उपभोक्ताओं के शिकायतों के निवारण के लिए हर लाइसेंसी को कंज्यूमर ग्रिवांस रिडरेशन फोरम का गठन करना था. फोरम का गठन हुआ, लेकिन अध्यक्ष नहीं होने से कामकाज बाधित हो रहा है. फोरम में डिस्ट्रिक जज स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होनी है.

मेदिनीनगर में चार साल से अध्यक्ष की नहीं हुई नियुक्ति : पलामू के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. पलामू में कंज्यूमर ग्रिवांस रिडरेशन फोरम में पिछले चार साल से अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है. वहीं रांची में भी अध्यक्ष का पद खाली है. चाईबासा में 22 मई 2022 से अध्यक्ष का पद खाली पड़ा हुआ है. बोकारो में 19 नवंबर 2021 से अध्यक्ष का पद खाली है. वहीं मेदिनीनगर में सात नवंबर 2019 से अध्यक्ष का पद खाली है.

क्या है नियम : अगर पावर सप्लाई करने वाला लाइसेंसी फोरम में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति नहीं करता है, तो विद्युत नियामक आयोग उस लाइसेंसी के खिलाफ कार्रवाई भी कर सकता है. खास बात यह है कि फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से एक प्रतिनिधि का होना जरूरी है. लेकिन, अब तक उपभोक्ताओं की ओर से एक भी फोरम में प्रतिनिधि नहीं है.

- पलामू में चार साल चाईबासा में एक और बोकारो में दो साल से अध्यक्ष नहीं
- राजधानी रांची के उपभोक्ताओं की भी कोई सुनने वाला नहीं
- किसी भी फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से प्रतिनिधि नहीं

स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट

झारखंड के 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का नहीं हो रहा कार्य

रांची। झारखंड के 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का कार्य नहीं हो रहा है. इनमें धनबाद, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, पाकुड, साहिबगंज, दुमका, रामगढ़, सरायकेला, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा और दुमका शामिल हैं. गौरतलब है कि स्पेशल ब्रांच ने आदेश जारी किया था कि राज्य के सभी जिलों में आईवीएफआरटी के तहत वीपीएन टोकन के माध्यम से डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का चालू होना अनिवार्य है. लेकिन 13 जिलों में यह कार्य नहीं हो रहा है.

देश में अवैध प्रवासियों पर नजर रखने का काम करता है मॉड्यूल : डिस्ट्रिक पुलिस मॉड्यूल का उद्देश्य राज्य पुलिस को जिला स्तर तक उनके अधिकार क्षेत्र में प्रामाणिक विदेशी जानकारी से लैस करना और देश में अवैध प्रवासियों पर नजर रखने में सक्षम बनाना है. डीपीएम मॉड्यूल पुलिस अधिकारियों को आईवीएफआरटी के विभिन्न स्तंभों जैसे वीजा, आव्रजन, एफआर, सी-फॉर्म और एस-फॉर्म से प्राप्त प्रामाणिक विदेशी जानकारी प्रदान करता है. अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में वर्तमान में रहने, अधिक समय तक रहने और रिपोर्ट न करने वाले विदेशी विवरण की जांच कर सकते हैं.

प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति को आमंत्रित नहीं करने पर निंदा

संवाददाता। रांची

करमटोली स्थित धुमकुड़िया सभागार में आदिवासी जन परिषद की बैठक प्रेम शाही मुंडा की अध्यक्षता में हुई, इसमें आदिवासियों पर लगातार हो रहे अत्याचार, शोषण, दमन पर चर्चा की गई. अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाने की निंदा करते हुए कहा गया कि यह आदिवासी समाज को नीचा दिखाने का प्रयास है. देश भर में आदिवासी समाज का अपमान किया गया है.

परिषद आदिवासी राष्ट्रपति को आमंत्रित नहीं करने की निंदा करता है. आदिवासी जन परिषद द्वारा 11 फरवरी 2024 को तमाड़ में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक व वनभोज का आयोजन होगा. वहीं 25 फरवरी को सिल्ली विस क्षेत्र के पतराहातू मैदान में एकदिवसीय आदिवासी अधिकार महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. मुंडा ने कहा कि एक तरफ भाजपा और आरएसएस के लोग चुपके से सरना स्थलों की मिट्टी चुरा कर राम मंदिर निर्माण के लिए ले गए और दूसरी तरफ आदिवासियों का अपमान किया जा रहा है. इसे परिषद बर्दाश्त नहीं करेगी. आदिवासियों पर लगातार हो रहे धार्मिक-राजनीतिक हमले का हर हाल में विरोध किया जाएगा. आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है, जिसे बचाने की जरूरत है. बैठक में प्रधान महासचिव अभय भुटकुंवर, महासचिव प्रकाश मुंडा, रांची जिला अध्यक्ष सवाना सिंह मुंडा, प्रदीप करमाली, सेलिना लकड़ा, मुचि राम मांझी, संगीता टोप्पो, जेनिता तिग्गा, उमेश लोहरा, सोमरा मुंडा आदि थे.

संगठन बैठक

- आदिवासी जन परिषद ने की आदिवासियों के दमन पर चर्चा
- भाजपा-आरएसएस पर लगाया अपमान का आरोप

कांग्रेसजनों ने नेताजी को अर्पित किया श्रद्धासुमन

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई. इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं कांग्रेसजनों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया. राजेश ठाकुर ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस त्याग एवं अनुशासन के प्रतिमूर्ति थे. उन्होंने देश की आजादी के लिये अपने सारे सुख-वैभव का त्याग कर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये कठिन से कठिन मार्ग को अपनाया एवं अंग्रेजों को अपने नाम का लोहा मनवाया. उन्होंने इसी उद्देश्य से आजाद हिन्द फौज का गठन किया. उनमें युवाओं को संगठित कर राष्ट्र के प्रति समर्पित करने की अर्पूव क्षमता थी. श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में अमुल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, अजय नाथ शाहदेव, विनय सिन्हा, जयशंकर पाठक, संजय पांडेय, राजीव रंजन प्रसाद, रवीन्द्र सिंह, डॉ एम तौसीफ, कमल ठाकुर, सोनाल शांति, जगदीश साहु, खुर्शीद हसन रूमी, डॉ बिरसा उरांव आदि शामिल थे.

सीपीआई ने मनाई नेताजी की 127वीं जंयती

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती मनाई गई. नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई. पूर्व सांसद भवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का सपना आज भी अधूरा है. रामगढ़ के अधिवेशन में उन्होंने गरम दल का निर्माण किया था. आज देश के अंदर जात-धर्म के नाम पर राजनीति की जा रही है. देश में बेकारी, बेरोजगारी, महंगाई चरम पर है. लेकिन धर्म की घुट्टी पिला कर केंद्र सरकार लोगों को बरगला रही है. आज नेताजी की जयंती पर सभी को संकल्प लेने की जरूरत है. देश की तमाम धर्मनिरपेक्ष पार्टियां एकजुट होकर देश में लोकतंत्र, संविधान और देश की आजादी को बचाने के लिए संघर्ष को तेज करेंगे. मौके पर राज्य सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, जेएमएम के जितेंद्र प्रसाद गुप्ता, इम्तियाज खान, कमरुद्दीन निशा, मनोज ठाकुर, श्यामल चक्रवर्ती, आरजेडी के राजेश यादव, मेहुल मृगेंद्र, किरण कुमारी, गोपाल पांडेय, सुनील सिंह, नागो चौधरी आदि मौजूद थे.

आजसू ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

रांची। आजसू छात्र संघ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई. इस आयोजन में आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष गौतम सिंह मुख्य रूप से शामिल थे. उन्होंने कहा कि नेताजी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेताओं में से एक थे. उन्होंने अपना सारा जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नाम कर दिया था. आजादी के इस महानायक के जन्मदिवस को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाया जा रहा है. सुभाष चंद्र बोस ने अपनी दमदार नेतृत्व क्षमता से हजारों लोगों को आजादी की लड़ाई से जोड़ा और आजादी की लड़ाई को एक नई रूपरेखा दी. रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम कि लड़ाई को तीव्र गति दी थी. इस मौके पर मंजीत, प्रियांशु, विशाल कुमार यादव, विशाल कुमार गुप्ता, आदित्य सिंह, लाल मानी यादव, राहुल कुमार, अकाश समेत अन्य शामिल थे.

ट्रेड यूनियनों व किसानों ने नेताजी की जयंती मनाई

रांची। ट्रेड यूनियनों व संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर मंगलवार को झारखंड के अधिकांश जिलों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती देश प्रेम दिवस व साम्राज्यवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया गया. राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में किसानों, मजदूरों-कर्मचारियों द्वारा अपने अपने कार्य स्थलों पर सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देते हुए देश की एकता अखंडता और भाईचारे की रक्षा का संकल्प लिया गया. मेन रोड स्थित सीटू राज्य कार्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया. सभा की अध्यक्षता अनिर्बान बोस ने की. वहीं सीटू के प्रकाश विप्लव, प्रतीक मिश्र, एमएल सिंह, अभिजीत मल्लिक, नवीन चौधरी समेत विभिन्न ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने कहा कि आज हमारा देश एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है. आज शासक वर्ग द्वारा धार्मिक उन्माद का शोर पैदा कर राष्ट्रीय संपदा की लूट तेज कर दी गई है. यह हमारे संविधान की मूल भावना और स्वतंत्रता संग्राम की साझी विरासत व जनतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने की साजिश है.

भारतीय एकता कमेटी ने नेताजी को किया याद

रांची। भारतीय एकता कमेटी ने मंगलवार को गुदड़ी स्थित कार्यालय में नेजाती सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई. मौके पर कमेटी अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि आज संपूर्ण राष्ट्र उनकी जयंती समारोह को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहा है. नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक क्रांतिकारी विचारधारा के स्वतंत्रता सेनानी थे. उनके पराक्रम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज और उनका आह्वान 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का परिणाम है कि देश को आजादी दिलाने में अहम योगदान रहा. मौके पर सचिव रामेश्वर राम, बुलंद अख्तर, महमूद आलम, मो वसीम, मनोज राम आदि शामिल थे.

निर्माण जारी

मस्जिद ए जाफरिया में 2000 में शुरू हुई थी नमाज, 1984 में खरीदी गई थी छह कट्ठा जमीन

शिया समुदाय की मस्जिद में लग रहे यूपी से मंगाए मीनार व गुंबद

रेहान अहमद। रांची

झारखंड गठन से पूर्व 1983 में राजधानी रांची में शिया समुदाय की आबादी बहुत ज्यादा नहीं, लेकिन ठीक ठाक हो गई थी. मस्जिद ए जाफरिया के इमाम मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने बताया कि समुदाय के लोगों में रांची शहर के मानिंद लोगों में अधिवक्ता मरहूम यावर हुसैन, उर्दू अखबार कौमी तंजीम के संपादक मरहूम अमीर हसन रिजवी, मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी, अंजुमन ए जाफरिया आदि शिया मसलक के बुद्धीजियों ने आबादी के हिसाब से एक शिया मसलक की मस्जिद होने पर

रायशुमारी की. इस तरह 1984 में मसलक के लोगों ने अंजुमन जाफरिया की पहल पर चर्च रोड स्थित अंसार नगर में मस्जिद तामीर के लिये छह कट्ठा जमीन खरीदी. जमीन पर 1989 में चहारदिवारी का कार्य पूरा किया गया.

7 वर्ष टीन के शेड में अदा हुई नमाज

26 जनवरी 1999 में मस्जिद की तामीर का काम आरंभ हो गया. जमीन को चौतरा नुमा बनाकर पहली नमाज 6 जनवरी 2000 को टेंट के सहारे शुरू हुई. उसके बाद टीन का शेड डाला गया, उसमें पहली ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई. इस तरह 7 वर्ष टीन के शेड में ही नमाज अदा होती रही.

2007 में रखी गई संग ए बुनियाद

25 फरवरी 2007 को मस्जिद ए जाफरिया के नये निर्माण के लिये संग ए बुनियाद में हर मसलक के उलेमा शरीक हुए. उलेमाओं में मौलाना असगर मिसबाही, मौलाना तौफीक अहमद कादरी, मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी, कोलकाता के मौलाना मोहसिन रजा, मरहूम अधिवक्ता यावर हुसैन, बोहरा जमात के मजहबी रहनुमा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उलेमा समेत बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए. उसके बाद मस्जिद ए जाफरिया का उद्घाटन 8 जुलाई 2007 में हुआ. अब मस्जिद के लिए मीनार व गुंबन उत्तर प्रदेश से मंगवाए गए हैं.

महिलाओं के लिए अलग हॉल है

मस्जिद परिसर में महिलाओं की मजलिस के लिए अलग हॉल है. हॉस्टल व लाइब्रेरी में गरीब बच्चों को नि:शुल्क सुविधा दी जाती है. मस्जिद में हुई मजलिसों में राज्यपाल मरहूम डॉ सैयद अहमद, राज्यपाल मरहूम सैयद सिब्ते रजी आदि विशिष्ट लोग शामिल हुए थे. यहां मजलिस में बनारस, लखनऊ समेत देश-विदेश के अंतर्राष्ट्रीय उलेमा शरीक हुए और मजलिसों को संबोधित किया था. मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि मस्जिद में नया गेट लगाया गया है. मस्जिद में नक्काशी मीनार व गुंबद का काम चल रहा है.

मस्जिद कैंपस में इमाम बाड़ा, हॉस्टल, लाइब्रेरी बनी

9 अक्टूबर 2007 में मस्जिद कैंपस के एक ओर इमाम बाड़ा व हॉस्टल की बुनियाद रखी गई. इसकी बुनियाद बनारस के मौलाना समीमुल हसन ने रखी. मस्जिद ए जाफरिया शिया मुसलमानों का वाहिद एक रांची में प्रसिद्ध इबादत खाना मस्जिद है. रांची के मोमिनों की अहम भूमिका है, इस तरह मस्जिद का जी 2 बन कर तैयार है.

नेताजी की प्रेरणा से देश को प्रगति की ओर ले जाने के लिए संकल्पित होना चाहिए : उत्तम

राष्ट्रीय युवा शक्ति ने पहाड़ी पर फहराया तिरंगा

संवाददाता। रांची

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 127वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा शक्ति के तत्वावधान में पहाड़ी मंदिर के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया. नेताजी को श्रद्धांजलि देने के लिए आज युवा शक्ति के पदधारी दर्जनों की संख्या में शामिल हुए. झंडोत्तोलन कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा शक्ति की अनुवाई में संपन्न हुआ. राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि नेताजी को श्रद्धांजलि देने की परंपरा 23 जनवरी 2016 से शुरू की गई थी, जब तत्कालीन केंद्रीय मंत्री मनोहर परिकर ने पहली बार पहाड़ी मंदिर प्रांगण में भारत का सबसे लंबा ध्वज फहराकर नेताजी को श्रद्धांजलि दी थी, पर उसके बाद पहाड़ी मंदिर प्रांगण में कभी झंडोत्तोलन कार्यक्रम नहीं हुआ.

सरकार की ओर से भी इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, इसलिये राष्ट्रीय युवा शक्ति के युवा कंधों ने जिम्मेदारी उठाई और प्रति वर्ष सभी मिलकर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते है. उत्तम यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने एक ऐसे राष्ट्र का विचार रखा था, जो सांप्रदायिकता, अन्याय व असमानता से मुक्त हो और सत्य व समानता की ताकत पर आधारित हो, यह उनके संकल्प की ही शक्ति थी कि सबसे बड़ी नौकरी छोड़कर देश से खाली हाथ निकलकर उन्होंने दुनिया की बड़ी शक्तियों को अपने पक्ष में किया और आजाद भारत की सेना और सरकार का भी गठन किया. इसलिए आज हम युवाओं के लिए इतिहास के ये नायक और भी प्रासंगिक हो गए हैं और हमें इनसे प्रेरणा लेकर देश को प्रगति व खुशहाली की ओर ले जाने के लिए संकल्पित होना चाहिए. उन्होंने कहा कि पहाड़ी मंदिर में राष्ट्रीय ध्वज का फ्लैग को बड़ा तालाब स्थित स्वामी विवेकानंदजी की प्रतिमा के पास या फिर मोरहाबादी मैदान के बीच में शिफ्ट किया जाए, जिससे राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान दिया जा सके व पहाड़ी मंदिर पर हजारों टन का लोड काम किया जा सकता है. मौके पर पिंटू बजाज, निखिल गुप्ता, रोहित यादव, अजीत गुप्त, पिंटू ला, शैलेश नंद तिवारी, सोनू गुप्ता, अनुराग तिर्की प्रमोद सिंह आदि सदस्य शामिल थे.

छात्र जदयू ने रांची विवि में नेताजी की जयंती मनाई

रांची। रांची विश्वविद्यालय विज्ञान परिसर में मंगलवार को झारखंड छात्र जदयू ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई. मौके पर उपस्थित छात्र जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डॉ मुकेश यादव ने कहा कि सुभाषचन्द्र बोस ने जर्मनी और जापान की धरती से जय हिंद का नारा बुलंद कर पूरे हिंदुस्तान को एकजुट किया. नेता जी ने तुम मुझे खून दो..मैं तुम्हें आज़ादी दूंगाके नारे ने गुलामी की काली रातों के बीच एक उम्मीद जगा दी थी.

'नेताजी की मृत्यु पर संदेह कायम है लेकिन उनकी शहादत पर नहीं'

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय की अध्यक्षा तन्वी बरदियार ने कहा कि नेता जी की मृत्यु पर संदेह कायम है, पर उनकी शहादत पर नहीं. उनकी शहादत ने बता दिया कि अगर सत्ता बुलेट का जवाब बुलेट चाहती है तो एक इंसान भी चाह ले तो एक तोप की फौज खड़ी कर सकता है. नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से डॉ मुकेश यादव, आकाश कुमार, मानसी विश्वास, अनुज कुमार, आयुष शर्मा, अनीस कुमार, और तन्वी बरदियार शामिल थे. यह जानकारी झारखंड छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी डॉ विनय भरत ने दी.

डीएवी हेहल में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई गई. विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा पुष्प अर्पित कर नेताजी को श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर बच्चों ने लघुनाटिका के माध्यम से नेताजी सुभाषचंद्र बोस और गांधीजी के परस्पर संवाद द्वारा स्वतंत्रता के प्रति उनके विचारों को प्रकट किया. इस मौके पर प्राचार्य एसके मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि सुभाष चन्द्र बोस असाधारण व्यक्तित्व और नेतृत्व कौशल वाले प्रभावशाली वक्ता होने के साथ-साथ वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे. द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया था. सुभाषचंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में नेताजी को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता। रांची

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया. प्राचार्य ललन कुमार ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. नेताजी को आजाद हिंद फौज के संस्थापक के रूप में जाना जाता है, उनका प्रसिद्ध नारा है तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा. आज उनकी जयंती मनाते हुए हमें प्रेरणा लेनी चाहिए.

प्राचार्य ने बच्चों को नेताजी के आदर्शों पर चलने की सलाह दी.

सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल में याद किए सुभाषचंद्र बोस

रांची। अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड स्थित सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, न्यू अशोक नगर, रांची के प्रांगण में मंगलवार को स्वतंत्रा सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वीं जयंती मनाई गई. इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. दीपक कुमार सिन्हा, रमाकांत प्रसाद, सुषमा सिन्हा के साथ सभी शिक्षकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये. स्कूल के निदेशक डॉ. सिन्हा ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नेताजी देश के आजादी के लिए विदेश से सिविल सेवा छोड़ कर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया.

विद्यार्थियों को नेताजी के चुनौतीपूर्ण जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए. इस अवसर पर कक्षा एलकेजी से यावर दानिश, मोहम्मद अब्दुल्ला, कक्षा 5 से नित्या जैन, कक्षा 7 से ज्योति कुमारी और सिद्धि कुमारी ने कविता, भाषण और स्पीच प्रस्तुत किया.

न्यूज अपडेट

कॉसमॉस यूथ कल्ब ने नेताजी को श्रद्धांजलि दी

रांची। पराक्रम दिवस के रूप में मंगलवार को महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वीं जयन्ती मनायी गयी. इसके साथ ही कॉसमॉस यूथ कल्ब का 44वां स्थापना दिवस भी मनाया गया. इसके उपलक्ष्य में क्लब परिसर में संस्था के मुख्य संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य द्वारा सुबह 11:00 बजे ध्वजोत्तोलन किया गया. बच्चों और उपस्थित राहगीरों के बीच क्लब के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में केक काटा गया और मिष्टान्न का वितरण किया गया.

कटलरी डिजाइन प्रतियोगिता में प्राप्त किया 7वां स्थान

रांची। इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) ने इडिबल कटलरी डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया. इस प्रतियोगिता का आयोजन नोएडा स्थित कलिनरी इंस्टिट्यूट ने किया था. प्रतियोगिता में आईएचएम रांची ने 7वां स्थान प्राप्त किया. इस प्रतियोगिता में देशभर के कुल 23 होटल प्रबंधन संस्थानों ने भाग लिया, जिसमें आईएचएम के प्राचार्य डॉ.भूपेश कुमार के नेतृत्व और रांची विश्वविद्यालय की डॉ लाडली रानी और तृतीय वर्ष के छात्र सारांश सोनी व अलंकृत सहाय ने मडुआ से बने खाद्य कटलरी जैसे चमच, कटोरी, प्लेट व ग्लास समेत अन्य खाद्य पदार्थ परोसे. प्रतियोगिता में जज की भूमिका में भारत के नामी गिरामी शेफ मंजीत गिल, शेफ निशांत चौबे शामिल थे. इसके अलावा पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के 3 अधिकारियों ने भी जजों का सहयोग करते हुए मूल्यांकन किया.

सीसीएल में धूमधाम से मना पराक्रम दिवस

रांची। सीसीएल रांची में मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 127 वीं जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शौर्य और पराक्रम को याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की. कर्मियों ने भारत की स्वतंत्रता हेतु नेताजी द्वारा किए गए संघर्षों का स्मरण करते हुए उनके मूल्यों को आत्मसात करने की बात की. इस अवसर पर सीएमएस गांधीनगर डॉ. सुमन सिंह विभागाध्यक्षा (कल्याण) रेखा पांडे ,विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुजीत गोस्वामी, विभागाध्यक्ष(मैनपॉवर) कविता गुप्ता , पी.के सिन्हा, आरके सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे. कार्यक्रम के आयोजन में कल्याण विभाग एवं अन्य की भूमिका रही.

श्याम मंदिर में गूंजा सुंदरकांड व हनुमान चालीसा

रांची। श्याम मंदिर हरमूरोड रांची में मंगलवार को सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का 86वां संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया. सुनील मोदी आशा मोदी ने परिवार संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित किया. मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया. श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा एक श्याम भक्त ने फल प्रसाद एवम केसरिया पेड़ा सेवा श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार ने निवेदित की. बलराम मोदी ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया . श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया . पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली झांझ करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ किया.

वॉव लेडीज क्लब ने दी मनमोहक प्रस्तुति

संवाददाता। रांची

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर वॉव लेडीज क्लब सेल सिटी में महिलाओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत क्लब की प्रेसीडेंट किरण सिन्हा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गयी. इस अवतर पर राम सीता की आरती की गयी. कार्यक्रम में क्लब की वाइस प्रेसीडेंट विनीता सिन्हा, सेक्रेटरी मौसमी बनर्जी, ट्रेजरर पुष्पा सिन्हा, एक्जीक्यूटिव मेंबर रुचि अस्थाना, सोनी सहित क्लब के सारे सदस्य उपस्थित थे. कार्यक्रम में प्रस्तुत भक्ति गीत राम आयेंगे...राम आये हैं... पर रुत्य तथा कनिका ने नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया.

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान राम व माता सीता की झांकी थी

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण राम सीता की झांकी तथा देशभक्तिपूर्ण नृत्य गीत थे, जिसे लोगों ने खूब सराहा. कार्यक्रम के तहत आयोजित विभिन्न खेलों में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. जय श्री राम तथा भारतमाता के जयघोष से वातावरण भक्तिमय एवं देशप्रेम से सराबोर हो गया. अंत में राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया. इससे पहले कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर के आयोजन किये जाने की घोषणा की गयी. साथ ही पुरानी कमेटी के सदस्यों को फेयरवेल दिया गया और नयी कमेटी के सदस्यों का स्वागत किया गया.

11000 दीयों से रोशन हुआ तपोवन मंदिर

रांची। तपोवन मंदिर में जेसीआई रांची द्वारा सोमवार को 11000 दियों से दीप प्रज्जवलन कर दीपोत्सव मनाया गया. इस अवसर पर तपोवन मंदिर समिति की ओर से श्रीराम मंदिर समेत पूरे मंदिर परिसर को रंग बिरंगे लाइटों से सजाया गया था. साथ ही महाआरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद भोग का वितरण किया गया. कार्यक्रम के संयोजक अंकित मोदी, रोहित दयानी व अमन पोद्दार थे. साथ ही संस्था के अध्यक्ष विक्रम चौधरी, सचिव मयंक अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अनूप अग्रवाल, नारायण मुरारका, मनीष रामसिसरिया, दीपक अग्रवाल, अमित खोवल, नीरज पोद्दार, श्याम अनुराग, आशीष गौतम, निशांत मोदी, अंकित अग्रवाल, नटवर बाजोरिया के अलावा जेसीआई रांची के अन्य सदस्यों ने सहयोग दिया.

अभ्युदय के बच्चों ने देशभक्ति गीतों से मन मोहा

रांची। कोकर तिरिल रोड के बासुकी नगर स्थित अभ्युदय एकेडमी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनायी गयी. मौके पर बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभया सिंह, दूसरा स्थान तेजस्वानी कुमारी, तृतीय स्थान भाव्या तिवारी ने प्राप्त किया. मौके पर स्कूल की चेयरमैन अर्चना गुप्ता, डायरेक्टर शशिभूषण गुप्ता , शिक्षिका दोयल आचार्या, मधुश्री मजुमदार, सरिता सिन्हा व राकेश पातर ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इसके अलावा बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों को खीर खिलाया गया.

जरूरतमंदों के बीच किया गर्म कपड़े और कंबल का वितरण

संवाददाता। रांची

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर बुढ़मू के हेसल पीढ़ी शिवमंदिर प्रांगण में झारखंड विकास मंच के बैनर तले करीब 300 जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़े और कंबल का वितरण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, समाजसेवी रणधीर चौधरी और टीवी पत्रकार उपेंद्र शंखवार शामिल हुए. सभी ने संयुक्त रूप से प्रखंड के हेसल पीढ़ी गांव में हेसल पिरी, तुरमुली, सोबा, बेडवारी, कोराबर, खखरा, बारौदी, काशी टोला, बसरी, बोडेया, खरकू टोला, गेसवे, पतरातू, बिंग बेड़ा, महादेव टोला इन सभी गांव के जरूरतमंद लोगों के बीच 300 कंबल का वितरण किया. साथ ही समारोह में उपस्थित लोगों को खिचड़ी का प्रसाद भी खिलाया गया. पत्रकार उपेंद्र शंखवार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती की शुभकामनाएं दी. अध्यक्षता सोनालाल महतो (उप मुखिया) व संचालन राजेन्द्र महतो व राजकुमार महतो ने किया.

बी-फैक्ट्री ने कैट के सफल अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

संवाददाता। रांची

बी-फैक्ट्री ने छात्र सम्मान समारोह का आयोजन कर कैट-2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों को सम्मानित किया. इस साल बी-फैक्ट्री कोचिंग के छात्र-छात्राओं को आईआईएम अहमदाबाद से 3 कॉल, आईआईएम बेंगलुरु से 5 कॉल, आईआईएम लखनऊ से 7 कॉल, आईआईएम इंदौर से 8 कॉल, आईआईएम कोजहिकोडे से 12 कॉल और कैप कॉल (जिसमें 9 आईआईएम शामिल होते हैं) के 12 कॉल प्राप्त हुए हैं. अभी तक कुल मिला कर बी-फैक्ट्री में 200 आईआईएम कॉल आ चुके हैं. समारोह में कैट में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मोमेंटो प्रदान किया गया. अकादमिक हेड नजिस काजमी ने स्टूडेंट्स को जीडी-पीआई-डब्ल्यूएटी की तैयारी के संदर्भ में मार्गदर्शन किया. बी-फैक्ट्री में कैट 2024 की बैच शुरू हो चुकी है.

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में परीक्षा पे चर्चा 2024 का आयोजन, विद्यार्थियों को मिले टिप्स

परीक्षा को ना बनाएं तनाव का कारण : डॉ नीता

संवाददाता। रांची

परीक्षा विद्यार्थियों के अध्ययन को आकलन करने का एक जरिया मात्र है. यह कभी भी तनाव का कारण नहीं बनना चाहिए. यह बात कैंब्रियन पब्लिक स्कूल की प्राचार्य डॉ नीता पांडेय ने कही. दरअसल स्कूल परिसर में 'परीक्षा पे चर्चा 2024' के तहत आयोजित कार्यक्रम हुआ. इसमें डॉ नीता ने कहा कि परीक्षाएं सिर्फ पड़ाव है. यदि इसमें व्यक्ति असफल हो भी जाए तो उसे पुनः नए सिरे से आरंभ करना चाहिए. उन्होंने दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता की शुभकामनाएं दी.

इससे पहले परीक्षा पे चर्चा-2024 के तहत 12 जनवरी से 23 जनवरी तक विद्यालय में मैराथन रन, पोस्टर मेकिंग, स्टूडेंट एंकर स्टूडेंट गेस्ट, योग सह ध्यान सत्र ,प्रातः कालीन सभा में संभाषण सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. बच्चों ने परीक्षा और उसमें प्राप्त सफलता पर आधारित एक भावपूर्ण गीत भी प्रस्तुत किया. एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज ने ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डासा. कहा कि इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा वे किसी भी चुनौती का सामना सहजता पूर्वक कर पाते हैं.

बच्चों ने शिक्षिका मीनू सहाय, विनीता वर्मा ,सुषमा तिवारी, आभा सहाय, शारदा सुमन ,परिणीता राय, सोना प्रसाद,अलका घोष, सतीश कुमार मिश्रा,निरंजन शर्मा, स्वाति सिन्हा,सुब्रत चटर्जी और अर्शी एथल मिंज के निर्देशन में कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया.

हकीकत के प्रति संजीदगी

नौ महीने बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के हिंसा और सामाजिक टकराव की समस्या को ले कर संजीदगी बढ़ रही है. इस बीच विपक्षी दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी दो बार मणिपुर की यात्रा कर चुके हैं और अपने न्याय यात्रा के दौरान लगातार पूर्वोत्तर में बढ़ती हिंसा और कुशासन के सवाल को उठा रहे हैं. इसका असर है या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन संभवतः मणिपुर में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को भी हकीकत का अहसास हुआ है. पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की प्राथमिकताएं चाहे जो हों, प्रदेश के नेता समझ रहे हैं कि मौजूदा सरकार आम जन के बीच अपना भरोसा खो चुकी है और उसके हाथ में समाधान का कोई सूत्र नहीं है. मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को भी इस आम भावना को स्वीकार करना पड़ा है. तभी रविवार को उन्होंने सर्वदलीय बैठक बुलाई और उसके बाद एलान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय मांगेंगे. चर्चा है कि उस मुलाकात में बीरेन सिंह अपने इस्तीफे की पेशकश करेंगे. उनका यह कथन महत्त्वपूर्ण है, 'हमने कोई फैसला नहीं किया है, क्योंकि हम यह तय नहीं कर पाए हैं कि प्रशासन की जिम्मेदारी हमें किसके हाथ में सौंपनी चाहिए. लोगों को लंबे समय तक बहुत भुगतना पड़ा है और उनके हालात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.' मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए लगभग नौ महीने आने को हैं, लेकिन स्थिति आज भी नियंत्रण में नहीं है. जब-तब हिंसा और मौतों की खबर वहां से आती रहती है. मणिपुर के दर्जनों राजनीतिक सामाजिक समूहों ने इस हिंसा के सवाल को ले कर प्रधानमंत्री से मुलाकात करने का प्रयास किया, लेकिन इन्हें प्रधानमंत्री ने समय नहीं दिया. इस सवाल को ले कर संसद में अविश्वास प्रस्ताव भी विपक्ष ने पेश किया, यह जानते हुए कि प्रस्ताव का गिरना तय है. बावजूद केंद्र ने इस सवाल पर ज्यादा संजीदगी का इजहार नहीं किया. राज्य के दो प्रमुख समुदायों- मैतेई और कुकी के बीच अविश्वास और विभाजन की रेखाएं गहरा गई हैं और उनके कुछ संगठन अब आतंकवादी तौर-तरीकों का सहारा लेने लगे हैं. यह बहुत आरंभ में स्पष्ट हो गया था कि बीरेन सिंह सबको साथ लेकर चलने में नाकाम हो गए हैं और तबसे उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है. एक बार उन्होंने इस्तीफा देने का दिखावा भी किया, जब उनके समर्थकों ने महिलाओं की भीड़ जुटाकर उनका इस्तीफा फाड़ दिया था. तब यह संदेश दिया गया कि बहुसंख्यक मैतई समुदाय मजबूती से बीरेन सिंह के पीछे खड़ा है, लेकिन हिंसा जारी रहने और उससे सभी समुदायों को भारी नुकसान होने के बाद लगता है कि मैतई आबादी के बीच उनके प्रति भरोसा डिग गया है. तो अब मुख्यमंत्री ने एलान किया है कि 'यह राजनीति करने का समय नहीं है और सभी दल आगे का रास्ता ढूंढने के लिए एकजुट हो गए हैं.' देर से ही सही, लेकिन यह अच्छा संकेत है.

> लोगों को लंबे समय तक बहुत भुगतना पड़ा है और उनके हालात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.' मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए लगभग नौ महीने आने को हैं, लेकिन स्थिति आज भी नियंत्रण में नहीं है.

सुभाषित

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

यह मेरा है और यह तेरा है, ऐसी सोच छोटे विचारों वाले लोगों की होती है. इसके विपरीत उदार रहने वाले व्यक्ति के लिए यह पूरी धरती एक परिवार की तरह होता है. अपना और पराया का भेदभाव भूल कर पूरे समाज, राष्ट और मानवता की चिंता करनी चाहिए.

सवाल लोकतंत्र की 'प्रतिष्ठा' का है!

राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया गया था, वह आज भी क़ायम है. उसमें कोई कमी नहीं हुई है. मैंने तब लिखा था कि 'यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं. राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं. यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते.'

• देश-काल

श्रवण गर्ग

पंद्रह राज्य, 110 ज़िले, 6,713 किलो मीटर लंबा रास्ता और 66 दिनों का सड़कों पर सफ़र! जनता के बीच, जनता के लिए! 'लोकतंत्र के राम' की देश की 140 करोड़ जनता के हृदयों में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ! एक लगातार चलने वाली यात्रा. लोगों की आंखों में आंखें डालकर उनके आंसुओं में ख़ुशी और ग़मों की तलाश करने का यज्ञ. जनता से उसकी जुबान में ही बातचीत करने की कोशिश. कोई छोटा-मोटा काम नहीं हो सकता. यह यात्रा उस चार हज़ार किलो मीटर के साहस से भिन्न है, जिसे कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल नापा गया था और जिसने देश भर में उम्मीदें जगा दी थीं कि चीजें और सत्ताएं बदली जा सकतीं हैं. ज़रूरत सिर्फ़ एक ईमानदार संकल्प की है!

वक्त के मान से पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' ज़्यादा लंबी थी, पर इसलिए छोटी थी कि नदियों, पहाड़ों, जंगलों और निर्जन स्थलों से गुज़रते वक्त भी लोगों का एक बड़ा समूह हरदम साथ चलता था. वह यात्रा 150 दिनों की थी. यह सिर्फ़ 66 दिनों की है. अभी सिर्फ़ तीन राज्य और दो सप्ताह ही पूरे हुए हैं. इस यात्रा में सुनसान रास्तों से गुज़रते वक्त बस में कुछेक सहयोगी और केवल एक यात्री ही रहने वाला है. बसकी खिड़की से बाहर बसे भारत को चुपचाप निहारता हुआ. हज़ारों किलो मीटर की इस अद्भुत और ऐतिहासिक यात्रा के दौरान कभी एक क्षण ऐसा भी आ सकता है, जब राहुल गांधी स्वयं से सवाल करने लगें कि भारत की जिस तस्वीर को वे बदलना चाह रहे हैं, वह अगर 2024 के चुनावों के बाद भी नहीं बदली तो वे क्या करने वाले हैं? क्या देश का धैर्य उनका लंबे वक्त तक साथ देने के लिए तैयार होगा? अगर चीजें नहीं बदलीं तो क्या उन्हें इसी तरह की या और ज़्यादा कठिन कई नई यात्राएं करना पड़ेंगी? उन यात्राओं की तब दिशा क्या होगी? सहयात्री कौन बनेंगे? क्या देश को तब तक ऐसी स्थिति में बचने दिया जाएगा कि उनके जैसा कोई व्यक्ति जनता को जगाने वाली किसी भी यात्रा के लिए सड़कों पर निकल सके?

राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया गया था, वह आज भी क़ायम है. उसमें कोई कमी नहीं हुई है. मैंने तब लिखा था कि 'यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं. राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं. यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते.'

राहुल की पहली यात्रा निर्विघ्न समाप्त हो गई थी. इस समय सवाल यह है कि क्या इस दूसरी यात्रा को बिना किसी बाधा के पूरा होने दिया जाएगा? राहुल को गुवाहाटी से मिल रही धमकियां किस ओर इशारा कर रही हैं? आश्चर्य नहीं होता कि देश के भीतर व्याप्त व्यापक नागरिक उत्पीड़न और सीमाओं पर उपस्थित अशांत माहौल के बीच भी वे तमाम लोग जिनका सत्ता पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण है, अपनी राजनीतिक सुरक्षा और व्यावसायिक संपन्नता के प्रति पूरी तरह से निश्चिंत और आश्वस्त हैं? इसके पीछे कोई तो कारण अवश्य होना चाहिए, जो देश की जानकारी में नहीं है और जनता को उसके प्रति चिंता भी व्यक्त करनी चाहिए. राहुल गांधी शायद उस अज्ञात कारण को जानते हैं. इस यात्रा को उसी का परिणाम माना जाना चाहिए? सारे मणिपुर और कश्मीर लोकसभा चुनावों तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी समारोहों की राजनीतिक गूंज में सफलतापूर्वक दफ़्न कर दिए जाएं? क्या ऐसा कर पाना संभव हो पाएगा? विश्व-इतिहास में शायद पहली बार अनोखा प्रयोग हो रहा है कि एक तरफ़ तो एक अकेला इंसान जनता को न्याय दिलाने की आकांक्षा और संकल्प के साथ सड़कों पर निकला हुआ है और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक मुल्क की हुकूमत ने अपनी समूची सामर्थ्य को सिर्फ़ इस काम में झोंक दिया है कि जनता को धर्म के नशे में इतना लीन कर दिया जाए कि वह यात्रा को देखने के लिए भी आंखें नहीं खोल पाए.

राहुल गांधी की महत्वाकांक्षी यात्रा जनता को अपने पैरों पर खड़े करने की कोशिशों की दिशा में एक लंबे समय तक के लिए आखिरी प्रयास मानी जा सकती है. कहा नहीं जा सकता कि देश के जीवन में इस तरह का क्षण आगे कब उपस्थित होगा ! मणिपुर से प्रारंभ हुई यात्रा की लोकसभा चुनावों के ठीक पहले मुंबई में समाप्ति के साथ राहुल गांधी का काम पूरा हो जाएगा. अपनी दो यात्राओं (दक्षिण में कन्याकुमारी से उत्तर में कश्मीर और पूर्व में मणिपुर से पश्चिम में मुंबई) के ज़रिए वे देश को अपना सब कुछ दे चुके होंगे! सवाल यह है कि क्या देश की जनता ने सोचना प्रारंभ कर दिया है कि राहुल गांधी उसके लिए क्या कर रहे हैं? क्यों चल रहे हैं? यात्रा का मक़सद क्या है? यात्रा के क्या परिणाम निकलने वाले हैं? यात्रा की सफलता-असफलता में भारत का भविष्य कैसे छुपा हुआ है? अभी सोचा नहीं गया होगा कि राहुल गांधी अगर चलना बंद कर दें तो दूसरा कौन है जो चलने वाला है? इतने बड़े देश में क्या कोई और नज़र आता है जो भविष्य की किसी भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल के हाथ से लेकर मशाल अपने हाथों में थाम लेगा? राहुल की यात्रा की सफलता के लिए की जा रही प्रार्थनाओं के स्वर सत्ता-प्राप्ति के मंगलाचरणों में नहीं डूबने दिए जाने चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

पांच सद् मित्र

जैसा कि विश्व के विचारकों ने कहा है कि मानव एक सामाजिक प्राणी है. वह अकेला नहीं रह सकता, लेकिन जीवन में कई बार ऐसी नौबत आ जाती है, जब कोई साथ नहीं होता और अकेला रह जाता है. कुछ ऐसी ही परिस्थितियों में एक व्यक्ति नितांत ही अकेला पड गया था. उसके स्वजन, मित्र सभी ने उसका साथ छोड दिया. तकरीबन सभी ने उसके साथ विश्वासघात किया था.अकेलेपन ने उसका जीवन, विषाद से भर दिया था. विषाद एवम् अकेलेपन के निवारण हेतु वह एक विद्वान महात्मा के पास पहुंचा. उसने अपने नीरस जीवन और अकेलेपन की पीड़ा, महात्मा के समक्ष व्यक्त की. अंत में कातर स्वर में अपने अकेलेपन को दूर करने का उपाय बताने के लिए विनती की. महात्मा हंसते हुए बोले, 'यह तो बहुत ही सरल है. आप बस मेरे समान मित्रो का सर्कल बना लो, मेरे उन मित्रों के रहते, मुझे कभी अकेलापन महसूस नही हुआ. मेरे मित्र कभी भी धोखा नही देते. मेरे वे पांचो मित्र हमेशा साथ निभाते है.' उस व्यक्ति ने कहा, 'आप बहुत ही भाग्यशाली है, आपको ऐसे सच्चे स्नेही मित्र मिले! सभी का कहां ऐसा सौभाग्य होता है? सभी को, आपके मित्रों समान हितैषी मित्र मिल जाए, यह जरूरी भी तो नही.' व्यक्ति ने बड़ी उम्मीद से प्रश्न किया, 'क्या वे मेरे भी मित्र बन जाएंगे? क्या वे मेरा साथ भी निभाएंगे?' महात्मा ने कहा, 'ध्यान से सुनो, जिन पांच मित्रो की मैं बात कर रहा हूं, उनको मित्र बनाने के लिए तुम्हें भी मनोयोग से मेहनत करनी पड़ेगी, दृढ़निश्चय करना होगा. समर्पित मानस बनाना होगा, मित्रता का संकल्प लेना होगा. जब वे एक बार मित्र बन गए तो फिर सदैव के लिए साथ निभायेंगे. प्रतिक्षण सहायता को तत्पर रहेंगे.' उस व्यक्ति ने उत्साह से कहा, 'तब तो आप जल्दी से मुझे उन पांच मित्रों के नाम बताइए और वे कहां मिलेंगे ठिकाना बताइए. मुझे हरहाल में उनके साथ मित्रता करनी है.' महात्मा ने प्रसन्नता से उन पांच मित्रों के नाम बताए- प्रमाणिकता, सादगी, सच्चाई, स्पष्टवादिता, वचनबद्धता. और कहा, 'इनका ठिकाना है, अंतर्मन-वन मध्य, इन्द्रियविषय नामक झाड़ झंखाड़ के पीछे, निर्मल हृदयस्थल! उनसे शीघ्र साक्षात्कार कर और उन्हें अपना मित्र बना, तेरा अकेलापन काफूर हो जाएगा!' उस व्यक्ति को अपनी समस्या का समाधान सहज ही मिल गया.

तय हों समावेशी विकास की प्राथमिकताएं

• विकास

सुरेश सेठ

इन दिनों भारत की संपन्नता के जो आंकड़े देशवासियों के सामने प्रस्तुत हो रहे हैं, वे आशावाद से भरे हुए हैं. हाल ही में आई गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट बता रही है कि देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया में तीसरे नंबर पर है, जबकि अमेरिका सर्वाधिक अरबपतियों वाला देश है. यह भी तमाम विषम हालात में भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है. फिर भी 168 अरबपति भारत में हो गए हैं. लेकिन इस संपन्न धरती के निर्धन लोगों को कैसे भूलें? यही रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी ऐसी है, जिसकी कमाई 12000 रुपये प्रति माह तक ही है. यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है. भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया. पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया. लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है. हम बार-बार कहते हैं कि भारत में अन्य देशों की तरह से महामंदी नहीं आएगी, लेकिन यहां खतरा पैदा हो गया है कि अगर वंचित और निम्न मध्यवर्ग जो देश की कम से कम आधी आबादी है, अगर उसकी मांग में कमी होती है तो उससे मंदी हमारे जरूरी उद्योगों और खेतीबाड़ी के आर्थिक द्वार पर दस्तक दे सकती है. इसीलिए वित्तमंत्री को भी चाहिए कि आने वाले अंतरिम बजट में कुछ न कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जिससे इस मुख्य वर्ग की उपभोक्ता मांग में कमी नहीं आएगी और हम मंदी से बचकर निकल जाएंगे. उम्मीद की जा रही है कि इन करोड़ों लोगों के हाथ में उपभोग के लिए कुछ पैसा छोड़ने के वास्ते शायद कर बोझ में कुछ कमी की जाएगी. लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत की उपलब्धियां कम हैं. 2014 में भारत दुनिया की आर्थिक शक्तियों में दसवें नंबर पर था, लेकिन आज वह पांचवें नंबर तक पहुंच गया है. चुनावी प्रचार के माहौल में घोषणा भी हो रही है कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बन जाएंगे. यह निश्चय ही हमारी विकास यात्रा की एक महती उपलब्धि होगी और इसी के लिए भारतीयों को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने के लिए देश के कोने-कोने में आजकल विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है. हमने इंटरनेट, डिजिटल और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में उम्मीद से अधिक तरक्की की है. हमारा इसरो अंतरिक्ष विजय अभियान में अमेरिका के नासा से 21 है 19 नहीं. सबसे बड़ी बात कि इसरो की उपलब्धियां चाहे चांद विजय की हों या सौर विजय की, अथवा जैसे हम अभी सूर्य की थाह ले रहे हैं, वह बहुत ही किफायतशाली कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त इसरो की गतिविधियों का व्यवसायीकरण भी कर दिया गया है. तीसरी दुनिया के देशों से लेकर छोटे देशों के संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का एक बड़ा व्यवसाय भारत के निजी क्षेत्र के सामने खुल गया है. लेकिन यहां कुछ चुनौतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था की इस दौड़ में विसंगतियां भी हमें सचेत कर सकती हैं. पहली बात तो यह कि भारत की अर्थव्यवस्था समतावाद के लक्ष्य से कहीं छिटककर विषम व्यवस्था बन गई है. मोटे तौर पर कहा जाता है कि भारत के दस प्रतिशत धनी 90 प्रतिशत सम्पदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं और 90 प्रतिशत आबादी 10 प्रतिशत सम्पदा पर गुजारा कर रही है. नई शिक्षा नीति तो बन गई है, लेकिन आंकड़ाशास्त्री बताते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक बड़ी नौजवानों की आबादी दसवीं से पहले ही स्कूल छोड़ जाती है. देश में किसी कारगर रोजगार अथवा निवेश नीति के न होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है. देश के मुख्य धंधे खेती के क्रमशः अलाभकारी होते जाने के कारण इन नौजवानों के सामने देश से पलायन के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं रह गया है. जरूरत इन प्राथमिकताओं को बदलने की है. देश के विकास और संपन्नता में सभी को साथ लेकर चलने की है. इसी को समावेशी विकास कहा जाता है, जो अकादमिक स्तर पर तो सच है, लेकिन यथार्थ के स्तर पर आज भी गरीब आदमी से कोसों दूर है. देश के वंचित वर्ग को दया की नहीं, बल्कि रोजगार की गारंटी भी चाहिए. तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था में स्वचालित उत्पादन प्रक्रिया के उत्साह के बावजूद लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को उनका उचित स्थान देकर ही यह गारंटी दी जा सकती है. इसी गारंटी के साथ ही नौजवानों का स्वाभिमान जुड़ा है, 80 करोड़ लोगों को उदार और रियायती राशन बांट कर नहीं.

> भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया. पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया. लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है.

कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय का दर्पण

• जयंती

विजय केसरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर का झारखंड से बहुत ही गहरा लगाव था. उन्होंने झारखंड को समृद्ध बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान किया था. देश की आजादी के बाद सत्ता के शीर्ष पर बैठे नेतागण आदिवासियों को ठगते रहे थे. एकीकृत बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद कर्पूरी ठाकुर झारखंड के आदिवासियों की सुध ली थी. वे आदिवासियों की योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए सीधे आदिवासी नेताओं और जनजाति समाज के लोगों से मिले थे. वे झारखंड को राजनीतिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए सामाजिक न्याय के कई नए युवा चेहरे को सामने लाए थे. वे बिहार के पहले मुख्यमंत्री व नेता थे, जिन्होंने देश की आजादी के बाद सबसे अधिक बार झारखंड का दौरा किया था. सामाजिक न्याय और समाजवाद के पुरोधा जननायक कर्पूरी ठाकुर का संपूर्ण जीवन त्याग और बलिदान से ओतप्रोत है. वे छात्र जीवन से ही समतामूलक समाज के निर्माण के पक्षधर रहे थे. वे समाज में छोटे-बड़े, ऊंची-नीची जातिवाद के भेद को जड़ से मिटा देना चाहते थे. वे एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते थे, जिसमें न कोई छोटा हो, न कोई बड़ा हो. समाज में व्याप्त भेदभाव को वे बिल्कुल उचित नहीं मानते थे. वे कर्म के सिद्धांत को जीवन की वास्तविक पूंजी मानते थे. वे मेहनत कर धन उपार्जन पर विश्वास रखते थे. उन्हें बेईमानी और झूठ की बातों से सख्त नफरत थी. वे एक बार बिहार के उपमुख्यमंत्री और दो-दो बार मुख्यमंत्री रहे थे. उन्होंने बेईमानी का एक भी पैसा नहीं लिया और न ही अपने सहयोगियों को लेने दिया था. उनके इस स्वभाव से उनके साथ रहने वाले कई नेता बहुत दुःखी भी होते थे. उनके इस स्वभाव के कारण कई नेता उनका साथ छोड़ कर चले जाते थे. कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की परवाह नहीं की थी. 1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद की सरकार बनी थी, उस सरकार में कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे. शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क कर दी थी. मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था. उन्होंने ऐसा इसलिए किया था कि समाज के पिछड़े बच्चे अंग्रेजी के कारण मैट्रिक पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं. जिस कारण पिछड़े विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते थे. ऐसा कर उन्होंने एक बहुत बड़ा कदम उठाया था. इस कदम की बिहार प्रांत सहित देश के कई हिस्सों में उनकी जमकर आलोचना हुई थी. लेकिन वे इससे बिल्कुल घबराए नहीं. ऐसा कर उन्होंने समतामूलक समाज निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल की थी. तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ जब जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति के आंदोलन का बिगुल चंहुओर बज रहा था, तब कर्पूरी ठाकुर देशभर में घूम घूम कर जनता के बीच इंदिरा गांधी का विरोध जमकर अपनी बातों को रख रहे थे. आपातकाल का उन्होंने जमकर विरोध किया था. देश से इमरजेंसी की समाप्ति की घोषणा के बाद जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी थी. तब बिहार में भी जनता पार्टी की सरकार बनी थी. बिहार विधानसभा के विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद कर्पूरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. इस पद पर रहते हुए उन्होंने गरीबों, अति पिछड़े वर्ग के लोगों को न्याय देने के लिए आरक्षण की घोषणा की थी. कर्पूरी ठाकुर के इस कदम का पूरे राज्य में जमकर विरोध हुआ था, लेकिन वे अपनी इस घोषणा पर अटल रहे थे. समाज के दलित, अति पिछड़े वर्ग और गरीबों को आरक्षण के रूप में एक वरदान मिल गया था. अब वे आरक्षण के माध्यम से सीधे सरकारी नौकरियों में जा सकते थे. मुख्यमंत्री पद पर रहकर भी उनके आचार-विचार और व्यवहार में कोई भी तब्दीली नहीं हुई थी. उनका मुख्यमंत्री आवास चौबीसों घंटे जरूरतमंदों के लिए खुला हुआ रहता. वे जिस समाजवाद का समतामूलक समाज के निर्माण का झंडा लेकर आगे बढ़ रहे थे, इनके रूप रंग से स्पष्ट रूप से झलक रहे थे. वही साधारण कुर्ता-धोती, पुराना चप्पल और बिखरे बाल उनकी सादगी को परिभाषित करता था. मुख्यमंत्री बनने से पूर्व उनका जो रहन-सहन था, वही रहन सहन मुख्यमंत्री बनने के बाद भी रहा था. मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों के लिए सरकारी जमीन आवंटित की जा रही थी. उनके कई विधायक गण उन्हें जमीन ले लेने की बात कही थी. लेकिन उन्होंने सरकारी जमीन लेने से मना कर दिया था. वे देश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिनके पास अपना निजी कार नहीं था. और ना ही बहुमंजिला मकान था.

> कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की परवाह नहीं की थी. 1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद की सरकार बनी थी, तब कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे. शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क कर दी थी. मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था.

मीडिया में अन्यत्र

वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा

गाजा में गत वर्ष 7 अक्टूबर को हमास-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ता विवाद वैश्विक स्थिरता और वृद्धि की निरंतरता के लिए खतरा उत्पन्न कर रहा है. ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक दूसरे के क्षेत्र में मिसाइल हमलों ने शत्रुता बढ़ा दी है. इस लड़ाई में ईरान की बढ़ती भूमिका ने गाजा युद्ध की छाप को इराक, सीरिया, लेबनान और पाकिस्तान तक विस्तारित कर दिया है. इस माह के आरंभ में ईरान-समर्थित इजरायल विरोधी यमन के हूती विद्रोहियों ने विश्व व्यापार को अस्थिर कर दिया. उन्होंने यूरोप-दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री मार्ग पर अप्रत्याशित हमले किए. वैश्विक व्यापार का 12 फीसदी इसी मार्ग से होता है. हमलों की वजह से नौवहन कंपनियों को अपने पोतों को लंबे रास्ते से भेजना पड़ रहा है, जिससे एक महीने से भी कम समय में उनकी लागत दोगुनी से अधिक बढ़ गई है. सप्ताहांत के दौरान इजरायल ने दमिश्क पर मिसाइल हमला किया, जिसमें तीन ईरानी रिवॉल्युशनरी गार्ड्स की जान चली गई, लेबनान में स्थित और ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह पर हुए हमले में भी एक व्यक्ति की जान चली गई. शनिवार को इराक में ईरान समर्थित समूहों ने एक अमेरिकी एयर बेस पर मिसाइल और रॉकेट हमले किए, जिसमें कई अमेरिकी घायल हो गए. कुछ गंभीर रूप से घायल हुए. संक्षेप में कहें तो इस क्षेत्र में खतरा बढ़ रहा है. समस्या के मूल में इस संघर्ष के प्रमुख कारकों की हठधर्मिता जिम्मेदार है. अक्टूबर में हमास के हमले के बाद गाजा में इजरायल ने जो प्रतिकार किया उसके शिकार आम नागरिक भी हुए. इस बात की संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया भर में आलोचना भी हुई. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन राजनीतिक रूप से कमजोर है, जिससे वह अधिक चरमपंथी तत्त्वों के समक्ष और कमजोर हुए हैं. इस तेजी से बदलती स्थिति में भारत ने पारंपरिक कूटनीतिक रुख कायम रखा. पाकिस्तान के बलूच इलाके में जैश अल अदल नामक आतंकी समूह के ठिकानों पर ईरान के मिसाइल हमले की आतंकवाद से आत्मरक्षा के रूप में उठाए गए कदम मानने की आधिकारिक प्रतिक्रिया भारत के आतंकवाद के खिलाफ रुख का ही समर्थन है. परंतु वैश्विक नौवहन के समक्ष उत्पन्न खतरे को अभी समाप्त किया जाना है. अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम की नौसेनाओं ने हूती ठिकानों पर हमला किया, लेकिन लगता नहीं कि इस मार्ग पर वैश्विक नौवहन जल्दी बहाल हो पाएगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

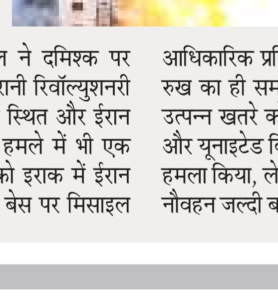

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भरना/भरनि/भरनी

मैंने मोटर चला दिया है. तुम्हें पानी भरना है तो भर लो, नहीं भरना है तो जाओ. इस बात में अगर किसी शब्द पर अधिक जोर दिया गया है तो वह है भरना. भरना शब्द का प्रयोग इसी प्रकार सकर्मक क्रिया के रूप में होता है. सकर्मक क्रिया उसे कहते हैं, जिसके साथ कर्म घनिष्ठता पूर्वक जुड़ा होता है. जैसे पानी भरना. यहां भरना क्रिया है और पानी कर्म. हिंदी शब्द सागर के अनुसार भरना का मतलब है किसी रिक्त पात्र में कोई पदार्थ इस प्रकार डालना, जिससे वह पूर्ण हो जाये, खाली जगह को पूरा करने के लिए कोई चीज डालना या रखना, पूर्ण करना, जैसे लोटे में पानी भरना, गड्ढे में मिट्टी भरना, गाड़ी में माल भरना, तकिए में रुई भरना, उड़ेलना, रिक्त स्थान को पूर्ण अथवा अंशतः पूर्ति करना, स्थान को खाली न रहने देना. जुलाहे नली में सूत भरते हैं, तस्वीर में रंग भर दिया जाता है. दो पदार्थों के बीच के खाली जगह को कुछ डालकर बंद करना, इस क्रिया में दो बात होती है. एक तो आप भर देते हैं और दूसरा भर जाता है. आप जो भर देते हैं वह सकर्मक क्रिया है और जो भर जाता है वह अकर्मक. अकर्मक क्रिया के रूप में भरना शब्द का अर्थ है किसी रिक्त पात्र का किसी पदार्थ पड़ने भर जाना. जैसे आपका पेट खाली था, लेकिन भोजन करने के बाद भर गया. इस भरना का मतलब है दो स्थानों के बीच का छिद्र या अवरोध का बंद हो जाना, कर्ज का खत्म हो जाना, जैसे कहते हैं-मैंने कर्ज भर दिया, चेचक के दानों का शरीर में निकल जाना. भरनि भी एक शब्द है, जिसका मतलब है पोशाक, कपड़े-लत्ते,. इससे मिलता जुलता शब्द है भरनी, जिसका अर्थ है करघे की ढरकी, नार, खेतों में बीज आदि बोने की क्रिया, खेतों में पानी देने की क्रिया, सिंचाई, छछूंदर, मोरनी, गारुड़ी मंत्र, एक प्रकार की जंगली बूट और भरणी नक्षत्र.

व्यक्तित्व की पहचान है मोबाइल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

एक मनोवैज्ञानिक हुए हैं, कार्ल युंग. उन्होंने वर्षों-वर्ष रिसर्च के बाद मनुष्य के दो प्रकार बताए, बहिर्मुखी और अंतर्मुखी. जो इनमें से किसी कोटि में नहीं आता, उसे उन्होंने उभयमुखी कह दिया. मानो बड़ी रियायत कर रहे हों. बहरहाल, आदमी के न जाने कितने रूप विद्वानों ने गिनाए पर कोई पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया. इधर एक शोध के अनुसार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों की कुछ किस्में परिंदों के नाम से परिभाषित की गई हैं. इसके अनुसार कुछ लोग "बतासी" कहे गए हैं जो बतासी पक्षी की तरह मोबाइल पर हर समय चहचहाते रहते हैं. लेकिन कुछ "घुग्घू" क़िस्म के लोग भी होते हैं जो मजबूरी की हालत में ही मोबाइल को हाथ लगाते हैं. "फाक्ता" क़िस्म के वे लोग हैं जो अमन-पसंद और तमीज़दार होते हैं. वे अपने मोबाइल का कभी दुरुपयोग नहीं करते पर जहां ज़रूरी होता है उसे इस्तेमाल किए बिना भी नहीं रहते. "गौरैया" क़िस्म के मोबाइली परिंदे जनसंपर्क बनाए रखने में विश्वास रखते हैं. चिड़िया (गौरैया) की तरह उनकी घर-घर पैठ होती है और इसे बनाए रखने के लिए उन्हें मोबाइल की आवश्यकता सदैव बनी रहती है. "तेलियर" पक्षी चिकना-चुपड़ा होता है और अपनी तेज़ आवाज़ के लिए जाना जाता है. जो लोग अपने मोबाइल पर चीखते चिल्लाते रहते हैं और आक्रामक भाषा का उपयोग करते हैं "तेलियर" की कोटि में आते हैं. मोबाइल परिंदों में एक क़िस्म "मोर" की भी है, ये लोग मोबाइल का इस्तेमाल मोर की खूबसूरत कलगी की तरह करते हैं. मोबाइल उनके शरीर पर कहीं न कहीं एक सुंदर पंख की तरह झलकता रहता है. अब ज़माना बहुत आगे बढ गया है. यह मोबाइल नहीं स्मार्ट-फोन का ज़माना है. क्या आप के पास आई-फोन, ब्लैकबेरी या एड्रायड में से कोई मोबाइल है? यदि नहीं है तो आपका शुमार व्यक्तित्व के धनी लोगों में हो ही नहीं सकता. हाल ही के एक अध्ययन में यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी है. अध्ययन के अनुसार आई-फोन इस्तेमाल करने वाले लोग काफी अधिक ख़र्चीले होते हैं. वे अपने व्यक्तित्व को लेकर बहुत सजग होते हैं. कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर खूब खर्च करते हैं. इनमें ब्लैकबेरी रखने वाले अपने रिश्तों को क़ायम रखने के प्रति काफी संजीदा होते हैं. उनका सामाजिक जीवन भी बेहतर होता है. अपने साथियों और दोस्तों के साथ उनके भावनात्मक संबंध रहते हैं. लेकिन ऐड्रायड फोन का उपयोग करने वाले अधिक औपचारिक होते हैं और शिष्टाचार भर निभाते हैं.

झारखंड में हुनर की कीमत और रोजगार की गारंटी नहीं

लोगों ने कहा

- बाहर जाकर काम करना हमारी मजबूरी है
- नियमित काम और उसके उचित पैसे नहीं मिलते

झारखंड में पलायन बड़ी समस्या बनती जा रही है. आने वाले दिनों में यह समस्या और भी विकराल रुप ले सकती है. इस समय न सिर्फ पढ़े-लिखे बल्कि मजदूरी करने वाले लोग बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों में जाकर काम कर रहे हैं. उनका कहना है कि दूसरे राज्यों में काम करना हमारी मजबूरी है. कौन चाहता है घर परिवार से दूर रहना. अगर राज्य में ही नियमित काम और उसके उचित पैसे मिल जाते तो बाहर क्यों काम करने जाते. अपनी पीड़ा साझा करते हुए वे कहते हैं कि यहां भविष्य की बहुत चिंता रहती है. हमलोगों को यहां भविष्य सुरक्षित नहीं लगता. राज्य सरकार भी इस दिशा में प्रयास नहीं कर रही है. सिर्फ मनरेगा के पैसे से काम नहीं चल सकता. अगर रोजगार सृजन होता रहे, फैक्ट्रियां लगती और चलती रहती तो बाहर काम करने क्यों जाते. गौर करने वाली बात यह है कि झारखंड में इस समय पढ़े-लिखे और मजदूर वर्ग के लिए सरकारी स्तर पर रोजगार की दिशा में कोई काम नहीं हो रहा है. दावे जरुर किए जाते हैं, पर वे धरातल पर नजर नहीं आते हैं. इस समय पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, चेन्नई, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में झारखंड के पुरुष और महिला मजदूर ईंट भट्ठों, फैक्टरियों, होटलों, दुकानों, खेतों तथा निजी घरों में बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

दूसरे राज्यों व महानगरों में बड़ी संख्या में काम करते हैं झारखंड के मजदूर

जमशेदपुर

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी कर रही हैं राज्य से पलायन

रोजगार की तलाश में पलायन का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है. हर रोज जिले के अलग-अलग जगहों से लोग रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं. इसमें अधिकतर गांव के युवा वर्ग शामिल है. इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी काम की तलाश में पलायन कर रही हैं. अपने क्षेत्र में काम न मिलना और काम के बदले कम पैसे मिलने से परेशान युवा दूसरे राज्यों में जाकर काम करना ज्यादा पसंद करते हैं. कई लोग आज भी आस में हैं कि उनके लिए सरकार कुछ बेहतर स्कीम लाएगी जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके.

कोई भी छोटा-मोटा काम करने को तैयार हैं : सन्नी

रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी का रहने वाला सन्नी कुमार साहू पढ़ाई खत्म करने के बाद पिछले कई दिनों से रोजगार की तलाश में है. लेकिन उसे अब तक कोई काम नहीं मिला. उसने अपने दोस्तों व रिश्तेदारों के माध्यम से भी काम की तलाश की ,लेकिन बात नहीं बनी. परेशान सन्नी अब किसी भी तरह का काम करने को तैयार है, फिर वो चाहे वह सिक्युरिटी गार्ड का काम हो या कोई निजी कंपनी में मजदूर का. सन्नी का कहना है कि सरकार उनके लिए कोई व्यवस्था करे ताकि उन्हें भी रोजगार मिले.

नौकरी के लिए इधर-उधर भटक रहा हूं : राहुल झा

बागबेड़ा गुदड़ी मार्केट निवासी राहुल कुमार झा के अनुसार उसके पास कोई स्थाई काम नहीं है. छोटी-मोटी नौकरी कर वह अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है. परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसके सिर पर है. छोटे भाई को पढ़ाने से लेकर घर का राशन तक उसे ही लाना पड़ता है. रोजगार का कोई बेहतर विकल्प नहीं होने के कारण उसे भविष्य को लेकर चिंता होती है. कई जगह नौकरी के लिए अप्लाई किया पर कोई सफलता नहीं मिली.

कर्ज लेकर शुरू किया था धंधा, डूब गया : सूरज

हरहरगुट्टू के सूरज शर्मा ने बताया कि उसने कर्ज लेकर अपना धंधा शुरू किया था, लेकिन वह भी डूब गया. इसके बाद अपने शहर में कई जगह नौकरी की तलाश की लेकिन नौकरी नहीं मिली. अब वह भी दूसरे राज्य में जाकर नौकरी करना चाहता है ताकि अच्छी कमाई हो सके और वह अपने घर-परिवार का सहारा बन सके. सूरज के अनुसार झारखंड में नौकरी नहीं मिलने की वजह से लोग बाहर जाने को मजबूर है.

झरिया

दूसरे राज्य में काम करने की मजबूरी : विपिन कुमार

चार नम्बर टैक्सी स्टैंड झरिया निवासी सुनील राम का 25 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार ने बताया कि मैं पिछले 9 वर्षों से झारखंड के बाहर काम करता आ रहा हूं. मैं आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में पिछले 9 वर्षों से बावर्ची का काम कर रहा हूं. मैंने जब काम शुरू किया था तो जिस काम के मुझे झरिया में 500 रुपये मिलते थे, उस काम का मुझे चेन्नई में 3500 रुपये मिलने लगे थे. इसके बाद मुझे मजबूरन न चाहते हुए भी दूसरे राज्य में काम करने के लिए जाना पड़ा. आज मैं विशाखापत्तनम के एक नामचीन होटल में बावर्ची का काम करता हूं. जहां मुझे होटल की ओर से खाने-पीने और रहने की व्यवस्था दी गई है. जहां 24 हजार रुपये महीने और महीने में चार दिन की छुट्टी मिलती है, यदि मैं छुट्टी में भी काम करूं तो मुझे चार दिन के ओवर टाइम के लिए 4 हजार रुपये मिल जाते हैं.

घर की स्थिति खराब थी बाहर जाना पड़ा : छोटू महतो

टीना गोदाम झरिया (धनबाद) निवासी स्वर्गीय ईश्वर महतो के पुत्र 22 वर्षीय छोटू महतो ने बताया कि वह तीन भाई व तीन बहनों में सबसे छोटा भाई है. छोटू महतो ने बताया कि बचपन में ही हमारे पिताजी ईश्वर महतो दिवंगत हो गए थे. इसके बाद घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई थी. घर मे मम्मी- भाई बहन सभी को खाने-पीने के लिए भी काफी दिक्कत होने लगी. इसके बाद हमें काम करने के लिए दूसरे राज्य का रास्ता चुनना पड़ा. इस दौरान हमने झरिया धनबाद में नौकरी की तलाश की, लेकिन नहीं मिल पाया. जिस कारण पिछले 5-6 वर्षों से मैं केरल के एक लोहा का सरिया बनाने वाली कंपनी में काम कर रहा हूं. क्योंकि मुझे घर में भी देखभाल करनी पड़ती है तो मैं 6 महीना केरल में काम करता हूं.

धनबाद

स्थायी नौकरी नहीं मिलने पर बाघमारा के युवा कर रहे पलायन

कोयलांचल के बाघमारा क्षेत्र में रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों में युवाओं का पलायन जारी है. युवाओं ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से अधिक खनिज झारखंड में है. इसके बाद भी इस राज्य में रोजगार की घोर कमी है. सरकारी विभागों में स्थाई नौकरी है नहीं, निजी कंपनियों में रोजगार है भी तो 10, 12 हजार से अधिक पगार नहीं है. व्यापार के लिए बैंकों से लोन लेने में चप्पल घीस जाता है, लेकिन लोन नहीं मिलता है. ऐसे में दूसरे राज्यों में पलायन के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है. दूसरे शहरों में मेहनताना भी अधिक मिलता है और समय पर मिलता है.

झारखंड में काम नहीं मिला, इसलिए बाहर गया मेरा बेटा : सीताराम साव

बाघमारा, हरिना निवासी चंदन कुमार साव (उम्र 20 वर्ष) के पिता सीताराम साव ने बताया कि मेरा बेटा अभी कोलकाता में एक निजी कम्पनी में सुपर वाइजर के पद पर कार्यरत हैं. झारखंड में काम नहीं मिला, इसलिए उसे बाहर भेजना पड़ा. स्थाई नौकरी तो यहां सपना हो गया है, निजी कंपनियों में काम मिल भी जाए तो पगार बहुत कम है, इसलिए बाहर जाना मजबूरी है. नहीं तो कोन अपना गांव घर छोड़कर बाहर जाना चाहता है.

धनबाद में कम पैसे मिलते थे, इसलिए बाहर काम करने चला गया: कुलदीप साव

विशाल कुमार साव (उम्र 26 वर्ष) के पिता कुलदीप साव ने बताया कि हमलोग मूल रूप से बगोदर के रहने वाले हैं. मेरा बेटा महाराष्ट्र के पुणे में टाटा मोटर कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं. अपने घर के आसपास काम तलाशने पर इतना कम पैसा मिल रहा था जिससे घर चलाना मुश्किल हो रहा था. जिस कारण बेटे को बाहर का रुख करना पड़ा. झारखंड में तो जिसको मौका मिला, सिर्फ अपना पेट भरने में जुट गया. यहां सबकुछ ठीक रहता तो बाहर बेटा क्यों जाता?

रोजगार के अभाव में पलायन कब रुकेगा, कब होंगे हमारे झारखंड के शहीदों के सपने साकार

राम कुमार पांडेय । कतरास

रोजगार की तलाश में बाघमारा प्रखंड के कतरास, बाघमारा, महुदा, तेतुलामारी,सोनारडीह, मधुबन, बरोरा सहित इलाके के गांव देहात ही नहीं बल्कि शहरों से भी लोग महानगरों की ओर पलायन करने को विवश हैं. गांव देहात शहर के कम पढ़े-लिखे लोगों के साथ पढ़े लिखे युवा भी बेरोजगारी के कारण रोजगार की तलाश में अपना घर बार छोड़कर दूसरे प्रदेश जा रहे हैं . इलाके में उद्योग कल कारखाना व रोजगार के संसाधन न होने से इलाके में रोजगार का संकट बना हुआ है .साथ ही कम मजदूरी और समय पर भुगतान न होना भी पलायन का कारण है. पलायन के सामने शासन प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मनरेगा सहित अन्य योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही है. लोग रोजी रोटी की की तलाश में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत, नागपुर, रायपुर, हैदराबाद सहित अन्य महानगरों की ओर रोजाना पलायन कर रहे हैं. बावजूद इलाके के विधायक, सांसद इस पलायन को रोकने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पा रहे हैं. जानकारी के अनुसार बाघमारा प्रखंड का एक भी इलाका अछूत नहीं है, जहां से लोग रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेश नहीं जा रहें हैं.

सवाल यह है कि जिस सपनों के साथ झारखंड के शहीदों ने एक बड़ी लड़ाई लड़ कर झारखंड को राज्य का दर्जा दिलाया. झारखंड स्थापना के दो दशक से अधिक समय बीत गए, लेकिन आज भी झारखंड के लोग रोजगार के तलाश में दूसरे प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं. इस स्थिति में आखिर शहीदों के सपनों को कैसे पूरा किया जा सकता है. इस दिशा में राज्य सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक को गंभीरता से चिंतन करने की जरुरत है.ताकि पलायन रुके और लोगों को अपने राज्य में ही रोजगार के साधन उपलब्ध हो सके.

कतरास

खर्च चलाने के लिए सिर्फ पलायन ही एक रास्ता है : उज्ज्वल कुमार

कतरास सलेक्ट निवासी उज्ज्वल कुमार ने कहा कि जब वहां रोजगार नहीं मिला तो मजबूरी में अपना गांव घर परिवार छोड़ कर सूरत आना पड़ा. सूरत आमरोली में रहकर मैं वहां मजदूरी का काम कर रहा हूं . वहांसतो रोजगार जरुर मिला,पर हर हमेशा अपने घर परिवार की याद सताती रहती है .यहां बिलकुल अकेलापन महसूस होता है .लेकिन कर भी क्या सकते हैं. घर परिवार का खर्च चलाने के लिए पलायन ही एक रास्ता मेरे पास बचा था.

अपने प्रदेश में रोजगार मिलता तो बाहर क्यों जाते हम : रवि राम

कतरास रवि राम सूरत में रहकर दैनिक मजदूरी का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि रोजी रोटी की तलाश में सूरत जाना पड़ा. अगर हमें अपने प्रदेश में ही रोजगार मिल जाता तो इतनी दूर घर परिवार को छोड़कर दूसरे प्रदेश क्यों जाते .नेताओं को सिर्फ हमलोगो के वोट से मतलब है .वोट के समय नेता दरवाजे पर आकर वोट मांगते हैं ओर जीत जाने पर रोजगार देने का बात जरूर करते हैं . लेकिन वोट ख़त्म होते ही नेताओं के दर्शन नहीं होते हैं.

मजदूरी कर किसी तरह घर-परिवार की गाड़ी खींच रहे हैं : शोभा देवी

कतरास निवासी शोभा देवी ने कहा कि बेरोजगारी के कारण मेरे पति सुंदर साव घर परिवार छोड़ कर करीब दस वर्षों से गुजरात में रह कर काम कर रहे हैं .जब उसके कमाई से घर का काम नहीं चलने लगा तो मजबूरी में दो वर्ष पूर्व अपने बेटा राजू कुमार को काम करने सूरत भेज दिए . बाप बेटा प्रदेश में रहकर दिन रात मेहनत मजदूरी कर किसी तरह घर की गाड़ी खींच रहे थे .अगर यहां रोजगार उपलब्ध होता तो उनलोगो को अपने राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ता.

मेदिनीनगर

उचित मजदूरी नहीं मिलती इसलिए बाहर जाते हैं: रविंद्र

रविंद्र कुमार हुसैनाबाद के रहने वाले हैं. वह हाल भी में कर्नाटक के मालखेड़ में काम कर पलामू स्थित अपने घर कर लौटे हैं. इनका कहना है कि हम लोगों को घर पर ही कि रोजगार मिले तो बाहर क्यों जाएंगे. हम लोग की जाकर क्यों काम करेंगे. बाहर जाकर काम करना. झारखंड में उद्योग धंधे नहीं लग रहे हैं. जिससे हम जैसे युवा बेरोजगार हैं. अगर हम लोग बाहर के प्रदेशों में जाकर काम नहीं करेंगे, तो परिवार का भरण पोषण कैसे होगा. साथ ही हम लोग को झारखंड में अपने हुनर की उचित कीमत नहीं मिल पाती है. वैसे भी यहां हर दिन मजदूरी नहीं मिलती है. इसलिए हम लोग बाहर के प्रदेशों में जाकर काम करते हैं . ताकि हम लोग के परिवार का भरण पोषण ठीक से हो सके. हम लोग भी चाहते हैं कि झारखंड की धरती पर ही अपने घर के नजदीकी कम करें. ताकि अपने परिवार के साथ ही रहे और यहां काम करें. लेकिन हम लोगों को झारखंड में रोजगार के साथ-साथ उचित मजदूरी नहीं मिलती है. यही कारण है कि हम लोग इतनी दूर जाकर काम करते हैं.

हजारीबाग

दिल्ली रहकर मजदूरी करते हैं अच्छी कमाई है : अमित कुमार

सदर प्रखंड के ओरिया निवासी अमित कुमार ने बताया कि दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं .जहां 500 से लेकर 800 रुपए तक प्रत्येक दिन की कमाई होती है. ऐसे में अपने जिला में रहना तो चाहते हैं पर पैसा कम मिलता है. 300 रुपया मजदूरी मिलती है. हर दिन काम भी नहीं मिलता है .यहां तक कि मनरेगा की मजदूरी भी कम है. इसलिए दिल्ली में रहते हैं. राज्य सरकार को रोजगार देने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए. उनका यह भी करना है कि शहर में कल- कारखाने भी नहीं लगे हैं. जहां काम करने का मौका मिले . इसे देखते हुए पलायन करना मजबूरी हो जाता है.

यहां नौकरी नहीं, मुंबई में टैक्सी चलाते हैं : दिलीप राम

दिलीप राम ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से बहुत तंगी रहती है. हजारीबाग शहर में 4000 से 5000 की नौकरी मिलती है. ऐसे में पांच लोगों के परिवार को चलाना मुश्किल है. इसके लिए मुंबई में जाकर टैक्सी चलाते हैं. जहां अच्छी कमाई होती है .पूरे परिवार का भरन पोषण अच्छे से हो जाता है. उनका यह भी कहना है कि अगर अपने घर गांव में रोजगार मिल जाए तो पलायन करने की आवश्यकता नहीं होगी. शहर में महीने भर काम करने के बाद भी वेतन भुगतान करने के समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. वेतन भी कम रहता है. हजारीबाग शहर की बात की जाए तो रोजगार का कोई दूसरा साधन भी नहीं है. ऐसे में पलायन करना मजदूरों की मजबूरी है.

झारखंड सरकार रोजगार मुहैया कराने में उदासीन : इसरायल

चौपारण के भदेल निवासी इसरायल ने बताया कि झारखंड सरकार को मजदूरों के हित में रोजगार मुहैया कराई जाने में उदासीन है .अपने यहां रोजगार के साधन नहीं रहने के कारण अपना ओर अपने परिवार के जीविकोपार्जन के लिए मजदूरों को दूसरे प्रदेश जाकर रोजीरोटी के लिए परिवार से अलग बाहर जाना पड़ता है. झारखंड मे हम मजदूरों को रोजगार के लिये काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. रोजगार और उचित साधन नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है. सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. योजना का लाभ लेने के बावजूद भी क्षेत्र में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है अगर दुकान भी खोली जाती है तो उचित कमाई नहीं हो पाती है और बोझ बढ़ता चला जाता है. वहीं प्रदेश में रोजगार की कमी नहीं है और वेतन भुगतान भी अच्छा हो जाता है .

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन प्राप्ति सुगम होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. निवेश, यात्रा व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे.

वृषभ निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

मिथुन समय अच्छा है. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है.

कर्क पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. उतार-चढ़ाव बना रहेगा. राहु को शांत करने का प्रयास करें.

सिंह उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. आपके थोड़े ही प्रयास से भाग्य का साथ मिलेगा. प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी. घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी.

कन्या पिता के सहयोग में कार्य में लाभ होगा और इसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. भाई-बंधुओं का सहयोग प्राप्त होगा.

तुला भाग्य का साथ मिलेगा. तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी. कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं.

वृश्चिक कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा. अतिविश्वास हानि देगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु मित्रों व संबंधियों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें.

कुंभ परीक्षा व प्रतियोगिता में लाभ की स्थिति निर्मित होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी.

मीन समय सामान्य है. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. सुख में कुछ कमी होगा. अन्न का दान करें.

दिन के उजाले में चुरी से मानकी तक रोज सैकड़ों ट्रैक्टर ढो रहे हैं अवैध बालू

सपही नदी से धड़ल्ले से जारी है बालू का उठाव

संवाददाता। डकरा

नहीं हो रही है कोई कार्रवाई

खलारी पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र की जीवनरेखा कही जाने वाली सपही नदी का दोहन बालू माफिया दिनदहाड़े बेखौफ कर रहे हैं.सपही नदी में राय से लेकर मानकी तक पुलिस व प्रशासन के भय से बेखौफ होकर बालू माफिया प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर के माध्यम से नदी का सीना चीरकर बालू की तस्करी में लगे हुए हैं. ऐसा नहीं है कि ये सब चोरी छिपे हो रहा है बल्कि मुख्य सड़क से चुरी होकर जाने पर चुरी पुल से ही आपको दर्जनों ट्रैक्टर का झुंड बालू लोड करते दिख जाएगा. ऐसा नहीं है कि खलारी पुलिस इनपर दबिश नहीं डालती है लेकिन बालू तस्करों द्वारा पुलिस की आवाजाही पर नजर रखने के लिए कई जगहों पर लड़कों को तैनात किया जाता है. ट्रैक्टर निकलते समय उन्हें बताया जाता है कि इस रूट पर अभी पुलिस नहीं है तब धड़ाधड़ नदी से ट्रैक्टर निकलना शुरू हो जाता है.

सपही नदी से बालू माफियाओं द्वारा बेधड़क बालू निकालने की वजह से नदी का प्राकृतिक संतुलन गड़बड़ा गया है. इसके फलस्वरूप क्षेत्र में जलापूर्ति के लिए बनाए गए इंटकवेल सूख रहे हैं. जानकारों मानना है कि अगर सपही नदी से बालू के खनन पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो क्षेत्र के मानकी, चुरी, राय, बचरा, पुरनी राय, बमने सहित कई बड़े आवासीय क्षेत्रों में जलसंकट पैदा हो जाएगा.

ग्रामीण अंचल में धूमधाम से मनायी गयी नेता जी की जयंती

स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दिये थे नेताजी : आर आर झा

संवाददाता। पिपरवार

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वी जयंती डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शौर्य दिवस को रूप में मनायी गयी . इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन झा ,वरिष्ठ शिक्षक आर बी प्रसाद , ए डी यादव ने संयुक्त रूप भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर दीप प्रज्जवलित और माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन झा ने कहा कि नेताजी का जन्म दिवस पराक्रम (शौर्य) दिवस के रूप में मनाया जाता है . इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक सायंतन भट्टाचार्य ने भी नेताजी के जीवन पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन कर बच्चों को नेताजी के जीवन से अवगत कराया साथ ही विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भी नेताजी के जीवनी पर प्रकाश डाला .

नेताजी की जीवनी से प्रेरणा ले युवा: चौधरी

बुढ़मू। झारखंड युवा विकास मंच संस्था के तत्वावधान में मंगलवार को संस्था का 21वां स्थापना दिवस सह नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती समारोह का आयोजन बुढ़मू प्रखंड के हेसलपिरी गांव में मनाया गया . कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, केंद्रीय कुर्मी विकास परिषद के अध्यक्ष रणधीर चौधरी,मुखिया कुशेन्द्र पाहन,पंसस गौरव कुमार ने किया . मौके पर पूर्व सांसद ने कहा कि नेताजी के बताए मार्गों पर चलकर ही हम एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं .

मांडर में नेता जी जयंती मनायी गयी

मांडर। प्रखंड स्थित कंदरी मोड़ मांडर में दयायनंद आर्या पब्लिक स्कूल में मंगलवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती गौरव के साथ मनाई गई .इस दिन को मनाने के लिए एक विशेष सभा का आयोजन किया गया . इस अवसर पर अवसर पर स्कूल के निर्देशक राजेश प्रसाद दत ने छात्रों को भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से कुछ प्रेरणा लेने की संदेश दिया .

राहे प्रखंड क्षेत्र में सुभाषचंद्र बोस की मनायी गयी

सोनाहातू/राहे। सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया . राहे प्रखंड के कोटांगदाग गांव में सुभाष चंद्र के प्रतिमा पर विधायक सुदेश महतो ने माल्यार्पण कर पराक्रम दिवस को मनाया . इस अवसर पर प्रतिमा परिसर पर सुभाष मेला का आयोजन किया गया .मौके पर प्रभारी संजय सिद्धार्थ सहित मेला कमेटी के सदस्य मौजूद थे . राहे सुभाष चौक परिसर में शिक्षा विकास समिति के तत्वावधान में सुभाष प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया .

बर्लिन पब्लिक स्कूल में नेता जी की जयंती मनायी गयी

ओरमांझी। कांके रोड स्थित बर्लिन पब्लिक स्कूल में मंगलवार को राष्ट्रीय आंदोलन के पराक्रमी नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वी जयंती शौर्य दिवस के रूप में मनाई गई .इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक डॉ बिरसा उरांव ने नेताजी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किये .विद्यालय के सचिव मनोज उरांव, प्राचार्य सत्येंद्र सिंह,अरविंद सिंह, देवेश कुमार अशोक तिगा,बिनय कुमार रितु कुमारी, सबीता , आनंद नायक, शमा , नीतिका, सुनेना, स्नेहलता आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी उपस्थित थे .

डीएवी में मनायी गयी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

डकरा। डीएवी पब्लिक स्कूल खलारी में मंगलवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया .इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलेश कुमार ने वरिष्ठ शिक्षकों के साथ संयुक्त रूप से नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित किया . इस दौरान आयोजित विशेष प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि हम अपने महान नेताओं के गुणों को आत्मसात करें .इस अवसर पर विद्यार्थियों को विद्यालय के हिंदी शिक्षक कुलदीप शर्मा ने भी संबोधित किया .

बनो और बनाओ मंच ने मनाया नेताजी की जयंती

नामकुम। बनो और बनाओ के सदाबहार चौक स्थित प्रधान कार्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती मनाई गई . इस मौके पर मुख्य अतिथि में भाजपा के युवा नेता सह जिप सदस्य राम अवतार केरकेट्टा, संस्था के संस्थापक सह अध्यक्ष रामाधार सिंह व सचिव अखिलेश यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि युवाओं को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बताएं मार्ग पर चलने की जरूरत है .इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के नेता मुन्ना बड़ाईक, अशोक यादव, नीरज यादव, अरविंद सिंह, शैलेंद्र ठाकुर, शत्रुघ्न तिवारी, मसद प्रसाद, अरुण सहित पदाधिकारी मौजूद थे .

न्यूज अपडेट

उप प्रमुख ने जन्मदिन पर किया कंबल वितरण

कांके। कांके प्रखंड के उप प्रमुख अंजय बैठा ने अपना 40वां जन्मदिन अपने आवास में जरूरतमंद लोगों के बीच लगभग 200 कंबल वितरण का वितरण् किया. उप प्रमुख ने अपने परिजनों और शुभचिंतकों के साथ केक भी काटा. मौके पर जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल टाईगर ,प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा,कांग्रेस नेता सुरेश बैठा,अंचलाधिकारी जय कुमार राम, भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश नेता कमलेश राम, विधायक प्रतिनिधि प्रभात भूषण, राजकुमार महतो, प्रशांत बैठा शामिल थे.

नये मतदाताओं को किया जायेगा जागरूक :रिधिराज

कांके। कांके विधानसभा के होचर रिंगरोड कान्हा में रांची ग्रामीण की बैठक हुई. जिसमें 25 जनवरी को आशीर्वाद बेंक्वेट हॉल में नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. बैठक में अयोजन की रूपरेखा तय की गयी.बैठक में मुख्य रूप से कांके विधानसभा प्रभारी रिधिराज .कार्यक्रम संयोजक रंजन कुमार.सह संयोजक संजीत सिंह.संजय साहु. शत्रुधन साहु.जिला युवा मोर्चा के पदाधिकारी ओर मंडल अध्यक्ष ओर महामंत्री शामिल हुए.

101 लाभुकों को गैस चूल्हा एवं सिलेंडर दिया गया

सिल्ली/मुरी। उज्जवला गैस योजना के तहत सिल्ली स्टेडियम परिसर में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो के द्वारा 101 लाभुकों को राजप्रिया गैस एजेंसी के तहत सिलेंडर एवं चूल्हा का वितरण किया गया. जिसमें सिल्ली प्रखंड के विभिन्न गांव से आए हुए लाभुकों को उज्ज्वला योजना का लाभ मिला. विधायक सुदेश कुमार महतो ने लाभुको को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार का उज्जवला गैस योजना का लाभ से एक भी लाभुक वंचित न रहे इसका लाभ हर घर को मिले ताकि महिलाओं को लकड़ी के चूल्हा से छुटकारा मिल पाए साथी साथ जो छूटे हुए गांव है उनको भी चैन करके इसका लाभ दें.

जंगली हाथी के हमले से मनोरंजन महतो की हुई मौत

सोनाहातू। प्रखंड के हारिन गांव में मंगलवार सुबह 6 बजे मनोरंजन महतो को हाथी ने कुचल दिया है. घायल स्थिति में रिम्स भेजा गया. जहां इलाज के दौरान मौत हो गया है. इधर मौत की सूचना पर रेंजर अमरनाथ भगत रिम्स पहुंच कर परिजन को मुआवजा की अग्रिम राशि 60 हजार दिये. घटना के सम्बंध में ग्रामीणों ने बताया कि सुबह 6 बजे मनोरंजन घर से शौच के लिये खेत में गया था. इस दौरान उसे हाथी दिख गया. मोबाइल फोन से हाथी होने की सूचना ग्रामीणों को दे रहा था इसी दौरान पीछे से एक हाथी हमला कर दिया और कुचल दिया. हो-हल्ला के बाद हाथी भाग गये. ग्रामीणों ने तत्काल इलाज के लिये रिम्स भेजा. रिम्स में इलाज के दौरान इसका मौत हो गया. व्यक्ति के मौत से ग्रामीण काफी आक्रोशित है.

बाघवार अकादमी ने संत माइकल को सात विकेट से हराया

चान्हो। वेंचर स्किल अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत रांची में मंगलवार को खेले गए लीग मैच में बाघवार क्रिकेट अकादमी की टीम ने संत माइकल स्कूल की टीम को एक तरफा मुकाबले में सात विकेट से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. टॉस जीतकर बाघवार अकादमी की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया. इस टीम के गेंदबाजों ने अपने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए संत माइकल को 27 ओवर में सभी विकेट लेते हुए 158 रनों पर रोक दिया.संत माइकल टीम के कप्तान हर्षित वर्मा ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 53 रनों का योगदान दिया.गेंदबाजी में बाघवार अकादमी के खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी शानदार रहा. इस टीम के गेंदबाज जियाउल हक ने अपनी टीम के लिए पांच ओवरों में 30 रन देकर दो विकेट प्राप्त किया. हर्षित नयन ने 6 ओवर में 27 रन देकर दो विकेट प्राप्त किया तथा हिमांशु महली ने 6 ओवर में 37 रन देकर दो विकेट प्राप्त किया . गेंदबाजी की तरह बल्लेबाजी मे भी बाघवार अकादमी के खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी शानदार रहा 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम के बल्लेबाज हर्षित नयन ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 44 रन बनाए.

बंद मकान से एक माह में दूसरी बार चोरी

इटकी। थाना क्षेत्र के मकुन्दा गांव में विधवा ललिता देवी के बंद मकान में एक महीने में दूसरी बार चोरी की घटना को अंजाम दिया गया.पिछले 31 दिसंबर को चोरों ने घर में नगदी व जेवरात मिलाकर लगभग दो लाख की चोरी किया था वहीं 22 जनवरी की रात पुनः घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया जिसमें चोरों ने कांसा,पीतल के वर्तन,दो गैस सिलेंडर, इंडक्शन चूल्हा एवं पूजास्थल पर रखे चांदी की लक्ष्मी गणेश की प्रतिमा वाले पांच सिक्कों में हाथ साफ किया.चोरों ने इस बार लगभग पचास हजार रुपये मूल्य की संपत्ति पर हाथ साफ किया .एक महीने के भीतर एक ही घर में चोरी की दूसरी घटना को अंजाम देकर जहां चोरों ने पुलिस को चुनौती दिया है.चोरी की घटना को लेकर पीड़िता ललिता देवी ने थाना में आवेदन देकर गांव के ही दागी रितिक तिवारी पर शक जाहिर किया है.31 दिसंबर को हुई चोरी के मामले में इटकी थानेदार ने भी रितिक तिवारी पर शक जाहिर किया था.वह हाल कुछ माह पूर्व ही तार चोरी के मामले में जेल से निकला है,परंतु पुलिस ने उससे पूछताछ करने की जरूरत नहीं समझा.

बेड़ो के बंजारा गांव में हाथी ने एक घर को तोड़ा

बेड़ो। बेडो प्रखंड के जामटोली पंचायत के महरु बंजारा गांव में जंगली हाथी ने सोमवार की रात करीब 11 बजे खद्दी धान का कच्चा मकान को ध्वस्त कर दिया. ग्रामीणों ने बताया कि एक विशालकाय जंगली हाथी इस गांव में अचानक आ धमका. इसके बाद उसने एक घर को ढहा दिया. वहीं घर पर सोए अन्य लोग किसी तरह जान बचाने में सफल रहे. वहीं घटना की सूचना पाते ही मुखिया लक्ष्मी कोया ने गांव पहुंचकर स्थिति का मुआयना किया. उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया.

पिकअप और ऑटो की टक्कर, एक घायल, रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के रांची गुमला मुख्य मार्ग पर मंगलवार की रात लगभग साढ़े सात बजे पूरना पानी मोड़ के समीप पिकअप और मालवाहक ऑटो की आमने सामने टक्कर से ऑटो चालक ब्रम्बे पाली गांव निवासी सरफराज अंसारी पिता शाहबुद्दीन अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसे बेड़ो थाना पुलिस के एएसआई अक्षय सिंह ने ग्रामीणों के सहयोग से बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां डा काजोल ने घायल चालक का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया. घायल चालक ने बताया कि वह गुमला से आ रहा था और अपने घर जा रहा था.

कार और बाइक में हुई टक्कर,तीन युवक घायल

पिपरवार। पिपरवार थाना क्षेत्र के बचरा क्षेत्रीय अस्पताल के समीप पंचवटी मोड़ के पास बीती रात कार और बाइक में जोरदार टक्कर होने से बाइक सवार तीन युवक घायल हो गये.घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तीनों को बचरा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया,जहां तीनों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया है.घायलों की पहचान विकास और युवराज ग्राम बचरा बस्ती थाना पिपरवार के रूप मे की गई है. तीनों युवक पल्सर बाइक में सवार होकर बचरा बाजारटांड़ की ओर से तेज रफ्तार से आ रहा था, इसी बीच पंचवटी मोड़ के पास वैगन आर कार से जोरदार टक्कर हो गई.घटना के बाद तीनों युवक सड़क पर गिर गया.

पेज 01 का शेष

20 लाख लोगों को अबुआ...

इसमें आठ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया था. इसकी सूची पोर्टल में भी अपलोड कर दी गई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने गरीबों का आवास स्वीकृत नहीं किया. इसलिए राज्य सरकार ने अपने दम पर अबुआ आवास बनाने का फैसला लिया.

राम मंदिर के नाम पर ...

राहुल गांधी का कहना था कि कि सीएम हिमंत विश्व शर्मा के धमकाने वाले कदमों से वह डरने वाले नहीं हैं. यह पूछे जाने पर कि राम लहर का मुकाबला करने के लिए उनके पास क्या योजना है, तो कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है कि लहर है. यह भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम था. मोदी जी ने फंक्शन किया, शो किया. वो सब ठीक है, अच्छी बात है.

कांग्रेस का चुनाव को लेकर एजेंडा तैयार.....

राहुल ने बताया, हमारी न्याय की लड़ाई के 5 स्तंभ हैं. युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न्याय. ये वे पांच न्याय हैं जो मुट्ठी बन कर देश की ताकत बनेंगे और हमारी भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के समक्ष इस वैकल्पिक विजन को रखने का माध्यम है. वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 10वें दिन गुवाहाटी के पास राहुल गांधी ने न्याय के पांच स्तंभ बताए. इनमें से हर एक को कार्ययोजना के साथ अगले कुछ हफ़्तों में देश के सामने पेश किया जाएगा.

राहुल गांधी एफआईआर को लेकर क्या बोले.....

असम में एफआईआर के आदेश पर राहुल गांधी ने कहा कि इससे हमें फायदा हो रहा है. उन्होंने कहा, 'असम के सीएम जो कर रहे हैं उससे यात्रा को फायदा मिल रहा है. हमारा प्रचार हो रहा है. इस तरह सीएम और गृह मंत्री अमित शाह हमारी मदद कर रहे हैं. ये डराने की कोशिश है, लेकिन डरने वाले नहीं है. लोग बोल रहे हैं कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा गुवाहाटी में जा सकते हैं, तो राहुल गांधी क्यों नहीं जा सकते?' राहुल गांधी ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं. यहां काफी बेरोजगारी है.

गणतंत्र दिवस में भाग लेने झारखंड के 21 योग प्रशिक्षक दिल्ली रवाना

संवाददाता। रांची

आयुष मंत्रालय ने झारखंड के 21 योग प्रशिक्षकों का चयन 26 जनवरी गणतंत्र दिवस में विशिष्ट अतिथि के रूप में किया है. इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी 21 प्रशिक्षक दिल्ली रवाना हुए. झारखंड के हर जिले से योग प्रशिक्षकों का चयन किया गया है. आयुष निदेशालय झारखंड सरकार की निदेशक सीमा कुमारी उदयपुरी ने एचङब्ल्यूसी का नोडल अफसर दिवाकर कुमार झा को नियुक्त किया. योग प्रशिक्षक, डॉ अर्चना कुमारी की देखरेख में सभी दिल्ली रवाना हुए. पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड में योग को स्थान दिया है.

भाग लेने वाले योग प्रशिक्षक

पूनम तिवारी-बोकारो, शौर्या कुमारी-चतरा, अनोज कुमार-देवघर, बिनय पंडित-धनबाद, संतोष गोस्वामी-दुमका, शशि कुमार चौधरी-गढ़वा, आनंद कुमार वर्मा-गिरिडीह, प्रियंका कुमारी-गोड्डा, तुलसी साहू-गुमला, संजीव कुमार सिंह-हजारीबाग, रंजीत प्रसाद यादव-जामताड़ा, नमित नाग-खूंटी, सुषमा सुमन-कोडरमा, घनश्याम यादव-लातेहार, प्रसेनजीत राजबंशी-पाकुड़, पवन कुमार गुप्ता-पलामू, धनराज सिंह-रामगढ़, डॉ अर्चना कुमारी-रांची, नीलरतन खान-सरायकेला, दिव्येन्द्र कुमार प्रसाद-सिमडेगा, दीपक पासवान-पश्चिमी सिंहभूम.

उलगड़ा व मालगो गांव में लगी आग, हजारों का सामान जला

संवाददाता। लापुंग

लापुंग के उलगड़ा और मालगो गांव में भीषण आग लगने से हजारों की सम्पति जल कर राख हो गई. उलगाडा. गांव में सोमवार की रात भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में सभी मग्न थे कि इस हादसे में उस परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ गया . लेकिन किसी तरह की जान माल का नुकसान नहीं उठाना पड़ा. उलगाडा. गांव में देर शाम में धरम सिंह पिता छेदी सिंह के घर में बाहर उनके बच्चे उत्सव मना रहे थे. इसी क्रम में आतिशबाजी के दौरान पक्के मकान के छत के ऊपर रखे पुआल की ढेर में आग लग गई . आग की चपेट में आकर पुआल में भीषण आग लग गई. पुआल धधक उठा. पक्के मकान से सटे खपरैल घर में भी आग लग गई . पूरे मकान का छत की लकड़ी और सामान जलकर राख हो गया. जबकि पक्के मकान में भी क्षति पहुंची है. घर में धरम सिंह की पत्नी कमला देवी , बेटी अंजली कुमारी, आंचल कुमारी और बेटा अरविंद कुमार सिंह मिलकर उत्सव मना रहे थे. तभी आतिशबाजी के कारण यह घटना घटी. पुराना खपरैल वाला घर जल कर राख हो गया . गांव के समाज से भी लखन सिंह, छेदी सिंह, अवधेश सिंह, राजेश सिंह दीपक कुमार सिंह तथा शुभम कुमार सिंह ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. वहीं दूसरी ओर मलगो गांव मे कृष्ण साहू का एक छोटा सा ढाबा था जो देर रात जल गया . इसमे आशंका व्यक्त किया बिजली के शार्ट शर्किट से आग लगने की संभावना व्यक्त किया जा रहा है.

खास बातें

- उलगाडा.में आतिशबाज़ी के कारण लगी आग
- मालगो में शॉर्ट सर्किट की संभावना

इतिहास के झरोखे से मजबूत होती गयी रांची में ऑल चर्च कमेटी, आयोजित किये जाते रहे अनेक कार्यक्रम

61 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह

जयंती कच्छप । रांची

ऑल चर्च कमेटी रांची (सर्व कलीसियायी समिति रांची) के तत्वावधान में 61 वर्ष पूर्व ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह प्रारंभ हुआ. ऑल चर्च कमेटी का रांची में 1969 में गठन हुआ. इससे पूर्व इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट (आईएसआई) नई दिल्ली ने एक सर्वे कराया, जिसे "दि छोटानागपुर सर्वे " कहा गया. सर्वे के लिए छोटानागपुर की कलीसियाओं की मदद ली गई. सर्वे में मुख्य भूमिका निभाने वालों में शामिल थे फादर तुअने, जेटेलिस नायक, फादर माइकल. एक मीटिंग झारखंड के मांडर में रखी गई, जिसमें आर्च बिशप पीयूष केरकेट्टा, बिशप सअबि दिलबर हंस व बिशप निर्मल मिंज शामिल थे. फलस्वरूप विकास मैत्री नामक संस्था की स्थापना हुई, जिनमें छोटानागपुर के लोगों के विकास के कार्य पूरा किये गये. इसी दौरान 1962 में 18 जनवरी से 25 जनवरी तक रांची के विभिन्न मसीही वर्ग एक स्थान पर एकत्रित हुए.

सबसे पहले यह सभा रांची के संत अलर्बट कॉलेज सेमिनरी प्रांगण में हुई. इसी सभा में ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह प्रारंभ किया गया. इसके बाद एक सप्ताह के अंतराल में विभिन्न स्थानों पर सभाएं आयोजित की जाने लगीं. इन आयोजनों का फादर वान्डेन माइकल बोगार्ट यांस ने नेतृत्व किया. बाद में कुछ कारणवश दस सालों तक एकता प्रार्थना बंद हो गयी थी, पर कलीसिया अपने स्थान पर एकता सप्ताह पर प्रार्थना करते रहे. दोबारा से 1995 से इसमें गति आई और अब तक जारी है. रांची वाईएमसीए के महासचिव नित्यानन्द नायक ने एकता सप्ताह के आयोजन में अपना भरपूर योगदान दिया.

वाईएमसीए की 25वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम

16 जनवरी 1994 को वाईएमसीए की 25वीं वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रम हुए . जिसमें सभी कलीसियाओं ने योगदान दिया . इस अवसर पर रांची के संत पॉल महागिरजा बहुबाजार में धन्यवादी प्रभु भोज की आराधना हुई . कलीसिया के लगभग चार हजार की संख्या में उपस्थित थे . एक मेघोडिस्ट पास्टर रेव्ह . तानची कियोंग, वाईएमसीए एशिया अलायंस एवं पैसेफिक अलायंस, डोंग् कॉग के महासचिव ने प्रभु का संदेश दिया . आर्चबिशप तेलेस्फोर पी . टोप्पो ने आशीर्वाद वचन दिया . इसमें नित्यानन्द नायक एवं फादर जोस डिकायपर की भूमिका रही .

वाईएमसीए नॉर्वे के गायक दल का रांची आगमन हुआ था

नवंबर 1998 में गोस्सनर इवेंजेलिकल लूथेरान कलीसिया की 150वीं जयंती का आयोजन हुआ, जिसमें नॉर्वे वाईएमसीए के गायक दल ने भाग लिया . गुड न्यूज फेस्टीवल का आयोजन नवंबर 1998 में किया गया, जिसमें बिली ग्राहम टीम के डॉ .अकबर हक्क मुख्य वक्ता थे . वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल के रेव्ह . डॉ . सैम कमलेसन कई बार रांची आए, जब उन्होंने इस प्रकार की आत्मिक जागृति और खीस्तीय अगुवाओं के सम्मेलन को संबोधित किया . इसका आयोजन एसीसीआर और ईएफआई की ओर से किया गया था .

Her Story

डॉ श्वेता लाल
स्त्री रोग विशेषज्ञ

बर्थ डिफेक्ट अवेयरनेस मंथ

साल की पहला महीना हम उस जागरुकता के नाम समर्पित करते हैं जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और खुशहाल रहे. जी हां जनवरी माह बर्थ डिफेक्ट अवेयरनेस मंथ के नाम से भी जाना जाता है. इस साल इसकी थीम है -एवरी जर्नी मैटर्स. हर साल लगभग 8 मिलियन बच्चे जन्मजात विकारों (बर्थ डिफेक्ट) के साथ जन्म लेते हैं. तमाम प्रेग्नेंसी में करीब 7 प्रतिशत मामले ऐसे होते हैं जब गर्भावस्था में बच्चों में बर्थ डिफेक्ट्स हो जाते हैं. आइए जाने कि क्यों होते हैं बर्थ डिफेक्ट और इनसे कैसे बचा जा सकता है.

गोद में खुशियां

गर्भ में कोई नन्हीं सी जान आकार ले रही यह अहसास भावी मां के लिए कितना सुखद है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है. नौ महीने का सफर मां के लिए जिंदगी का सबसे यादगार पल होता है. तमाम तकलीफों के बाद भी सबसे खुशनुमा. गोद में जब नन्हा शिशु आता है तो दर्द बिसरा कर आंचल भींग जाता है. लेकिन तब या कुछ समय बाद पता चलता है कि शिशु किसी जन्मजात रोग यानी बर्थ डिफेक्ट से पीड़ित है तो वह दर्द मिटाए नहीं मिटता.

क्या है बर्थ डिफेक्ट

बर्थ डिफेक्ट्स का मतलब है गर्भस्थ शिशु के विकास में कुछ असामान्यताएं होना. कई बार इसकी पहचान प्रेग्नेंसी के दौरान ही हो जाती है तो कई बार बच्चे के जन्म के एक-दो साल में इस बात की जानकारी मिल पाती है. बर्थ डिफेक्ट से ग्रसित बच्चों के हार्ट, ब्रेन, स्पाइन, स्किन आदि में सामान्य से अलग स्ट्रक्चर नजर आ सकता है. बर्थ डिफेक्ट बॉडी के बनावट, बॉडी ऑर्गन्स के फंक्शन या दोनों को प्रभावित कर सकते हैं. बच्चे के अंग विकसित न होना, नाक या होंठ पूरी तरह से विकसित न होना या दिमागी तौर पर विकास का रुक जाना शामिल है.

दो प्रकार के बर्थ डिफेक्ट

बर्थ डिफेक्ट को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है, संरचनात्मक दोष और कार्यात्मक दोष. जब शरीर का कोई हिस्सा गलत विकसित हुआ है या गायब होता है तो इसे संरचात्मक दोष कहते हैं. जैसे फटे होंठ, तालु, हृदय दोष, क्लबफुट आदि. वहीं जब शरीर का हिस्सा सही तरह से काम नहीं करता है तो इसे कार्यात्मक दोष कहते हैं. इसमें तंत्रिका तंत्र की समस्याएं, चयापचय संबंधी दोष आदि शामिल हैं. इस दोष के कई हिस्से हैं.

प्रतिरक्षा विकार (इम्यून डिजॉर्डर)
इसमें बच्चे को कैंसर, एलर्जी आदि होने की आशंका होती है.

डिजेनेरेटिव डिसऑर्डर
इसके तहत बच्चा सामान्य तौर पर विकसित होता है, लेकिन उसे काम करने में समस्या आती है.

सेंसरी डिसऑर्डर
अंधापन, सुनने में दिक्कत व अन्य समस्याएं इसी के तहत आती हैं.

स्पेक्ट्रम विकार
बोलने-सुनने में दिक्कत, ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर आदि समस्याएं इसमें शामिल हैं.

इस सिंड्रोम के कारण बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास बाधित होता है.

सिस्टम फाइब्रोसिस
इसके तहत बच्चे के फेफड़े और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है.

ऐसे होगा बचाव

लाइफस्टाइल में बदलाव और थोड़ी सी जागरुकता मां के हिस्से आए इस दर्द की आशंका को कम कर सकती है. आइए इससे बचाव के कुछ उपाय जानें-

मोटापे को करें कंट्रोल

बेहतर हो जब मां बनने का निर्णय लें, अपने वजन को नियंत्रित करने की कोशिश भी शुरू कर दें. मोटापे की वजह से प्रेग्नेंसी में कई तरह के कॉम्पलिकेशन हो सकते हैं. गर्भस्थ शिशु में कई तरह के बर्थ डिफेक्ट होने की आशंका भी बढ़ जाती है.

स्मोकिंग-अल्कोहल से बचें

कई बार महिलाएं खुद सिगरेट नहीं पीतीं लेकिन परिवार का कोई सदस्य सिगरेट पीता है तो उसका धुआं अप्रत्यक्ष तौर पर महिला के फेफड़े तक भी पहुंचता है, यह घातक है. इस तरह प्रेग्नेंसी के दौरान शराब भी बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है. यह ब्लडस्ट्रीम से पास होते हुए बच्चों के एंबिलिकल कॉर्ड तक पहुंच सकता है.

शुगर लेवल पर दें ध्यान

कई सीरियस बर्थ डिफेक्ट के लिए मां का ब्लड शुगर लेवल जिम्मेदार हो सकता है. यह अन्य प्रेगनेंसी कॉम्प्लिकेशंस को भी बढ़ा देता है. अगर प्रेगनेंसी के दौरान ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है तो चिकित्सक के संपर्क में रहें और उनकी बातों का गंभीरता से पालन करें.

400 एमजी फोलिक एसिड प्रतिदिन

फोलिक एसिड का नियमित सेवन कई मेजर बर्थ डिफेक्ट जैसे ब्रेन और स्पाइन संबंधी समस्याओं के खतरे को कम कर देता है, ऐसे में कंसीव करने के लगभग एक महीने पहले से ही पर्याप्त मात्रा में फोलिक एसिड लेना शुरू कर देना चाहिए, जिसे आपको प्रेगनेंसी में भी जारी रखना है. इससे बर्थ डिफेक्ट के खतरे से बचा जा सकता है.

डॉक्टर की सलाह जरूरी

प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले चिकित्सक से मिलें. चिकित्सक के निर्देशन में प्रेग्नेंसी से कई तरह की समस्याओं से बचाव हो सकता है. किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, या फिर आप उसकी दवाइयां ले रही हैं तो इनके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं. अगर पहले से मेडिकल कंडीशन जैसे डायबिटीज या थाइरोइड है, तो कोशिश करें कि वह कंट्रोल में ही रहें. साथ ही आप जो दवाई ले रही हैं, उसे प्रेग्नेंसी के दौरान डॉक्टर की सलाह पर बदल सकते हैं. कुछ मेडिसिंस के कंपोजिशन हार्मोनल इंबैलेंस का कारण बनते हैं और इसकी वजह से बर्थ डिफेक्ट हो सकता है. प्रेग्नेंसी की शुरुआत में अल्ट्रासाउंड कराने से समय पर समस्या की पहचान हो जाती है.

पौष्टिक आहार

महिलाओं को प्रेग्नेंसी ही नहीं, जिंदगी के शुरुआती दिनों से अपनी डाइट का पूरा ख्याल रखना चाहिए. आयरन, फाइबर, विटामिन, प्रोटीन आदि से भरपूर आहार लें. जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बरतें. प्रेग्नेंसी में कोई भी न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी न हो, इसका ध्यान रखें. साथ ही बचपन में ली जाने वाली रूबेला वैक्सीन को लेना भी न भूलें.

पालतू जब पास हो

घर में अगर पालतू कुत्ते, बिल्ली, खरगोश आदि हो तो खास सावधानी बरतनी जरूरी है. उन्हें जब भी स्पर्श करें तो उसके बाद हाथ साबुन से जरूर धोएं. अन्यथा टॉर्च इंफेक्शन होने की आशंका होती है.

जरूरी वैक्सीनेशन करवाएं

प्रेगनेंसी प्लान करने से पहले और प्रेग्नेंसी के दौरान सभी आवश्यक वैक्सीन जरूर लगवाएं. वैक्सीन नहीं लगवाना भी चाइल्ड बर्थ डिफेक्ट का कारण बन सकता है.

बर्थ डिफेक्ट के कारण

लगभग 30% प्रेग्नेंसी में इन बर्थ डिफेक्ट्स का कारण पता चल जाता है और 70% प्रेग्नेंसी में बर्थ डिफेक्ट्स का कारण स्पष्ट नहीं हो पाते. आमतौर पर जेनेटिक, मेडिसिन साइड इफेक्ट्स, इंवारन्मेंटल फैक्टर या फिर प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन्स, इन चार कारणों को जिम्मेदार माना जाता है.

जेनेटिक डिफेक्ट

जेनेटिक डिफेक्ट यानी पेरेंट्स के क्रोमोसोम्स में डिफेक्ट होना या आपस में मिल कर बने एम्ब्रियो के क्रोमोसोम्स में कोई डिफेक्ट होना. डाउन सिंड्रोम, एडवर्स सिंड्रोम, पटाऊ सिंड्रोम आदि के साथ बच्चे के जन्म की वजह यही होती है. आमतौर पर इसका पता प्रेग्नेंसी के दौरान अल्डासाउंड कराने में चल जाता है.

अधिक उम्र में मां बनना

भावी मां की उम्र 35 या अधिक है तब भी क्रोमोसोमल एबनॉर्मेल्टीज का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे बच्चे का डाउन सिंड्रोम जैसे जन्मजात दोष से पीड़ित होने की आशंका होती है.

मेडिसिन साइड इफेक्ट

किसी खास मेडिकल कंडीशन के लिए भावी मां यदि कोई दवा ले रही है, तो उस दवाई के साइड इफेक्ट्स से भी बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स आ सकते हैं.

प्रेग्नेंसी कॉम्प्लिकेशन्स

प्रेग्नेंसी कॉम्प्लिकेशन्स जैसे प्रेग्नेंट महिला को तेज बुखार होना या फिर कोई इन्फेक्शन हो जाना, यूट्रस के अंदर पानी कम हो जाना भी बच्चों में बर्थ डिफेक्ट्स का कारण बन सकते हैं.

एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स

एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स यानी पर्यावरणीय कारक जैसे शराब, स्मोकिंग, किसी केमिकल के संपर्क में आना या प्रदूषण से भी कई बार बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. टॉर्च इन्फेक्शन, रूबेला इन्फेक्शन जैसे संक्रमणों के प्रति मेटर्नल एक्सपोजर से भी बच्चे में बहुत सारे बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. इंफ्लूएंजा होना या कोई भी वायरल फीवर या हाई ग्रेड फीवर होने से बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स आ सकते हैं. इसके अलावा मां का चिकन पॉक्स से ग्रसित होना या पालतू जानवर से जुड़े इन्फेक्शन से भी बच्चे में डिफेक्ट्स आ सकते हैं.
कुछ रेडिएशन एक्सपोजर जैसे कि एक्स-रे या सीटी स्कैन के एक्सपोजर से भी बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. साथ ही कुछ न्यूट्रिशनल फैक्टर्स और माइक्रो न्यूट्रिशन की कमी से भी बच्चों में जन्म संबंधी विकार हो सकते हैं.

काली मिर्च के हैं सुनहरे फायदे

क्वीन ऑफ़ स्पाइस नाम से पहचान रखने वाली काली मिर्च सदियों से हमारी मसालेदानी का हिस्सा है. यह स्वाद तो बेहतर करती ही है, साथ ही कई बीमारियों के इलाज़ में भी राहत दिलाती है. आयुर्वेद में पारंपरिक चिकित्सा के लिए हज़ारों सालों से काली मिर्च का उपयोग होता आ रहा है. आइए, इसके कुछ औषधीय उपयोग से हों वाकिफ-

- मलेरिया में काली मिर्च के सेवन से लाभदायक है. आंखों की रोशनी के लिए भी यह गुणकारी है.
- शरीर के किसी भाग में सूजन होने पर काली मिर्च को पीसकर लेप करने से सूजन जल्दी ही ठीक हो जाता है.
- खाने में अरुचि, बदहज़मी और सांस की बीमारी जैसे दमा आदि में काली मिर्च के सेवन से बहुत लाभ होता है.
- 8 काली मिर्च को एक चम्मच देसी घी और थोड़े से गुड़ को साथ मिलाकर रोज़ाना चाटने से याद्दाश्त में सुधार होता है तथा दिमाग़ी कमज़ोरी दूर होती है.
- खांसी से परेशान हैं तो खाने के बाद चुटकीभर पीसी हुई काली मिर्च व आधा टेबलस्पून घी को साथ मिलाकर चाटें.
- 5 काली मिर्च के पाउडर को आधे ग्लास पानी में मिलाकर पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है.
- बच्चे पेट के कीड़े से परेशान हों तो छाछ में चुटकी भर काली मिर्च पाउडर मिला कर रात में पिलाएं. पेट के कीड़े मर कर निकल जाएंगे.
- गैस व अपच की शिकायत रहती हो तो कटे नींबू पर काला नमक और काली मिर्च का पाउडर लगाकर उसका रस चूसें.
- बवासीर की शिकायत हो तो जीरा, शक्कर और काली मिर्च के दानों को पीसकर पाउडर बना लें और इस चूरन को सुबह और शाम आधा टीस्पून खाएं.

चाहे व्यंजनों में मसाले के रूप में करें या औषधि के रूप में सेवन करें. कालीमिर्च के नियमित इस्तेमाल (मसालों या दवाई के रूप में) से शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बनता है. इससे मूड बेहतर होता है और डिप्रेशन में भी फ़ायदा मिलता है.

तरंग मित्तल

यूं बनाई खुद की पहचान

व्यवसायी सुरेंद्र प्रसाद अग्रवाल और गृहणी लीला देवी के घर जन्मीं तरंग मित्तल को शुरुआती स्कूल शिक्षा बहुत बेहतर मिली. बिशप वेस्कॉट गर्ल्स स्कूल नामकुम की बोर्डिंग में उन्होंने शुरुआती पढ़ाई की. बाद में सीनियर क्लासेज संत अन्ना स्कूल से पूरा हुआ. ख्वाब था डॉक्टर बनने का. लेकिन ग्रेजुएशन करते समय ही एक अच्छा रिश्ता आया और उनका ब्याह कर दिया गया. पढ़ाई अधूरी रह गई. पति इंजीनियर हैं, लेकिन ससुराल गांव (हैदर नगर, पलामू) में थी. कॉन्वेंट में पढ़ी लिखी और कभी गांव नहीं रहीं तरंग शादी के बाद पूरे छह साल तक गांव में रहीं. लेकिन इसका कोई मलाल उन्हें नहीं था. गांव के परिवेश को, हर रिश्ते को पूरा जिया. इस बीच उनकी दो बेटी और एक बेटा दोनों हुए जिनकी परवरिश में उनके ससुराल वालों के साथ उनके पैरेंट्स ने भी सहयोग किया.
दो बच्चे आईआईटी की पढ़ाई में पहुंचे, बड़ी बेटी तो अब जॉब भी करने लगीं. जिंदगी से कहीं कोई शिकायत नहीं थी, पर अपना करियर नहीं बनने की कसक जरूर रहती. उम्र के चौथे दशक में जब कई जिम्मेदारियों से राहत मिली, खुद पर फोकस करना शुरू किया. आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ीं और उसके पवित्रा प्रोजेक्ट के जरिए समाज सेवा के क्षेत्र में उतरीं. सुष्मिता सेन हमेशा से आदर्श रही हैं. इसलिए जब मिसेज इंडिया वन इन द मिलेनियन में शरीक होने का मौका आया तो पीछे नहीं हटी. इसके लिए पर्सनल ग्रूमिंग के सेशंस भी लिए. गुरुग्राम में आयोजित प्रतियोगिता के बाद वे मिसेज झारखंड क्लासिक स्टेट विनर रहीं. यह जिंदगी का यू टर्न था जिससे उनकी बहु, बेटी, मां, पत्नी से अलग एक पहचान मिली. अब पैरेंटिंग सेशंस लेकर सेवा करना चाहती हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

कांच के बर्तन होंगे चकाचक

कांच के बर्तनों को गर अच्छी तरह साफ नहीं किया जाए तो दाग धब्बे रह जाते हैं और वह शाइनी नहीं लगता. साफ करने के कुछ टिप्स-

- एक भगोने में पानी और बोरेक्स पाउडर मिला कर इसमें कांच के बेकिंग डिश को रख दें. कुछ देर बाद इसे नॉर्मल पानी से धोकर साफ कर लें. बर्तन में जमे हुए धब्बे गायब हो जाएंगे.
- गर्म पानी में लिक्विड सोप, अमोनिया की कुछ बूंदें और छोटा चम्मच नमक डालकर मिलाएं और इससे कांच के बर्तन साफ करें.
- कट डिजाइन के कांच के क्रॉकरी को साफ करने के लिए सफेद सिरका और गर्म पानी के घोल का उपयोग करें.

चेहरे की लकीरें, झुर्रियां, त्वचा का बेरौनक होनाउम्र की चुगली करने में कई बातें असर कर जाती हैं. यदि आप भी चालीस साल के ऊपर की हैं तो त्वचा को लेकर थोड़ी अधिक सजगता जरूरी है. आइए आज जानें कि चालीस साल की उम्र में 25 साल वाली त्वचा कैसे पाएं..

उम्र की चुगली नहीं कर पाएगी त्वचा

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

उम्र के साथ ही हमारी त्वचा के छिद्र बड़े होने लगते हैं. त्वचा में ढीलापन आने लगता है. त्वचा में कसाव के लिए चेहरे की मसाज जरूरी है. 2 बूंद बादाम का तेल हथेली में लेकर चेहरे की अपवर्ड डायरेक्शन में मसाज करें. रात में सोने से पहले और फिर सुबह उठते ही हल्के हाथों का पांच मिनट का ये मसाज स्किन पोर्स का साइज कम करेगा और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करेगा.

कोलेजन करें बूस्ट

40 प्लस की उम्र में त्वचा में कोलेजन बनना कम हो जाता है. इससे त्वचा में ढीलापन आता है. डाइट में कोलेजन युक्त फूड आइटम्स को बढाएं. चेहरे की दूध से सफाई करें. दूध में फैटी एसिड्स होते हैं जो त्वचा में कोलेजन के प्रोडक्शन को बूस्ट करते हैं. इससे आपकी त्वचा का ढीलापन दूर होता है.

सनस्क्रीन है जरूरी

चालीस की उम्र के बाद विशेषतौर पर सनस्क्रीन को अपने कॉस्मेटिक बैग में शामिल करें. एसपीएफ-30 या से इससे भी अधिक एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का उपयोग करें. भले घर में हो, तब भी इसका उपयोग होना चाहिए. माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ कर टोनर लगाएं. फिर दो-तीन ड्रॉप्स सीरम. इसके बाद लोशन और फिर आखिरी में सनस्क्रीन लगाएं.

हाईड्रेशन जरूरी

इसके लिए जहां ढेर सारा पानी, फलों का ताजा रस, नारियल पानी आदि पीना जरूरी है, वहीं रात में सोने से पहले चेहरे पर गुलाब जल लगाएं. रात में सोते वक्त त्वचा के अंदर मौजूद कोशिकाएं त्वचा में आई त्रुटियों को सुधारने का काम करती हैं. ऐसे में शरीर का सारा पानी सूखने लगता है और त्वचा डीहाइड्रेटेड हो जाती है. इसलिए रात में सोने से पहले आपको नारियल पानी, गुलाब जल, एलोवेरा जेल आदि चेहरे पर लगाना चाहिए.

खानपान पर ध्यान

उम्र के इस दौर में प्लेट को लेकर विशेष सजग हों. ढेर सारा सलाद, मौसमी फल खाएं. मोटा अनाज खाएं. तरल पदार्थ का सेवन करें. तले भुने, प्रोसेस्ड और जंक फूड से दूर रहें. विटामिन सी और ई का सेवन ज्यादा करें और प्रॉसेस्ड फूड से दूरी बनाकर रखें.

भरपूर नींद

उम्र के चौथे दशक में नींद पूरी करने पर विशेष ध्यान दें. नींद पूरी होगी तो स्किन जवां और चमकदार नजर आएगी. इससे तनाव दूर रहता है. 8 घंटे नींद लेना बहुत जरूरी है.

फेशियल योगा करें

इसे भी असरकारक माना जाता है. इसके लिए गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें. अब भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें. गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें. आंखों को गोल घुमाएं दोनों दिशा में. आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें. सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं. नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें. पूरा मुंह खोलें व बंद करें. जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं. होठों को सिकोडें व फैलाएं. दांत दिखाएं व बंद करें. मुंह से पाउट बनाएं. दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं. गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें. दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं. मुंह में पानी भरकर हिलाएं.

नोवाक जोकोविच

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : मैराथन मुकाबले में 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता से हारे टेलर फ्रिट्ज

11वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

- 04 घंटे तक चला जोकोविच व फ्रिट्ज के बीच मुकाबला
- 7-6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीते जोकोविच

भाषा । मेलबर्न

नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को करीब चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में हराकर 11वीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. जोकोविच ने यह मुकाबला 7- 6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीता. वह जितनी बार भी यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे , उतनी बार अपराजेय रहे. 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं. वह 48वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर या पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा. जोकोविच ने अब तक एक को छोड़कर सभी मुकाबलों में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया था. ऑस्ट्रेलिया में 2021 में मुकाबला पांच सेटों तक खिंचा था.

कोको गॉफ

03 घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में जीती गॉफ

- सेमीफाइनल में आपस में भिड़ेंगी गॉफ व सबालेंका

कोको गॉफ व सबालेंका सेमीफाइनल में

अमेरिका की चौथी वरीय कोको गॉफ ने मंगलवार को यहां मार्ता कोस्तयुक को तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 7-6, 6-7, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई. चौथी वरीय कोको गॉफ ने पहले सेट में 5-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दो सेट प्वाइंट बचाए और फिर सेट जीत लिया. उन्होंने दूसरे सेट गंवाया लेकिन फिर तीसरा और निर्णायक सेट जीतकर तीन घंटे और आठ मिनट में जीत दर्ज की. कोको गॉफ ने मुकाबले के दौरान 51 सहज गलतियां की जिसमें नौ डबल फॉल्ट भी शामिल हैं. वहीं सबालेंका ने बारबरा क्रेसिकोवा सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर सेमीफाइमल में जगह बनाई. सेमीफाइनल में कोको गॉफ और एरिना सबालेंका बीच मुकाबला होगा. पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन जीतने वाली कोको गॉफ ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में लगातार 12 मैच जीत चुकी हैं.

सबालेंका

ब्रीफ खबरें

इंडोनेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में किरन जॉर्ज

जकार्ता । भारत के किरण जॉर्ज ने इंडोनेशिया मास्टर्स 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वालीफाइंग दौर में दो करीबी जीत के बाद मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया. कोच्चि के 23 वर्ष के जॉर्ज ने अब तक दो सुपर 100 खिताब 2022 ओडिशा ओपन और 2023 डेनमार्क मास्टर्स जीते हैं. उन्होंने इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रूस्टाविटो को 21-17, 12-21, 21-15 से हराया. इससे पहले उन्होंने फ्रांस के एलेक्स लेनियर को 12-21, 21-18, 22-20 से मात दी थी. मुख्य ड्रॉ में सातवीं वरीयता प्राप्त एच एस प्रणय पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लो कीन यू के खिलाफ अभियान का आगाज करेंगे.

भारत 'ए' टीम में रिकू सिंह को मिली जगह

नयी दिल्ली । रिंकू सिंह को इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए मंगलवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया. टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की झलक दिखा चुके मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पदार्पण किया था और दो मैच में 17 और 38 रन बनाए. उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 44 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं जिसमें 57.57 की औसत से 3109 रन बनाए हैं.

पाक क्रिकेट की स्थिति बेहद दुखद : मियांदाद

कराची । जावेद मियांदाद ने पाकिस्तान में क्रिकेट के संचालन के तरीके पर दुख जताते हुए कहा है कि राष्ट्रीय टीम में लगातार नियुक्तियों और बदलावों ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को हिला दिया है. मियांदाद ने कहा कि मैंने दुनिया में कहीं भी क्रिकेट प्रशासन वैसा नहीं देखा जैसा हम पाकिस्तान में देखते हैं और ये स्थिति बेहद दुखद है. पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट खेलने वाले इस पूर्व कप्तान ने कहा कि हाल के दिनों में क्रिकेट प्रशासन का टीम और खिलाड़ियों पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है.

आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ टीम की घोषणा की, भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

वनडे टीम की कमान रोहित को

भाषा । दुबई

रोहित शर्मा को मंगलवार को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार टीम में जगह बनाने वाले अधिकतर खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे भारत (उप विजेता) और ऑस्ट्रेलिया (विजेता) के अलावा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हैं. एकदिवसीय टीम में पारी का आगाज करने का मौका रोहित और शुभमन गिल को दिया गया है. भारतीय कप्तान ने पिछले साल एकदिवसीय प्रारूप में 52 के औसत से 1255 रन बनाए. गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन की पारी खेली और 1584 रन के साथ इस प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को जगह मिली है जिन्होंने पिछले साल लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और भारत के खिलाफ फाइनल में 137 रन की पारी खेली. मध्य क्रम में कोहली, न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसेन शामिल हैं.

गेंदबाजी में सिराज, शमी और कुलदीप की तिकड़ी को जगह

गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, शमी और कुलदीप यादव की भारतीय तिकड़ी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा को जगह मिली है. जंपा ने 26.31 के औसत से 38 विकेट चटकाए और विश्व कप के लगातार तीन मुकाबलों में चार विकेट चटकाए. वह प्रतियोगिता में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर रहे. सिराज ने पिछले साल 44 विकेट चटकाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में 21 रन देकर छह विकेट भी शामिल रहे. भारत ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की. कुलदीप ने पिछले साल 49 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किए. पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर चार चरण में 25 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. शमी ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 रन पर सात विकेट रहा.

सूर्याकुमार बने सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम के कप्तान

आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और अर्शदीप सिंह को जगह मिली है. सूर्यकुमार को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान भी बनाया गया है. उन्होंने 18 मैच में 155.95 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाकर दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की.

सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जडेजा व अश्विन शामिल

साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को जगह मिली है. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टीम का कप्तान चुना गया है. अश्विन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार मैच में 25 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज थे. जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया था.

देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल : रिपोर्ट

भाषा । सिडनी

हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल पिछले सप्ताह एडीलेड में देर रात शराब पीने के बाद बेहोश हो गए थे और उठाने पर भी नहीं उठे जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा. एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया. पहले रिपोर्ट में इसका जिक्र नहीं था कि मैक्सवेल को अस्पताल क्यों ले जाना पड़ा लेकिन सिडनी मार्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वह बेहोश हो गए थे और रास्ते में ही होश में आये. यह घटना उस समय की है जब मैक्सवेल एक कान्सर्ट में थे. रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से कहा गया कि शो के दौरान मैक्सवेल की भीड़ में कई लोगों के साथ तस्वीरें आई. उसके बाद वह और उनके दोस्त स्टेज के पीछे जाकर शराब पीने और गाने लगे. इसमें कहा गया कि इसी दौरान मैक्सवेल बेहोश हो गए और उठाने पर भी नहीं उठे. फिर एम्बुलैंस बुलाई गई और मैक्सवेल को जहां तक याद है कि वह अस्पताल ले जाने के रास्ते में ही उठे. उन्हें थोड़ी देर बार ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वह अब टीम के साथ हैं.

'बैजबॉल' से मिल सकते हैं ढेरों विकेट: जसप्रीत बुमराह

भाषा । हैदराबाद

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि इंग्लैंड के अति आक्रामक रवैये 'बैजबॉल' से उन्हें फायदा हो सकता है और पांच मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला में उन्हें 'ढेरों' विकेट मिल सकते हैं. बुमराह ने कहा कि मैं बैजबॉल शब्द से जुड़ा हुआ नहीं हूं लेकिन वे सफल क्रिकेट खेल रहे हैं और आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी का सामना कर रहे हैं जिससे दुनिया को पता चल रहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक और तरीका है. जुलाई 2022 में बुमराह को 'बैजबॉल' की झलक तब मिली जब उन्होंने रोहित शर्मा के कोविड-19 के कारण बाहर होने के बाद बर्मिंघम में भारत की कप्तानी की. इस मैच में इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाकर सात विकट से जीत दर्ज की लेकिन इस मुकाबले को स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ एक ही ओवर में बुमराह के 29 रनों के लिए भी याद किया जाता है.

इटालियन सुपर कप : मार्टिनेज ने अंतिम क्षणों में दागा गोल

इंटर मिलान की टीम बनी चैंपियन

एजेंसी । रियाद

लुटारो मार्टिनेज ने रियाद में नेपोली पर 1-0 की रोमांचक जीत में मैच विजयी गोल करके इंटर मिलान का लगातार तीसरा इटालियन सुपर कप सुनिश्चित किया. अर्जेंटीना के स्ट्राइकर ने अतिरिक्त समय के अंतिम सेकंड में डिफेंडर बेंजामिन पावर्ड के अच्छी तरह से रखे गए लो क्रॉस का पूरा उपयोग करते हुए निर्णायक हमला किया. 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस गोल के साथ सीजन में अपना 21वां गोल दागा. मार्टिनेज इंटर मिलान के इतिहास में नौवें सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर बने, उन्होंने पूर्व स्ट्राइकर क्रिश्चियन विएरी के रिकॉर्ड की बराबरी की.

भारतीय टीम के मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा- अति आक्रामक रवैया नहीं अपनायेंगे लेकिन-

जरूरत पड़ने पर पीछे नहीं हटेंगे हमारे बल्लेबाज

भाषा । हैदराबाद

भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि उनकी टीम के बल्लेबाज इंग्लैंड के 'बैजबॉल' क्रिकेट का उसी अंदाज में जवाब देते हुए नहीं दिखेंगे लेकिन गुरुवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में अगर ऐसी नौबत आयी तो वे पीछे नहीं हटेंगे. इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है. 'बैज' मैकुलम का उपनाम है. द्रविड़ ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत मैच की परिस्थितियों के मुताबिक अपने खेल का रुख तय करेगा. भारतीय कोच ने कहा किमुझे नहीं लगता कि हम अति आक्रामक रुख अपनायेंगे. हम परिस्थितियों के मुताबिक खेलेंगे.

खास बातें

- कल से भारत-इंग्लैंड के बीच शुरू होगी टेस्ट श्रृंखला
- दोनों टीमों के बीच खेली जाएगी पांच मैचों की श्रृंखला

विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे केएल : द्रविड़

राहुल द्रविड़ ने मंगलवार को कहा कि लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे और विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा है. राहुल ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी और विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन किया था. इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला गुरुवार से शुरू होगी. द्रविड़ ने कहा कि राहुल इस श्रृंखला में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेगा और हम अपने चयन को लेकर स्पष्ट हैं.

महिला क्रिकेट — महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र की शुरुआत 23 फरवरी से बेंगलुरु में, शेड्यूल जारी

मुंबई इंडियंस व दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा पहला मुकाबला

भाषा । नयी दिल्ली

गत चैंपियन मुंबई इंडियंस महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र के पहले मैच में 23 फरवरी को बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगा. पूरा सत्र बेंगलुरू और दिल्ली में आयोजित किया जाएगा. यहां अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल की मेजबानी करेगा.

इस साल डब्ल्यूपीएल में कुल 22 मैच होंगे और शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी जबकि एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम भिड़ेंगी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने पिछले साल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर पहले डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था.

17 मार्च को दिल्ली में होगा फाइनल मुकाबला

22 मैच खेले जाएंगे इस साल डब्ल्यूपीएल में

- पूरे सत्र का आयोजन दिल्ली व बेंगलुरू में होगा

डब्ल्यूपीएल का कार्यक्रम इस प्रकार है

- **23 फरवरी**- मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **24 फरवरी**- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलुरू
- **25 फरवरी**- गुजरात जाइंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरू
- **26 फरवरी**- यूपी वारियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **27 फरवरी** - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलुरू
- **28 फरवरी** - मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलुरू
- **29 फरवरी** - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **01 मार्च** - यूपी वारियर्स बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलुरू
- **02 मार्च** - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम मुंबई इंडियन्स, बेंगलुरू
- **03 तीन मार्च**- गुजरात जाइंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **04 मार्च** - यूपी वारियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, बेंगलुरू
- **05 मार्च** - दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- **06 मार्च** - गुजरात जाइंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- **07 मार्च** - यूपी वारियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- **08 मार्च** - दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली
- **09 मार्च**- मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
- **10 मार्च** - दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- **11 मार्च** - गुजरात जाइंट्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली
- **12 मार्च** - मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- **13 मार्च** - दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
- **15 मार्च**- दिल्ली में एलिमिनेटर
- **17 मार्च** - दिल्ली में फाइनल

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग

सात्विक-चिराग की जोड़ी विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची

भाषा । नयी दिल्ली

पिछले दो सप्ताह से शानदार प्रदर्शन कर रहे भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ पुरूष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंच गए. एशियाई खेलों की चैंपियन यह जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी. दोनों पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे. इंडिया ओपन फाइनल में उन्हें विश्व चैंपियन कांग मिन युक और सिओ सांग जाए ने हराया. अन्य भारतीयों में एच एस प्रणय आठवें नंबर पर पहुंच गए जबकि लक्ष्य सेन, किदाम्बी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत क्रमशः 19वें, 25वें और 30वें स्थान पर बने हुए हैं.

ब्रीफ खबरें

फोटो डालने पर युवती ने लगायी फांसी

नवादा। नवादा में मानसिक रूप से परेशान एक युवती ने खुद की जीवन लीला ही समाप्त कर ली. बताया जाता है कि एक युवक ने युवती की अश्लील फोटो और वीडियो वायरल कर दी थी, जिससे वो काफी परेशान हो गई. घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है. घटना नवादा के नगर थाना क्षेत्र की है. परिजन ने बताया कि युवती शहर के एक मोहल्ले में अपने भाई और परिजनों के साथ रहकर पढ़ाई करती थी. भाई ने बताया कि उसके गांव का एक युवक मोबाइल पर आपत्तिजनक तस्वीर और वीडियो भेजता था.

नवादा में पुलिस के हत्थे चढ़े तीन आरोपी

नवादा। कौवाकोल थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक लूट कांड मामले में तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है. डीएसपी महेश कुमार चौधरी ने दी. पुलिस द्वारा इस कांड का उद्भेदन करते हुए 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा जा चुका है. फरार चल रहे अन्य तीन को मंगलवार को लूटी गई बाइक और तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया. डीएसपी ने बताया कि कि 23 दिसंबर को बाल विकास परियोजना कौवाकोल में लिपिक सुशील कुमार चौधरी ऑफिस के कार्य खत्म कर शाम में घर लौट रहे थे, जैसे ही कदर नहर के पास पहुंचे एक बाइक ने ओवरटेक कर उनकी बाइक को रोककर गिरा गया.

फाइनेंस कर्मी को मारी गोली, मौत

पूर्वी चंपारण । जिले के चकिया थाना क्षेत्र के भुअन छपरा देवपुर रोड में समूह का पैसा वसूली करने जा रहे फाइनेंस कर्मी को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और लगभग पचास हजार रुपया लूट कर फरार हो गए. गोली उसके दाहिने बांह और सीने में लगी है. घटना मंगलवार सुबह लगभग ग्यारह बजे की बतायी जा रही है. मृतक मलाही थाना क्षेत्र के चटिया गांव के सिरनी मठिया टोला का योगेंद्र गिरी का 25 वर्षीय पुत्र रुपेश कुमार है. जो चैतन्या इंडिया फाइनेंस क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के कल्याणपुर ब्रांच में कार्यरत था.

मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

सियासत गरमाई, राज्यपाल से मिले नीतीश

संवाददाता। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ मुलाकात की. राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच वार्तालाप हुई. इससे पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में पहुंचे थे. समारोह में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे. राजकीय समारोह के खत्म होने के बाद वहीं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिना डिप्टी सीएम तेजस्वी को साथ लिए अपने

करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ राजभवन पहुंच गए. राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी रुके रहे. राज्यपाल से दोनों नेताओं की बंद कमरे में बातचीत हुई है. नीतीश कुमार के राजभवन पहुंचने के बाद बिहार की सियासत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है. हालांकि, दोनों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है. एक दिन पहले ही ऐसी जानकारी सामने आई थी कि नीतीश कुमार 29 जनवरी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे.

राहुल गांधी फिलहाल असम में हैं. उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी. किशनगंज के रास्ते यह यात्रा 30 जनवरी को पूर्णिया पहुंचेगी. नीतीश कुमार पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करेंगे. हालांकि, इस बात की पुष्टि जदयू की ओर से नहीं की गई है.

बिहार में होगा 'खेला'? मांझी ने कर दिया इशारा

पटना। पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने एक ऐसा पोस्ट शेयर किया है, जिससे उन्होंने बिना किसी का नाम लिए बगैर बताने की कोशिश की है कि किसी भी भाषा में कह लीजिए लेकिन मतलब एक ही होता है कि खेल होकर रहेगा. साथ ही अंतिम में लोगों की समझदारी पर अपनी बात को छोड़ दिया. मांझी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, 'बंगला में कहते हैं, "खेला होबे" मगही में कहते हैं, "खेला होकतो" भोजपुरी में कहते हैं, "खेला होखी" बाकी तो आप खुद ही समझदार हैं.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

साक्षरता दर के मामले में राज्य का स्थान	-28 वां स्थान
बिहार की कुल साक्षरता दर	– 61.80 %
पुरुष साक्षरता दर	– 71.20 %
महिला साक्षरता दर	– 51.5 %
साक्षरता की दृष्टि से भारत के राज्यों में क्रम	– 28 वां
सर्वाधिक साक्षरता दर बल जिला	– रोहतास
न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला	– पूर्णिया
सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाला जिला	– रोहतास
सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाला जिला	– रोहतास
न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाला जिला	– पूर्णिया
न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला	– सहरसा

6 की संख्या में पहुंचे थे बदमाश, दो राउंड की फायरिंग

अररिया शहर के एक्सिस बैंक से बदमाशों ने 90 लाख लूटे

संवाददाता। अररिया

बिहार में नेपाल सीमा से सटे अररिया शहर के एडीबी चौक के पास दिन के 12 बजे एक्सिस बैंक की शाखा से 90 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया गया. अररिया एसपी और एसडीपीओ आवास से महज कुछ दूरी पर स्थित एडीबी चौक के पास एक्सिस बैंक की शाखा में छह हथियार बंद अपराधियों ने बैंक सहित बैंक में आए ग्राहकों से लूट की घटना को अंजाम दिया. बदमाश छह की संख्या में थे और सभी हथियारों से लैस थे. घटना करीबन साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती है. बदमाशों ने लूटपाट के क्रम में दो राउंड फायरिंग भी की. बदमाशों ने बैंक के कर्मचारी और ग्राहकों को बैंक के चेस्ट रूम में बंद कर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया. बदमाशों द्वारा करीबन 90 लाख से अधिक की लूट की बात कही जा रही है. सूचना के बाद मौके पर एसपी अशोक सिंह, रामपुकार सिंह और निर्मल कुमार यादवेंदु मामले की जांच शुरू कर दी है.

हथियार से लैस बदमाश बैंक में घुस गए

मामले को लेकर बैंक के मैनेजर नीरज कुमार ने बताया कि बैंक खुलने के बाद 11 और 11:30 बजे के करीब में हथियार से लैस बदमाश बैंक में घुस गए और हथियार के नोक पर सभी कर्मचारियों सहित बैंक में मौजूद ग्राहकों को बैंक के चेस्ट रूम में बंद कर दिया. जिसके बाद बैंक में रखे रुपए के साथ-साथ बैंक में मौजूद पैसा जमा करने के लिए आए ग्राहकों से भी लूटपाट की. लूटपाट के क्रम में बदमाशों ने बैंक के अंदर दो राउंड गोली भी फायरिंग की. मौके पर मौजूद भगत ग्लास के स्टाफ ने बताया कि रुपये जमा करने के लिए वह बैंक आए थे और बदमाशों ने उनसे भी उनके पास मौजूद डेढ़ लाख रुपये लूट लिए.

ग्राहकों ने बताया : ग्राहक मीरा देवी,शकुंतला देवी,अनीता देवी, किरण देवी, ज्योति देवी, बबिता देवी, आदि ने बताया कि स्वयं सहायता समूह को मिले रन की राशि जमा करने के लिए वे लोग बैंक में आए थे. बदमाशों ने उनसे भी वह राशि छीन ली. सभी को बदमाशों ने कमरे में बंद कर दिया था. लूटपाट कर बदमाश मौके से फरार हो गए. बैंक लूट की सूचना के बाद एसपी अशोक कुमार सिंह, एसडीपीओ रामपुकार सिंह,नगर थानाध्यक्ष निर्मल कुमार यादवेंदु मौके पर पहुंचे और बैंक में खाली खोखा बरामद किया. मामले पर पुलिस कुछ भी कहने से फिलहाल बच रही है. एसपी ने जांच करने की बात कही.

6 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति

- रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सलाह मशविरा करने सीएम नीतीश राजभवन गये थे

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मंगलवार को अचानक राजभवन पहुंचने और कोई 40 मिनट तक राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से गुफ्तगू की खबर राजनीतिक गलियारे में खलबली मचा गया. जितने मुंह उतनी बात. लेकिन चर्चा खोदा पहाड़ निकली चुहिया साबित हुई. दरअसल, राज्य के विश्विद्यालयों में लंबे समय से कुलपतियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सलाह मशविरा करने सीएम नीतीश राजभवन गये थे. राजभवन से उनके लौटने के कुछ घंटे बार कुलाधिपति सह राज्यपाल आर्लेकर ने सर्च कमेटी की अनुशंसा के आलोक में राज्य के छः विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की.

जारी अधिसूचना के मुताबिक एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति के पद पर प्रो संजय कुमार चौधरी को नियुक्त किया गया है. जबकि केएसडी संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा का कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पाण्डेय को बनाया गया है.

राजभवन सूत्रों के अनुसार बीएन मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के कुलपति के पद पर प्रो बिमलेन्दु शेखर झा को नियुक्त किया गया है. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के कुलपति के पद पर प्रो दिनेश चन्द्र राय को नियुक्त किया गया है.

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति के पद पर प्रो परमेन्द्र कुमार बाजपेयी को नियुक्त किया गया है. आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का कुलपति प्रो शरद कुमार यादव को बनाया गया है. सूत्रों के मुताबिक नवनियुक्त कुलपतियों का कार्यकाल उनके प्रभार-ग्रहण की तिथि से तीन वर्षों का होगा. ज्ञातव्य है इनसे पूर्व कुलपतियों, प्रतिकुलपतियों और रजिस्ट्रार की नियुक्ति के लिए बोली लगने के आरोप लगे थे.

ट्रेन के शौचालय में मिला नवजात का शव

नालंदा। नालंदा में इनदिनों लावारिश हालात में नवजात शिशुओं के मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. कभी सड़क किनारे, तो कभी किसी सुनसान जगह पर, तो कभी ट्रेन के शौचालय में नवजात के शव मिल रहे हैं. ताजा मामला राजगीर स्टेशन का है. यहां स्टेशन यार्ड पर खड़ी श्रमजीवी ट्रेन की बोगी के शौचालय में एक नवजात शिशु का शव मिला है. ट्रेन में बच्चे का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है.

पटना में 5.5 डिग्री तक आया तापमान, बढ़ी ठंड

पटना। राजधानी पटना में इस साल पहली बार सोमवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के नीचे पहुंच गया. मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार मंगलवार को पटना समेत कई जिलों में भीषण शीतलहर के साथ पछुआ हवा के चलने की संभावना है. साथ ही पटना समेत कई जिलों में घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है. हालांकि मंगलवार को कहीं बारिश का अनुमान था. पटना, नालंदा, बेगूसराय, नवादा, गया, जहानाबाद, वैशाली, सारण, औरंगाबाद, कैमूर और बक्सर में शीतलहर का प्रभाव देखने को मिल सकता है.

मौसम विभाग के अनुसार पटना, गया, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह 10 से 11 बजे तक घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है. इसके साथ ही दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट देखी जा सकती है. आज कई जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है.

कारोबार

एक्सिस बैंक का मुनाफा चार % बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही का एकल शुद्ध लाभ चार प्रतिशत बढ़कर 6,071 करोड़ रुपये रहा है. बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 5,853 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था. एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 33,516 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में यह 26,798 करोड़ रुपये थी.

सोने, चांदी व सिक्कों पर लगा आयात शुल्क

नई दिल्ली। सरकार ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर मौजूदा आयात शुल्क 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है. नई दरें 22 जनवरी से प्रभावी हो गईं है. वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क अब 15 फीसदी होगा. इसमें 10 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और 5 फीसदी एआईडीसी (कृषि अवसंरचना विकास उपकर) शामिल है.

वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर 2019 में प्रतिबंध लगा हुआ था

वेनेजुएला से तेल खरीदने की तैयारी में भारत

भाषा। नयी दिल्ली

पाकिस्तान जहां तेल को लेकर किल्लत झेल रहा है वहीं भारत इस मामले में जरुरत के अनुसार किसी भी देश से तेल आयात को लेकर निश्चिंत है. इस बीच भारत अब दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला से एक बार फिर से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी में है. दरअसल, वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर साल 2019 से ही प्रतिबंध लगा हुआ था. लेकिन बीते साल अक्टूबर में वेनेजुएला सरकार और विपक्षी दलों के बीच हुए समझौते के बाद अमेरिका ने उन प्रतिबंधों को मोटे तौर पर खत्म कर दिया था. अब जबकि प्रतिबंध खत्म हो गया है, तो भारत एक बार फिर से वहां से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी कर रहा है. ऐसा फरवरी से ही हो सकता है. इसके बाद ही देश में आम चुनाव होना है. साल 2019 में वेनेजुएला से ऑयल एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगने से पहले भारत की रिफाइनरीज नियमित तौर पर वहां से कच्चे तेल का आयात करती थी. उस समय वेनुजुएला पांचवां बड़ा सप्लायर था. लेकिन जैसे ही उस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगा, यह आयात बंद हो गया.

मिलेगा तेल

- वेनेजुएला में सरकार और विपक्ष में समझौता हो गया है
- भारत नवंबर 2020 में वेनेजुएला से तेल इंपोर्ट किया था
- वेनेजुएला के हैवी क्रूड को प्रोसेस करने में भारत सक्षम है

50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं

बीते महीने ही वेनेजुएला के ऑयल मिनिस्टर राफेल रमीरेज के हवाले से खबर आई थी कि इस संबंध में उन्होंने रिलायंस के अधिकारियों के साथ बातचीत की है. वह दीर्घकालिक आपूर्ति सौदे के तहत जून से प्रतिदिन 50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बीते दिसंबर में ही कहा था कि भारत उन सभी देशों से क्रूड ऑयल खरीदने को तैयार है, जिसके ऊपर प्रतिबंध नहीं लगा है. उन्होंने बताया था कि भारत की कई रिफाइनरियां वेनेजुएला से आए हैवी क्रूड को प्रोसेस करने में सक्षम हैं. भारत पहले से ही वेनेजुएला से क्रूड ऑयल खरीदता रहा है और अभी भी खरीदेंगे. अभी तक वहां से क्रूड इंपोर्ट इसलिए रोका गया था, क्योंकि वह अमेरिकी प्रतिबंध के कारण एक्सपोर्ट करने की स्थिति में नहीं था. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन का सदस्य देश वेनेजुएला इस समय दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिजर्व है. इस समय भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल का कंज्यूमर हैय यहां कुल खपत का करीब 80 फीसदी तेल बाहर से आता है. साल 2019 तक वेनेजुएला भारत के लिए पांचवां सबसे बड़ा सप्लायर था. साल 2019 में भारत ने वेनेजुएला से 16 मिलियन टन क्रूड ऑयल खरीदा था.

कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म केप्लर के मुताबिक किसी भारतीय रिफाइनरी ने अंतिम बार नवंबर 2020 में वेनेजुएला से क्रूड ऑयल का इंपोर्ट किया था. थोड़े दिन पहले तक भारत को रूस से डिस्काउंटेड रेट पर क्रूड ऑयल मिल रहा था. यह डिस्काउंट अच्छा-खासा हुआ करता था. लेकिन अब इसे घटा कर करीब दो डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है. इससे विकल्प के रूप में वेनेजुएला को देखा जा रहा है. बताया जाता है कि इंडियन रिफाइनर्स को वहां से प्रति बैरल 8 से 10 डॉलर का डिस्काउंट मिल सकता है. यदि ऐसा हुआ तो यह भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों के लिए फायदा का सौदा होगा. साथ ही इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल का दाम सस्ता रखने मेंसहायक होगा. बीते दिसंबर के शुरुआत में ही खबर आई थी कि मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज वेनेजुएला से लाखों टन कच्चा तेल खरीदेगी.

मैक्सपोश्योर को 339 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी। नई दिल्ली

एसएमई सेगमेंट की कंपनी मैक्सपोश्योर के शेयरों की लिस्टिंग से मंगलवार को निवेशकों ने तगड़ा मुनाफा कमाया. कंपनी के शेयर आज 339.39 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 145 रुपये पर लिस्ट हुए. इस जोरदार लिस्टिंग के कारण एसएमई सेगमेंट के इस शेयर ने कई बड़ी कंपनियां को प्रीमियम लिस्टिंग के मामले में पछाड़ दिया है. मैक्सपोश्योर का आईपीओ 15 जनवरी को खुला था और 17 जनवरी को बंद हुआ था. इस दौरान ये इश्यू 987.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था. सब्सक्रिप्शन के मामले में भी 2024 में ये आईपीओ सबसे अधिक सब्सक्राइब होने वाला इश्यू बन गया. 33 रुपये इश्यू प्राइस वाले इस आईपीओ के जरिए कंपनी की तैयारी 20.26 करोड़ रुपये जुटाने की थी. मैक्सपोश्योर शेयर की मंगलवार को एनएसई एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्टिंग हुई. लिस्टिंग के साथ ही इस शेयर ने अपने निवेशकों को करीब साढे तीन गुना का रिटर्न दे दिया.

एलएंडटी को भारत और विदेशों में मिले बड़े ठेके

एजेंसी। नयी दिल्ली

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की इकाई हेवी इंजीनियरिंग को घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई बड़े ठेके मिले हैं. एलएंडटी ने हालांकि ठेके की राशि की जानकारी नहीं थी लेकिन वह किसी ठेके का मूल्य 1000 से 2500 करोड़ रुपये के बीच होने पर ही उसे 'बड़ा' बताती है. कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया, एलएंडटी हेवी इंजीनियरिंग (एचई) के मॉडिफिकेशन, रिवैम्प और अपग्रेड (एमआरयू) व्यवसाय खंड को एक प्रमुख तेल तथा गैस ग्राहक से उनके महत्वपूर्ण डीबॉटलनेकिंग प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा ठेका मिला है. पिछले कुछ वर्षों से एमआरयू व्यवसाय ने पश्चिम एशिया के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया है और यह ठेका पश्चिम एशिया में एमआरयू व्यवसाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

बाजार में हाहाकार

स्मॉल कैप शेयरों की मंगलवार को सेशन में जमकर पिटाई हुई

शेयर बाजार अमंगल, सेंसेक्स 1053 अंक गिरकर बंद

एजेंसी। मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन अमंगल साबित हुआ है. बैंकिंग, मिडकैप और सरकारी कंपनियों के स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बड़ी गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ है. स्मॉल कैप शेयरों की मंगलवार को सेशन में जमकर पिटाई हुई है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 1053 अंकों की गिरावट के साथ 70,370 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 333 अंक गिरकर 21,238 अंकों पर बंद हुआ है. बाजार के मार्केट कैप में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है. ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. बैंक निफ्टी 2.26 फीसदी या 1043 अंक गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में जोरदार गिरावट रही.

8 लाख करोड़ घटा मार्केट कैप

शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते निवेशकों को जबरदस्त नुकसान का सामना करना पड़ा है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 366.04 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 374.38 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि मंगलवार को सत्र में निवेशकों को 8.34 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. मंगलवार के ट्रेड में सन फार्मा 4.05 फीसदी, भारती एयरटेल 3.37 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.10 फीसदी, पावर ग्रिड 0.27 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि इंडसइंड बैंक 5.87 फीसदी, एसबीआई 4.19 फीसदी, एचयूएल 3.81 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.45 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

केवल हेल्थकेयर और फार्मा सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर भी बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 5 स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए जबकि 25 लाल निशान में क्लोज हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 10 तेजी के साथ और 40 गिरावट के साथ बंद हुए. डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है. एक डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे कमजोर होकर 83.15 रुपये पर बंद हुआ है.

फोटो सेशन

चेन्नईः मंगलवार को रोल्स-रॉयस स्पेक्टर अपने लॉन्च इवेंट के दौरान चेन्नई में फोटो सेशन करवाते

गणतंत्र दिवस का फुल ड्रेस रिहर्सल

मंगलवार को गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर फुल एंड फाइनल ड्रेस रिहर्सल किया गया. इसमें विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां भी निकलीं. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फ्रांस के राष्ट्रपति मौजूद रहेंगे. इस बार महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर रहेगा. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

युन्नान में भूस्खलन में 20 लोगों की मौत

बीजिंग/कुनमिंग। दक्षिण पश्चिम चीन के पर्वतीय युन्नान प्रांत में भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है और 24 लोग अभी भी लापता है. यह हादसा सोमवार को सुबह करीब छह बजे झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ. सरकारी सीजीटीएन समाचार चैनल ने बताया कि इस हादसे के बाद कम से कम 20 लोग मृत पाए गए हैं जबकि 24 अन्य लापता हैं.

हिमाचल के युवाओं को संबोधित करेंगे पीएम

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश के युवाओं को 25 जनवरी को संबोधित करेंगे, जिसके सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गई है. हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने मंगलवार को यह जानकारी दी. बिंदल ने कहा कि 25 जनवरी का दिन हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसे राज्य दिवस के रूप में मनाया जाता है. उन्होंने कहा कि इस दिन को भारत में 'संविधान दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है.

शोभायात्रा के दौरान हुए विवाद के बाद निषेधाज्ञा

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के वाडी शहर में भगवान राम की शोभा यात्रा के दौरान विवाद के बाद धारा 144 लागू कर दी गयी. पुलिस ने बताया कि 25 जनवरी को सुबह छह बजे तक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू रहेगी. यह आदेश कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में जारी किया गया है.

तड़के तीन बजे से ही लग गयी थी राम भक्तों की लंबी कतार

अयोध्या में भक्तों का सैलाब

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला विराजमान हो गये. मंदिर मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे से आम लोगों के लिए खोल दिया गया. रामलला के दर्शन के लिए राम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है. हजारों की संख्या में रामभक्त रामलला के दर्शन पूजन के लिए मंदिर परिसर में तड़के तीन बजे से ही जुटने लगे थे. श्रद्धालु लंबी कतार में खड़े होकर रामलाल के दर्शन करने का इंतजार कर रहे थे. मंदिर परिसर जय श्रीराम, सियावर रामचंद्र की जय के नारे से गुंजायमान हो गया. उमड़ती भीड़ को देखते हुए श्री राम जन्मभूमि मंदिर के बाहर सुरक्षा कर्मियों की तैनात की गयी है. शाम तक चार लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके थे. लगभग इतने ही बाहर इंतजार कर रहे थे.

रामलला की पांच बार होगी आरती: श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला के दर्शन व पूजन के लिए एक विधान बनाया है. इस विधान के मुताबिक, पहले की तरह ही रामलला की पांच बार आरती होगी. ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जायेगी.

इजराइल में मना प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न

तेल अवीव। इजराइल में रह रहे सैकड़ों भारतीयों ने अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव विशेष पूजा अर्चना आयोजित कर मनाया. शनिवार को तेल अवीव के बीट दानी हॉल में इजराइल में स्थित तेलंगाना एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में भजन और कीर्तन हुआ. इस अवसर पर करीब 300 लोगों को भारतीय व्यंजन परोसे गये.

श्रीलंका में मनाया गया 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव

कोलंबो। हिंदू बहुल उत्तरी श्रीलंका में भी कई मंदिरों में अयोध्या में आयोजित 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया. भारत में आयोजित आधिकारिक समारोह के साथ-साथ उत्तरी श्रीलंका में भी कई अनुष्ठान किये गये. प्रतिष्ठित नल्लूर कोविल मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में सोमवार को अनुष्ठान किए गए. इस कार्यक्रम में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी भी शामिल हुए. उत्तरी प्रांत के जाफना जिले में स्थित नल्लूर कंडास्वामी कोविल या नल्लूर मुरुगन कोविल सबसे महत्वपूर्ण हिंदू मंदिरों में से एक है. मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी, जहां भक्तों ने सुबह के समय मूर्तियों की साफ-सफाई की. बाद में मंदिरों में प्रार्थनाएं की गई और राम भजन गाए गये.

पीएम ने बोस व ठाकरे को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि पराक्रम दिवस पर भारत के लोगों को बधाई. आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हम उनके जीवन और साहस का सम्मान करते हैं. हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए उनका अटूट समर्पण आज भी प्रेरित करता है. बता दें कि सरकार ने साल 2021 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी.

जयंती विशेष

अपने नेतृत्व व आदर्शों के प्रति अडिग समर्पण के कारण आज भी लोगों के दिलों में राज करते ठाकरे : पीएम मोदी ने शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे को भी उनकी जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बाला साहब ठाकरे जी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं. वह एक विशाल शख्सियत थे. जिनका महाराष्ट्र के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रभाव अद्वितीय है. कहा कि अपने नेतृत्व, अपने आदर्शों के प्रति अडिग समर्पण और गरीबों व दलितों के लिए बोलने की प्रतिबद्धता के कारण अनगिनत लोगों के दिलों में वह राज करते हैं. बता दें कि बाला साहब ठाकरे का जन्म 23 जनवरी 1926 को हुआ था. उन्होंने 1966 में शिवसेना की स्थापना की थी. बाला साहब की मृत्यु के बाद उनके पुत्र उद्धव ठाकरे पार्टी की कमान संभाल रहे हैं. वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके हैं.

यह शर्मनाक है... हम आज तक नहीं जानते कि नेताजी के साथ क्या हुआ था : ममता बनर्जी : **कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि यह देश के लिए शर्म की बात है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लापता होने के इतने वर्षों बाद भी लोग यह नहीं जानते कि उनके साथ क्या हुआ था. और न ही उन्हें उनकी मौत की तारीख पता है. उन्होंने नेताजी के लापता होने की जांच कराने का वादा न निभाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा. केंद्र द्वारा राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सोमवार को केंद्र सरकार के कार्यालयों में आधे दिन के अवकाश की घोषणा करने के स्पष्ट संदर्भ में ममता ने कहा कि आज कल राजनीतिक विज्ञापनों के लिए छुट्टियों की घोषणा की जाती है लेकिन उन लोगों के लिए कोई घोषणा नहीं की गयी जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी.

म्यांमा का विमान मिजोरम में क्रैश

एजेंसी। आइजोल

म्यांमा का एक सैन्य विमान मंगलवार को आइजोल के बाहरी इलाके में स्थित लेंगपुई हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. अधिकारियों ने बताया कि यह विमान म्यांमा के उन सैनिकों को वापस लेने के लिए यहां आया था, जो जातीय विद्रोही समूह 'अराकान आर्मी' के साथ मुठभेड़ के बाद सीमा पार कर पिछले सप्ताह भारत आ गए थे. अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना के वक्त विमान में छह लोग सवार थे और उनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं. अधिकारियों ने बताया कि विमान उतरते समय हवाईअड्डे के टेबलटॉप रनवे से आगे निकल गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि विमान दो हिस्सों में टूट गया. अधिकारियों के मुताबिक, पिछले हफ्ते म्यांमा के कुल 276 सैनिक मिजोरम में घुस आए थे, जिनमें से 184 को सोमवार को वापस भेज दिया गया.

चीता ज्वाला ने कूनो पार्क में तीन शावकों को जन्म दिया

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से एक अच्छी खबर आयी है. यहां नामीबिया से लायी गयी मादा चीता ज्वाला ने एक साथ तीन बच्चों (शावकों) को जन्म दिया है. इस संबंध में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर जानकारी शेयर की है. मंत्री ने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है. जिसमें तीनों बच्चे अपने मां के साथ नजर आ रहे हैं. पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर कहा कि कूनो के नये शावक! नामीबियाई चीता ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया है. इससे कुछ हफ्तों पहले नामीबियाई चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था.

आशा व सियासा ने भी शावकों को दिया था जन्म : नामीबिया से आयी चीता ज्वाला ने एक साथ तीन शावकों को जन्म दिया है. इसके कुछ दिन पहले आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था. इससे पहले सियाया नामक एक चीता ने पिछले साल मार्च में चार शावकों को जन्म दिया था. हालांकि उनमें से केवल एक शावक जीवित बचा.

भारत में कोविड के 236 नये मामले सामने आये

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के 236 नये मामले सामने आये हैं, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2,031 है. स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अद्यतन किये गए आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में तीन मरीजों की मौत हो गई, मृतकों में से एक कर्नाटक से और दो पश्चिम बंगाल से थे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

साउंड इंजीनियरिंग कर युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद

साउंड इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की एक ऐसी शाखा है, जिसके अंदर साउंड को समझने, सुधारने तथा एक नयी किस्म की साउंड तैयार करना सिखाया जाता है. इसमें आपको साउंड की कला (उतारचढ़ाव) को समझने की आवश्यकता होती है. इसमें म्यूजिक, मूवीज, थिएटर, रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, रिप्रोडक्शन से संबंधित चीजें सिखायी और पढ़ाई जाती है. साउंड इंजीनियर का काम म्यूजिक, स्पीच और स्टूडियो की साउंड क्वालिटी को बेहतर बनाना होता है. इसके लिए फिल्मों, रेडियो, और टेलीविजन में कई तरह के टेक्निकल इंस्ट्रूमेंट्स का प्रयोग किया जाता है. यह एक कला है, जो किसी भी प्रकार के साउंड को समझने, उन्हें रिकॉर्ड और प्रोड्यूस करने के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिसे हम ऑडियो मिक्सिंग के नाम से भी जानते हैं. साउंड इंजीनियरिंग में छात्रों को बेसिक से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन तक की पूरी कला सिखाई जाती है.

क्यों करें साउंड इंजीनियरिंग

साइंड इंजीनियरिंग काम करने के लिए एक बहुत ही संतोषजनक और पुरस्कृत क्षेत्र है. इस क्षेत्र में आपको कुछ ऐसा करने को मिलता है, जिसे आप पसंद करते हैं. यदि आप फिल्मों के लिए ध्वनि डिजाइनिंग करते हैं, तो आप अपने काम के लिए ऑस्कर भी जीत सकते हैं.

- रेडियो स्टेशन, टीवी चैनल, स्टूडियो, मल्टीमीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में साउंड इंजीनियर और तकनीशियन के लिए कॅरियर के अवसर उपलब्ध हैं.
- यदि आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना और क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर काम करना पसंद करते हैं तो साउंड इंजीनियर आपके लिए एक अच्छा कॅरियर विकल्प हो सकता है.

डिप्लोमा कोर्सेज

- डिप्लोमा इन ऑडियो इंजीनियरिंग
- डिप्लोमा इन रिकॉर्डिंग आर्ट्स

सर्टिफिकेट कोर्सेज

- सर्टिफिकेट इन ऑडियो एंड रिकॉर्डिंग इंजीनियरिंग
- सर्टिफिकेट इन ऑडियो प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी
- सर्टिफिकेट इन ऑडियो टेक्नोलॉजी

साउंड इंजीनियर के प्रकार

- मॉनिटर ऑडियो इंजीनियर
- सिस्टम इंजीनियर
- वायरलेस माइक्रोफोन इंजीनियर
- गेम ऑडियो डिजाइनर इंजीनियर
- रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑडियो इंजीनियर
- स्टूडियो रिकॉर्डिंग इंजीनियर

बैचलर कोर्सेज

- .बेचलर डिग्री इन ऑडियो इंजीनियरिंग
- बीटेक इन साउंड इंजीनियरिंग
- बेचलर डिग्री इन ऑडियो टेक्नोलॉजी
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ फाउंडेशन इयर
- (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड म्यूजिक प्रोडक्शन
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ फाउंडेशन इयर
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ प्रोफेशनल एक्सपीरियंस
- बेचलर ऑफ साइंस इन साउंड इंजीनियरिंग
- फाउंडेशन कोर्स इन साउंड इंजीनियरिंग एंड ऑडियो प्रोडक्शन
- साउंड एंड लाइव प्रोडक्शन
- बीएससी (ऑनर्स) म्यूजिक एंड साउंड डिजाइनिंग बीए (ऑनर्स)/बीएससी (ऑनर्स)
- बेचलर ऑफ साइंस इन म्यूजिकल ऑडियो इंजीनियरिंग

मास्टर कोर्सेज

- एमटेक इन साउंड इंजीनियरिंग
- मास्टर डिग्री इन ऑडियो टेक्नोलॉजी
- डिजिटल म्यूजिक एंड साउंड आर्ट्स एमए
- मास्टर ऑफ फिलोसोफी इन साउंड एंड वाइब्रेशन
- एमएससी साउंड डिजाइनिंग
- साउंड डिजाइनिंग एंड ऑडियो विजुअल प्रैक्टिस एमएससी
- एमए इन एक्सपेरिमेंटल साउंड प्रेक्टिस
- मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) इन साउंड एंड वाइब्रेशन

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)